फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 100 प्रभात जयपुर, बुधवार 11 नवम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com



From A Nightclub To The Palace Of Kapurthala

It was in May, 1906, when Anita and her sister performed a curtain raiser act at the Kursaal Fronton, a modern nightclub in Madrid that things took a turn

The Emerald of Jahangir

In the Mughal worldview, gemstones carried deeper meanings.

'मैंने राजीव से बहुत मिन्नतें की थीं, राजनीति में न जाएं'

'लेकिन, जब राहुल के राजनीति में आने की बात हुई तो मैंने उन्हें नही रोका'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। सोनिया गांधी ने अपने पति राजीव गांधी से राजनीति में न आने की ''मिन्नत'' की थी, लेकिन जब उनके बेटे राहुल गांधी के लिए पॉलिटिक्स में अपना जीवन लगाने का समय आया, तो उन्होंने ''इसका विरोध नहीं किया।'' कांग्रेस की वरिष्ठ नेता ने अपनी आत्मकथा ''बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव'' में यह खुलासा किया है। उनकी यह आत्मकथा 10 नवंबर को दुनिया भर में प्रकाशित हो रही है।

- सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा ''बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव'' में यह दावा किया और कहा, राहुल की बहुत पहले से राजनीति में रूचि थी।
- सोनिया ने बताया कि जब राहुल स्कूल में पढ़ते थे, तब भी राजीव अक्सर राहुल को अमेठी ले जाते थे ताकि वे ग्रामीण जीवन की कठिनाईयों को देख सकें।
- सोनिया ने बताया कि उनके चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका चुनाव क्षेत्र में ही रहती थीं। इससे वे पार्टी कार्यकर्ताओं और जनता की प्रिय बन गईं।

हार्पर कॉलिन्स इंडिया और पैन्गिवन रैंडम हाउस द्वारा प्रकाशित अपनी इस आत्मकथा को उन्होंने अपने दोनों बच्चों राहुल और प्रियंका को समर्पित किया है।

सोनिया गांधी लिखती हैं कि ''राहुल की राजनीति में लंबे समय से रुचि थी।'' राहुल और प्रियंका का उत्तर प्रदेश के अमेठी से भी गहरा जुड़ाव था। अमेठी उनके माता-पिता का चुनाव क्षेत्र था और उत्तर प्रदेश हिंदी भाषी क्षेत्र का एक प्रमुख राज्य है।

सोनिया गांधी लिखती हैं कि राजीव गांधी राहुल को कई बार स्कूल के दिनों में अमेठी ले गए थे। बाद में भी वे उन्हें वहां ले जाते रहे, ताकि राहुल ग्रामीण जीवन की कठिन वास्तविकताओं को समझ सकें।

सोनिया गांधी के अनुसार, प्रियंका अपने माता-पिता के सभी चुनावों के दौरान अमेठी में मौजूद रहती थीं। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के बीच अपनी पहचान बनाई।

सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा में लिखा है, ''लेकिन उनकी (प्रियंका) पहली प्राथमिकता अपने छोटे बच्चों की परवरिश करना और बौद्ध अध्ययन (बुद्धिस्ट स्टडीज़) में पोस्ट ग्रैजुएट डिप्लोमा करना था। जब भी राहुल भारत वापस आते, तो वे मेरे साथ या अपनी बहन के साथ अमेठी जाते थे। इस तरह वे दोनों ही वहां के लोगों के लिए जाने-पहचाने चेहरे बन गए थे। इन्हीं दौरों के दौरान जब वे आखिरकार भारत लौटे, तो राहुल ने खुद को वहाँ के लोगों के प्रतिनिधि के तौर पर काम करने के लिए तैयार पाया।''

सोनिया गांधी लिखती हैं कि कैम्ब्रिज में राहुल ने एमफिल की पढ़ाई के दौरान ''डवलपमैंट स्टडीज़'' विषय चुना था। विदेश में नौकरी करने के दौरान भी वे भारत की राजनीतिक घटनाओं को करीब से फॉलो करते थे।

गांधी लिखती हैं, ''पार्टी लगातार उन पर सक्रिय भूमिका निभाने के लिए दबाव डाल रही थी। इसका मतलब था कि उन्हें अपनी जिंदगी पूरी तरह बदलनी पड़ती। वे एक सार्वजनिक व्यक्ति बन जाते, जिनकी हर कदम पर निगरानी होती और जिनके हर काम का आकलन किया जाता।'' वे आगे लिखती हैं कि ''प्रियंका और मेरे साथ बातचीत करने तथा खुद काफी सोच-विचार करने के बाद'' राहुल ने यह फैसला लिया।

मार्च 2004 में राहुल ने कहा कि वह अमेठी से चुनाव लड़ेंगे, जबकि सोनिया गांधी ने पास के रायबरेली चुनाव क्षेत्र चली जाएंगी।

सोनिया लिखती हैं, ''दो दशक पहले मैंने राजीव से राजनीति में न आने की मिन्नत की थी। मैंने उनसे कहा था कि वे खुद को और हम सभी को उस खतरों से भरी दुनिया में न झोंकें। लेकिन अब बारी मेरे बेटे की थी और इस बार मैंने उसे नहीं रोका। राहुल ने अपने पिता के अंत का अंदाज़ा लगा लिया था। इस बात को लेकर उन्होंने अपने पिता के साथ लड़ाई भी की थी। इसके बावजूद उनके मन में अपने पिता के मूल्यों के प्रति गहरा जुड़ाव और उस साहस के लिए सम्मान था, जिसके साथ राजीव मंडराते खतरे के बावजूद डटे रहे।''

वे लिखती हैं कि राहुल ने अपना पहला चुनाव बड़े अंतर से जीता और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एलएलबी के लिए आयु सीमा समाप्त

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उसने तीन साल और पांच साल के लॉ डिग्री प्रोग्राम में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा हटा दी है।

इस जानकारी को ध्यान में रखते हुए भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत,

- बार काउन्सिल ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया है कि तीन साल और 5 साल के कानून डिग्री कोर्स में प्रवेश के लिए ऊपरी आयु सीमा हटा दी गई है।

न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने आयु सीमा के खिलाफ दायर याचिका का निपटारा कर दिया।

वर्ष 2017 में अदालत ने बीसीआई के वर्ष 2016 के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसमें पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा 22 वर्ष और तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 45 वर्ष तय की गई थी।

दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने बीसीआई से पूछा था कि क्या वह कानून की डिग्री के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा तय करने वाले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पहला बच्चा खोने के दुःख से आज भी उबर नहीं पाई हैं सोनिया

सोनिया ने बताया कि जनवरी 1969 में उन्होंने अपना पहला बच्चा खो दिया था, वह ''प्रीमैच्योर'' शिशु था

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। दस नवंबर को प्रकाशित हुई अपनी आत्मकथा में कांग्रेस की अपने संस्मरणात्मक कृति में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने जनवरी 1969 में अपने पहले बच्चे को खोने की घटना को याद किया है, जो कि एक प्रीमैच्योर (समय-पूर्व जन्मा) बच्चा था। उन्होंने अपने दुख, नवजात शिशु के अवशेषों को नदी में बहाने से इनकार करने और इस बात का जिक्र किया है कि कैसे राजीव और संजय गांधी ने परिवार के महरौली स्थित फार्म हाउस में उसे दफनाया था।

- सोनिया ने बताया कि सितंबर 1968 में उन्हें पता चला कि वे माँ बनने वाली हैं, इस बात से इंदिरा जी व राजीव बेहद खुश हुए थे।
- सोनिया ने बताया कि उन्होंने अपने मृत बच्चे को नदी में बहाए जाने से मना कर दिया था, फिर राजीव और संजय ने उसे महरौली के फॉर्म हाउस में दफनाया था, उस पर भी विवाद खड़ा किया गया था।

सोनिया ने लिखा है कि सितम्बर 1968 में जब उन्हें व राजीव गांधी को माता-पिता बनने की बात पता चली तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं था। पहले बच्चे के आने की खुशी, उसके स्वागत की तैयारियां और माता-पिता बनने का उत्साह जनवरी 1969 में गहरे दुख में बदल गया। इसके बाद जो हुआ, वह एक बेहद निजी त्रासदी थी। इस दुख के साथ बच्चे के अंतिम संस्कार को लेकर सवाल भी जुड़े थे। इसके अलावा, एक अखबार में छपी एक बेहद दुखद खबर ने इस दर्द को और भी बढ़ा दिया। सोनिया गांधी के अनुसार, वह खबर आज भी उन्हें परेशान करती है।

उन्होंने अपने संस्मरण में बच्चे को दफनाने की परिस्थितियों, परिवार से मिले सहयोग और इस त्रासदी से मिले भावनात्मक आघात के बारे में भी लिखा है।

सोनिया लिखती हैं कि सितंबर में जब उन्हें और राजीव को पता चला कि वे मां बनने वाली हैं, तो दोनों बहुत खुश हुए थे। उनकी सास इंदिरा गांधी भी यह खबर सुनकर बेहद प्रसन्न हुई थीं। विदेश में तैनात एक मित्र को लिखे पत्र में इंदिरा ने कहा था, ''क्या मैं आपको एक राज की बात बताऊं? अप्रैल में मैं दादी बनने वाली हूं। हम सभी इस खबर से बेहद खुश हैं।''

इंदिरा गांधी ने यह खबर सुनकर सोनिया को चूमा और गले लगाया। उन्होंने मजाक में कहा, ''एक बड़ी बच्ची एक शिशु को जन्म देने वाली है!'' सोनिया लिखती हैं कि उन्हें इंदिरा का प्यार और स्नेह अच्छा लगा, लेकिन उन्होंने राजीव से इस टिप्पणी के बारे में पूछा। वह सोच रही थीं कि क्या अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'प्र.मंत्री मोदी नज़र मिलाने से कतराते हैं'

सोनिया गांधी ने अपनी किताब में यह दावा किया और बताया कि आमने-सामने पड़ने पर हम नमस्ते करते हैं, पर, प्र.मंत्री उस समय कहीं और देखते रहते हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। सोनिया गांधी ने अपनी आत्मकथा ''बिलॉन्गिग: अ जर्नी ऑफ लव'' में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बारे में लिखा है, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से आधिकारिक कार्यक्रमों में मुलाकात तो होती है, लेकिन उनके साथ ''कभी कोई आत्मीय बातचीत नहीं हुई।'' उनकी यह किताब 10 नवंबर को बाजार में आ रही है।

- सोनिया ने संसद सत्र खत्म होने के बाद स्पीकर के चैम्बर में होने वाली मीटिंग का उदाहरण देते हुए कहा, उस छोटे से चैम्बर में सभी दलों के नेता एकत्रित होते हैं। प्रधानमंत्री से आमना-सामना होने पर नमस्ते होती है, पर, वे आँख नहीं मिलाते हैं।
- सोनिया ने कहा, पहले ऐसा नहीं होता था। अलग-अलग दलों के नेता एक दूसरे के साथ सम्मानजनक तरीके से पेश आते थे।

सोनिया गांधी अपनी पुस्तक में लिखती हैं, ''नरेन्द्र दामोदरदास मोदी इस किताब के लिखे जाने तक 12 साल से अधिक समय से भारत के प्रधानमंत्री हैं और अब अपने तीसरे कार्यकाल में हैं। आज तक उनसे मेरा व्यावहारिक रूप से कोई वास्तविक संपर्क नहीं रहा है।''

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष का कहना है कि जब भी दोनों की मुलाकात होती है, तो वे एक-दूसरे को नमस्ते करते हैं। लेकिन उनका दावा है कि प्रधानमंत्री ''अक्सर इधर-उधर देखने लगते हैं, और आंखें मिलाने से बचते हैं।'' सोनिया के मुताबिक, यह अतीत में अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच दिखने वाली आपसी सौहार्द की परंपरा से दूर जाने जैसा है।

सोनिया लिखती हैं, ''हम अर्ध-सरकारी आयोजनों में मिलते हैं। उदाहरण के लिए, जब संसद के प्रत्येक सत्र के समापन पर प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता आम तौर पर लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में इकट्ठा होते हैं। वह एक बहुत छोटा कमरा है और वहां आम तौर पर कई लोग होते हैं। लेकिन जब उनका आमना-सामना मुझसे होता है, तो हम औपचारिक रूप से एक-दूसरे का नमस्ते से अभिवादन करते हैं। पर वे अक्सर नजरें घुमा लेते है आंख मिलाने से कतराते हैं। अतीत में ऐसा नहीं था। तब अलग-अलग राजनीतिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यमुना में शुरु हुआ दिल्ली का पहला रिवर क्रूज़

नई दिल्ली, 10 नवंबर। दिल्ली में यमुना नदी पर पहली मनोरंजक क्रूज सेवा शुरू हो गई है। केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की मौजूदगी में सोनिया विहार-जगतपुर

- यह इलैक्ट्रिक क्रूज़ छः कि.मी. क्षेत्र में नदी की सैर कराएगा।

खंड पर इस सेवा का उद्घाटन किया। 30 यात्रियों की क्षमता वाला इलेक्ट्रिक क्रूज करीब छह किलोमीटर के क्षेत्र में नदी की सैर कराएगा। इस पहल का उद्देश्य दिल्ली में नदी पर्यटन को बढ़ावा देना और यमुना को पर्यटन एवं मनोरंजन के नए केन्द्र के रूप में विकसित करना है।

कार्यक्रम में केन्द्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री भजनलाल के दीपावली स्नेह मिलन में बड़ी संख्या में आम जन पहुँचे

उन्होंने डीग में श्रीनाथ जी के मंदिर में दर्शन किए व अन्नकूट प्रसादी ली

जयपुर, 10 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में आमजन पहुंचे। मुख्यमंत्री से मुलाकात को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला।

मुख्यमंत्री ने सभी को दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने उपस्थित लोगों से सहज संवाद कर दीपावली की खुशियां साझा कीं तथा उनके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

समारोह में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों, समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी, संख्या में आमजन की सहभागिता रही।

इसके बाद, मुख्यमंत्री ने डीग जिले के पूंछरी का लौठा में मुकुट मुखारविंद मंदिर में दर्शन किए और मंत्रोच्चार के बीच सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना और अभिषेक कर प्रदेश एवं प्रदेशवासियों को गोवर्धन पर्व की शुभकामनाएं दीं।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में बड़ी संख्या में आमजन पहुंचे।

- जयपुर में मुख्यमंत्री आवास पर हुए समारोह में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों के साथ समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

इसके पश्चात, मुख्यमंत्री पैदल ही श्रीनाथजी मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं से दिवाली की रामा-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज जैसलमेर में

जयपुर, 10 नवंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को जैसलमेर दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री

- तनोट माता के दर्शन करने के बाद वे बीएसएफ जवानों के भाईदूज कार्यक्रम में भाग लेंगे।

प्रसिद्ध तनोट माता मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना करेंगे।

मुख्यमंत्री सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के भाईदूज कार्यक्रम में भी शिरकत करेंगे।

अपनी देवरानी मेनका के साथ मतभेदों पर खुलकर लिखा है, सोनिया गांधी ने

सोनिया ने बताया कि विवाद की शुरुआत संबोधन से हुई, जहाँ सारा स्टाफ उन्हें ''बहूरानी'' कहता था और मेनका को ''छोटी बहू'', यह बात मेनका को अपमानजनक लगती थी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। मेनका आनंद जब गांधी परिवार का हिस्सा बनीं, तब उनकी उम्र महज 18 साल थी। घर में उन्हें 'छोटी बहू' कहा जाता था। सोनिया गांधी के लिए घर में एक देवरानी का होना शुरू में सुखद अनुभव था। लेकिन धीरे-धीरे दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई और संजय गांधी की विधवा मेनका घर छोड़कर चली गईं। मंगलवार को जारी अपने संस्मरण 'बिलॉन्गिंग: ए जर्नी ऑफ लव' में सोनिया गांधी ने मेनका के गांधी परिवार में आने और फिर उनके साथ रिश्ते खराब होने की पूरी कहानी बयान की है।

- सोनिया बताती हैं कि 1973 के अंत में जब संजय गांधी की मेनका से मुलाकात हुई थी, तब मेनका बेहद खूबसूरत, चंचल किशोरी थीं और 18 साल की उम्र में वे संजय की दुल्हन बन कर घर आ गई थीं।
- ''मेनका बहुत बातूनी, जिंदादिल और खुलकर जीने वाली लड़की थीं। मैं अक्सर उनकी बातें सुनकर अभिभूत होती थी और प्रियंका तो अक्सर अपनी चाची के ही कमरे में रहती थी, उनसे कहानी सुनती थी।''
- सोनिया ने बताया, शुरु में सब अच्छा था, पर, धीरे-धीरे बात बिगड़ती गई। मेनका अक्सर कटाक्ष करती थीं, मैं प्रायः चुप रह जाती थी। पर, बात जब हद से बढ़ गई, तो मैं सख्ती से जवाब देने लगी।

सोनिया ने लिखा है कि 1973 के अंत में संजय गांधी की मुलाकात मेनका से कराई गई थी, जो खूबसूरत चंचल थीं और संजय से दस साल छोटी थीं और उस समय तक मेनका नाबालिग थी।

एक साल के भीतर दोनों की शादी हो गई और 18 साल की मेनका गांधी परिवार का हिस्सा बन गईं। सोनिया गांधी अपने संस्मरण में यह बात याद करती हैं।

वे लिखती हैं, ''मेनका बहुत ज़िंदादिल और बातूनी लड़की थीं। उनमें भरपूर जोश था। शुरुआत में घर में एक देवरानी का होना अच्छा लगा। कई बार मुझे एमि आंटी (इंदिरा गांधी के स्टाफ की वरिष्ठ सदस्य) के कमरे से उनकी हंसी सुनाई देती थी। मैं यह जानने के लिए वहां चली जाती कि आखिर किस बात पर इतना हंसी-मजाक हो रहा है। फिर वहीं बैठकर उनकी दोस्तों या किसी किताब के बारे में जीवंत गपशप सुनने लगती।''

सोनिया आगे लिखती हैं कि उनकी बेटी प्रियंका अक्सर अपनी चाची मेनका के कमरे में बैठी मिलती थीं और बड़े ध्यान से उनकी सुनाई कहानी सुनती थी।

सोनिया गांधी लिखती हैं, ''लेकिन धीरे-धीरे घर का माहौल बदलने लगा और छोटी-छोटी बातों पर तनाव पैदा होने लगा।''

इसकी शुरुआत घर की दोनों बहुओं को संबोधित करने के तरीके से हुई। सोनिया बड़ी बहू थीं और घर के कर्मचारी उन्हें 'बहुरानी' कहते थे। संजय छोटे भाई थे, इसलिए उनकी पत्नी मेनका को 'छोटी बहू' कहा जाता था।

सोनिया गांधी के मुताबिक, दोनों को घर में समान रुप से बेटी की तरह माना जाता था। सोनिया का मानना है कि मेनका ने शायद 'छोटी बहू' कहे जाने को अपना अपमान माना।

सोनिया लिखती हैं, ''जब वे मेरे साथ रूखे ढंग से बात करतीं तो घर में शांति बनाए रखने के लिए मैं आम तौर पर चुप रहती थी। लेकिन जब मुझे लगता कि बात हद से आगे बढ़ गई है, तो मैं भी संक्षिप्त और सख्त जवाब देने से पीछे नहीं हटती थी।''

संजय और मेनका के बीच के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या महत्वांकाक्षी होना अपराध है?

नई दिल्ली, 10 नवंबर। सोनिया गांधी की नई किताब बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव में पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा का जिक्र किए जाने पर उनकी बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने पलटवार किया है। शर्मिष्ठा ने सोशल मीडिया

- सोनिया गांधी की आत्मकथा में प्रणब मुखर्जी के प्रधानमंत्री बनने की इच्छा के प्रसंग पर मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा ने पलटवार किया।

प्लेटफॉर्म ''एक्स'' पर एक पोस्ट में सवाल उठाया कि उनके पिता की प्रधानमंत्री बनने की इच्छा पर सोनिया गांधी को हैरानी क्यों हुई? उन्होंने कहा कि उनके पिता ने दशकों की मेहनत, राजनीतिक अनुभव और काबिलियत के दम पर अपना मुकाम हासिल किया था, न कि किसी पारिवारिक विरासत के आधार पर।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

कुरूपता मनुष्य की सौंदर्य विद्या है। –चाणक्य

नई परीक्षा नीति से शिक्षा व्यवस्था बदलने की अपेक्षा

भारत की शिक्षा प्रणाली लंबे समय से परीक्षा-केंद्रित रही है। विद्यार्थियों की प्रतिभा और क्षमता का मूल्यांकन मुख्यत: लिखित परीक्षा के अंकों के आधार पर ही किया जाता रहा है। इस परंपरागत पद्धति में वर्षों से यह धारणा बनी रही है कि अंक ही विद्यार्थी की बुद्धिमत्ता और भविष्य का निर्धारण करते हैं। किंतु बदलते समय, तकनीकी प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में शिक्षा के उद्देश्यों का दायरा अब केवल अंक हासिल करने तक सीमित नहीं रह गया है। संभवत: इसी सोच को ध्यान में रखते हुए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने एक नई परीक्षा नीति लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, जो भारतीय शिक्षा व्यवस्था में एक बड़ा परिवर्तन साबित हो सकता है। सीबीएसई की नई परीक्षा नीति के मूल में यह भावना है कि विद्यार्थियों को रटने वाली शिक्षा से मुक्त किया जाय। उसकी जगह उन्हें समझने, सोचने और लागू करने वाली शिक्षा की ओर ले जाया जाय। इस नीति का केंद्र बिंदु यह है कि विद्यार्थी सीखने की प्रक्रिया का सक्रिय हिस्सा बनें, न कि केवल परीक्षा के समय अपना रटा हुआ ज्ञान दोहराने वाले बने रहें। नई नीति के अनुसार वार्षिक परीक्षा प्रणाली की जगह अब मल्टी-लेवल मूल्यांकन प्रणाली को अपनाया जाना है। कक्षा 10 और 12 की परीक्षाएं द्वि-टर्म प्रणाली में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा के प्रश्न पत्रों में क्षमता आधारित प्रश्नों का अनुपात बढ़ाया गया है, ताकि विद्यार्थी का मूल्यांकन केवल तथ्यों पर नहीं बल्कि उसके तर्क, विश्लेषण और समस्या-समाधान कौशल के आधार पर हो सके। इसमें आंतरिक मूल्यांकन और प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग को अधिक महत्व दिया गया है। इसके अलावा ओपन बुक एग्जामिनेशन, असाइनमेंट आधारित मूल्यांकन और डिजिटल आकलन प्रणाली जैसी विधियों को भी धीरे-धीरे इसमें जोड़ा जाने की व्यवस्था की गई है। रटंत की संस्कृति से मुक्त होने की पहल इस नीति की सबसे महत्वपूर्ण बात है। भारतीय शिक्षा प्रणाली की सबसे बड़ी समस्या यह रही है कि विद्यार्थी परीक्षा में अच्छे अंक पाने के लिए तथ्यों को रटने पर जोर देते हैं, बजाय उनके अर्थ को समझने के। इसका कारण शायद भारतीय पुरातन शिक्षा प्रणाली रही है जिसमें सारा ज्ञान मौखिक था। संस्कृत के मंत्रों में समाहित ज्ञान को गुरु अपने शिष्यों को रटा कर ही देता था। नई नीति इस प्रवृत्ति को बदल सकती है। जब प्रश्न 'क्यों', 'कैसे' और 'क्या होगा यदि' जैसे होंगे, तो विद्यार्थी को सोचने और विश्लेषण करने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा। इससे शिक्षा किताबों से बाहर आकर जीवन कौशल का रूप ले सकेगी। उदाहरण के लिए, पहले यदि विज्ञान में 'जल चक्र' पर प्रश्न आता था तो विद्यार्थी परिभाषा याद कर लेते थे। अब प्रश्न यह होगा कि – यदि जल चक्र रुक जाए तो पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ेगा? – ऐसा प्रश्न विद्यार्थियों को सोचने पर मजबूर करेगा।

नई नीति से शिक्षकों की भूमिका में भी बदलाव आने की अपेक्षा है। कह सकते हैं कि नई परीक्षा नीति केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए भी एक बड़ा परिवर्तन की आशा लेकर आई है। नई नीति केवल 'पाठ पढ़ाने' की सीमित भूमिका से शिक्षकों को निकाल कर उन्हें सही अर्थों में विद्यार्थियों के मार्गदर्शक और मूल्यांकनकर्ता बनने की अपेक्षा करती है। शिक्षकों को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि विद्यार्थी केवल सिलेबस न पढ़ें, बल्कि विषय को समझें और उसे अपने वास्तविक जीवन में लागू कर सकने योग्य बनें। शिक्षकों को उनकी नई भूमिका के लिए तैयार करने के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड टीचर्स ट्रेनिंग कार्यक्रमों को भी अद्यतन करके मजबूत बना रहा है, ताकि शिक्षकों को नई मूल्यांकन प्रणाली के अनुरूप प्रशिक्षित किया जा सके। ऐसा माना गया है कि नई नीति से विद्यार्थियों पर अनेक सकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। मसलन उन पर अंक लाने का दबाव घटेगा। पहले एक ही परीक्षा में सब कुछ दांव पर होता था, अब टर्म-वाइज और लगातार मूल्यांकन से विद्यार्थियों पर दबाव कम होने की आशा की जा सकती है। इसके अलावा विद्यार्थियों में आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। जब विद्यार्थी को परियोजनाओं, प्रस्तुतिकरण और व्यवहारिक ज्ञान पर अंक मिलेंगे, तो उसे अपने काम में आत्मविश्वास बढ़ेगा। इससे विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच का विकास भी होगा क्योंकि अब विद्यार्थियों को एक बंधे-बंधाये ढांचे के बाहर सोचने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। नई व्यवस्था में डिजिटल साक्षरता की महत्वपूर्ण भूमिका है। नई प्रणाली में डिजिटल उपकरणों और तकनीकी मूल्यांकन की भूमिका बढ़ेगी, जिससे विद्यार्थी तकनीकी रूप से सशक्त होंगे। नई व्यवस्था शिक्षा में समानता की ओर एक कदम मानी जा सकती है। इस नई परीक्षा नीति का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि यह समान अवसर प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अतीत में ग्रामीण या कमजोर वर्ग के विद्यार्थी अक्सर परीक्षा पद्धति के कारण पिछड़ जाते थे। नई नीति में प्रोजेक्ट वर्क, असाइनमेंट और स्कूल आधारित मूल्यांकन को महत्व देने से हर विद्यार्थी को अपनी प्रतिभा दिखाने का समान अवसर मिलेगा। साथ ही, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, यह पहल विद्यार्थियों के बहुआयामी विकास पर जोर देती है – यानी कला, खेल, तकनीक और नैतिकता जैसे क्षेत्रों को भी इसमें शिक्षा का हिस्सा बनाया जा रहा है। नई परीक्षा नीति और रोजगार कौशल की बात पर ध्यान दें तो हम पाते हैं कि आज का युग केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर नहीं, बल्कि व्यावहारिक कौशल पर आधारित है। नई परीक्षा नीति विद्यार्थियों में अनेक क्षमताएं विकसित करने में सहायक होगी। जैसे, समस्या समाधान, संचार कौशल, टीमवर्क और नेतृत्व, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच। आशा की जा सकती है कि जब विद्यार्थी इन क्षमताओं के साथ विद्यालय से निकलेंगे, तो वे न केवल उच्च शिक्षा में बल्कि रोजगार के क्षेत्र में भी अधिक सक्षम साबित होंगे।

बोर्ड की नई परीक्षा नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है। यह केवल मूल्यांकन का तरीका नहीं बदलती, बल्कि पूरी शिक्षा की सोच को बदल देती है। यह विद्यार्थियों को केवल 'नौकरी पाने वाला' नहीं, बल्कि सोचने वाला, सृजनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी एक कदम है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए सरकार, शिक्षक, अभिभावक और समाज, सभी की सक्रिय भूमिका जरूरी है।

लेकिन यह सब इतना आसान नहीं है। नई व्यवस्था लागू करने में अनेक चुनौतियां सामने आएंगी। मगर यह भी सच है कि किसी भी नई नीति के साथ चुनौतियां भी आती ही हैं, और इस नीति के साथ भी कुछ व्यावहारिक कठिनाइयां नज़र आती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में संसाधनों की कमी सबसे बड़ी चुनौती होगी। डिजिटल मूल्यांकन या प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा के लिए आवश्यक साधन हर स्कूल में उपलब्ध नहीं हैं। यहां राज्य सरकार से अपेक्षा होगी कि वह प्रत्येक स्कूल में आवश्यक संसाधन उपलब्ध करने में कोई कंजूसी नहीं बरते। बजट के किसी और मद में कमी करके भी इस पर खर्च करने के लिये सरकार को प्रवृत्त होना होगा। इसके साथ ही बड़ी चुनौती होगी शिक्षकों के प्रशिक्षण की। हमारा अनुभव बताता है कि शिक्षक प्रशिक्षण का काम पिछले दौर में लगातार कम होता चला गया है। शिक्षक नई मूल्यांकन प्रणाली को पूरी तरह समझ सकें इसके लिये उनके सघन प्रशिक्षण की व्यवस्था तुरंत करनी होगी। शिक्षक को ही यदि नयी व्यवस्था की समझ नहीं होगी तब भ्रम की स्थिति बनी रहेगी, जो सारे नवाचार का सत्यानाश करके रख सकती है। आज के हालात में सबसे बड़ी चिंता मूल्यांकन में निष्पक्षता को लेकर है। जब आंतरिक मूल्यांकन को अधिक महत्व मिलेगा, तो कुछ स्थानों पर पक्षपात की आशंका भी बढ़ सकती है। जिस प्रकार का हमारा समाज और राज की व्यवस्था है, जिसमें हर स्तर पर भ्रष्टाचार चरम सीमा पर नजर आता है, वहां आंतरिक मूल्यांकन की निष्पक्षता का सवाल उठना स्वाभाविक है। हमें अभिभावकों की सोच को भी बदलना होगा। अभी अधिकतर अभिभावक अपने बच्चों द्वारा केवल 'अच्छे अंक' पा लेने को सफलता का पैमाना मानते हैं। अभिभावकों को ऐसी मानसिकता से बाहर लाने के लिये प्रयत्न करने होंगे। यह काम कौन करेगा, यह एक लाख टके सवाल है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड को दीर्घकालिक योजना बनानी होगी, जिसमें स्कूलों का डिजिटल सशक्तीकरण, टीचर ट्रेनिंग, और अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम शामिल हों। इसे केवल कागजों तक सीमित नहीं करने के बजाय योजना को कड़ाई से और व्यावहारिक रूप से लागू किया जाना सुनिश्चित करना होगा। यह भविष्य की दिशा है। यह दिशा है विद्यार्थी को शिक्षण से सीखने की ओर ले जाने की। नई परीक्षा नीति का सबसे बड़ा संदेश यही है कि शिक्षा का केंद्र अब अध्यापक नहीं, बल्कि विद्यार्थी होगा। उसे केंद्र में रख कर सबको अपना काम करना है, क्योंकि अब यह प्रणाली 'टीचिंग' से अधिक 'लर्निंग' पर केंद्रित होगी। यह तभी हो सकता है जब विद्यार्थी शिक्षा में निष्क्रिय नहीं, बल्कि सक्रिय प्रतिभागी बनें। परीक्षा के भय को भी समाप्त करना है जो अधिकतर सीखने में बाधा बनती है। इस बाधा को अवसर में कैसे बदलें यह बड़ी चुनौती सभी के सामने होगी। बोर्ड की नई परीक्षा नीति भारतीय शिक्षा व्यवस्था को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है। यह केवल मूल्यांकन का तरीका नहीं बदलती, बल्कि पूरी शिक्षा की सोच को बदल देती है। यह विद्यार्थियों को केवल 'नौकरी पाने वाला' नहीं, बल्कि सोचने वाला, सृजनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी एक कदम है। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए सरकार, शिक्षक, अभिभावक और समाज, सभी की सक्रिय भूमिका जरूरी है। यदि यह नीति अपने उद्देश्य के अनुरूप लागू की जाती है, तो आने वाले वर्षों में भारत की शिक्षा प्रणाली अधिक न्यायसंगत, रचनात्मक और भविष्योन्मुखी बन जाएगी। इसलिए सीबीएसई की नई परीक्षा नीति केवल 'परीक्षा' की व्यवस्था नहीं, बल्कि शिक्षा की परिभाषा बदलने की पहल है – एक ऐसी पहल जो आने वाली पीढ़ियों को न केवल अधिक ज्ञानवान, बल्कि अधिक विवेकशील और मानवीय बना सकती है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

बच्चों के स्कूल में शायद तुमसे मिली नहीं है दुनिया



कुमार अजय

■ डायरी

पंचकूला की घटना सन्न कर देने वाली है। आठ साल के बच्चे का छह साल की बच्ची को राक्षसी बर्बरता से मरणासन्न होने तक पीटना रूह कंपा देने वाला है। उस पर सिस्टम की संवेदनशीलता यह कि घटना के घंटों बाद लड़की को उसके परिजनों द्वारा ही संभाला जाता है। यूं तो इन दिनों हिंसा और अपराध की जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं, इस माहौल अब किसी भी बात पर हैरत नहीं होती। कोई भी चीज अप्रत्याशित नहीं लगती। जैसे सबसे ज्यादा नवाचार अपराध के क्षेत्र में ही हो रहा है। हर बार कोई नया विचार, नया कारण, नया तरीका और नया अपराध। फिर भी पंचकूला ही घटना दिल दहला देने वाली है। अमेरिका जैसे विकसित देशों से बच्चों की हिंसक प्रवृत्ति की खबरें आती रहती हैं लेकिन हमारे यहां यह पैटर्न अभी नहीं है। इस घटना को भी स्कूल के शिक्षकों की लापरवाही और वहां निगरानी की कमी कहकर टाला जा सकता है।

सरकार भी कुछ शिक्षकों पर कार्यवाही कर अपने जिम्मेदार होने का अहसास दे सकती है। व्यवस्था पर सवाल जायज भी है। स्कूल अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते। क्या सब कुछ चौकीदार और सीसीटीवी के भरोसे छोड़ दिया जाना उचित है। हमारे बच्चे किस दिशा में जाएं, इस बारे में स्कूल, शिक्षकों और शिक्षा विभाग को सोचना ही चाहिए। फिर भी, इसे केवल स्कूल और व्यवस्था का मामला बताकर इतिश्री कर लिया जाना अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना ही है। खबरों के मुताबिक, आठ साल के लड़के द्वारा छह साल को पागल कहा गया। बच्ची ने इसकी शिकायत करने की बात कही तो लड़के की यह हिंसक प्रतिक्रिया थी। लड़के को फांसी दिए जाने तक की टिप्पणियां सोशल मीडिया पर सामने आ रही हैं। कितना अजीब है कि हम पिटाई करने वाले बच्चे को केवल एक अपराधी के तौर पर देख पा रहे हैं। जाने हम कब समझ पाएंगे कि बच्चा स्वयं भी पीड़ित ही है, जो शायद ही आपकी आंखों में बसी नफरत को जान पा रहा हो। यहां अपराधी है तो संवेदनाशून्य समय और भ्रमित हम सब, जिनके पास बच्चों के नाम हमसे पूरे न हो पाए सपने, हमारी शेष रही महत्वाकांक्षाएं और कुछ हासिल न कर पाने की कुंठाएं महज हैं।

इसी बरस जून में ग्यारह-बारह साल के दो-तीन बच्चों द्वारा जयपुर में एक दस वर्षीय बालक की हत्या की घटना भी चर्चा में रही। वजह महज यह सामने आई कि बालक ने आरोपितों में से एक बच्चे की बहन के बारे में कुछ कह दिया था। आरोपित बच्चों ने इतने योजनाबद्ध ढंग से कत्ल को अंजाम दिया कि मृतक की लाश तक घटना के कितने ही दिनों बाद बरामद हुई। उन्हीं दिनों, सूबे की एक जेल में 100 से ज्यादा आपराधिक प्रकरणों वाले एक बंदी की दूसरे बंदी द्वारा हत्या भी चर्चा में रही। संयोग से उसमें भी बहन के बारे में अपशब्द कहे जाने का प्रकरण सामने आया था।

अजीब है कि एक पेशेवर अपराधी जिस कारण से किसी की हत्या करता है, उसी कारण से दस-बारह साल का लड़का भी किसी बालक की हत्या कर सकता है। अपराध की दुनिया से जुड़े व्यक्ति का किसी को कत्ल कर देना हैरान नहीं करता लेकिन इतनी ग्यारह-बारह साल के लड़के मिलकर इस तरह किसी का कत्ल कर सकते हैं या आठ साल का लड़का इतना हिंसक हो सकता है, यह सोचकर ही अजीब लगता है। इन बच्चों के हाथ से हो रहे अपराध हमें यह बताते हैं कि कथित तौर सभ्य होते जा रहे हम वास्तव में एक रुग्ण होते समाज हैं। किसी भी प्रकार की हिंसा, हत्या या दूसरे अपराध नए नहीं लेकिन मासूमों की यह भागीदारी दुखद आश्चर्य पैदा करती है।

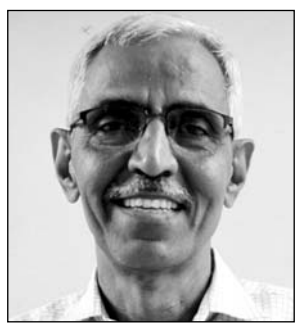
इन घटनाओं से भी बड़ी त्रासदी है कि हम किसी भी घटना के बाद या तो केवल सरकार और व्यवस्था को कोसने में जुट जाते हैं या फिर धर्म-जाति का सनसनी पैदा करने वाला कोई एंगल ढूंढकर चीरफाड़ में जुट जाते हैं जबकि इसके पीछे के मनोवैज्ञानिक और सामाजिक कारणों से मुंह फेर लेते हैं। क्या हम कभी सोच पाएंगे उन कारणों पर जिनके चलते हमारे बच्चे इस तरह हिंसक होते जा रहे हैं। व्यवस्था में बहुत कुछ ऐसा है, जहां आम आदमी के हाथ में बहुत कुछ होता नहीं लेकिन एक परिवार, समाज और अभिभावक के तौर पर भी यदि कोई समुचित भूमिका हम निभा पाएं तो यह कम पर्याप्त नहीं है। विडंबना है कि आज संयुक्त परिवार में हमारा विश्वास रहा नहीं, बच्चों के लिए हमारे पास समय है नहीं। हम नहीं समझ पा रहे हैं कि आसमान छूती इमारतों वाले महंगे स्कूल, अच्छे कपड़े और दूसरी सुविधाएं ही अच्छी परवरिश नहीं है। हमने इस बात पर ध्यान देना बंद कर दिया है कि बच्चे हमारी बात ध्यान से सुन पा रहे हैं या नहीं। क्या हम अपने बच्चों की बात ध्यान से सुन रहे हैं। रोजमर्रा की अच्छी-बुरी घटनाओं पर हमारी प्रतिक्रिया क्या रहती है। बच्चों की गलतियों पर हम किस प्रकार रिएक्ट करते हैं। क्या हमें मालूम है कि हमारा बच्चा किस तरह की मानसिक परेशानियों से जूझ रहा है। क्या हमने बच्चों को बताया कि हार या असफलता का मतलब अपमान नहीं है। क्या हम बच्चों को सिखा रहे हैं कि अपमान, असमहमति और असफलता का सामना किस प्रकार किया जाना चाहिए। क्या हम अपने बच्चों को संवेदनशील इंसान बना रहे। क्या हमने कभी स्वावलंबी होने का मतलब उन्हें सिखाया। दूसरे संप्रदायों, जातियों और लोगों के लिए हमारी सोच क्या बच्चों को भी जहरीला और हिंसक नहीं बना रही। यह जहर हम रखते तो दूसरों के लिए हैं, लेकिन सर्वाधिक दुष्प्रभाव हम खुद ही झेलते हैं। आत्मरक्षा के नाम पर रखे जाने वाले हथियार अकसर आत्महत्या में काम आते हैं। हमें याद रखना चाहिए कि बच्चों को हर समय कोसते रहने या उपदेश देते रहने से वे नहीं सीखते हैं। वे हमारे आचरण से सीखते हैं और यह प्रक्रिया इतनी सहज और स्वाभाविक होती है कि हमें पता ही नहीं चलता कि कब हमने अपने बच्चों में क्या इंजेक्ट कर दिया।

यह देखना अजीब है कि नवजात से लेकर किशोरों तक को चुप कराने, बहलाने और नियंत्रित करने का एकमात्र तरीका हमारे पास मोबाइल ही रह गया है। बच्चों के हर सवाल का जवाब हमारे पास एआई या नई शब्दावली में कहें तो एसआई (सुपर इंटेलीजेंस) है। दुखद है कि बडी तनख्वाह लेने वाले शिक्षक मोबाइल के सहारे बच्चों को पढ़ा रहे हैं। हमारे जमाने में उन शिक्षकों को बेहतरीन माना जाता था जो बिना किताब हाथ में लिए पूरा कालांश पढ़ा देते थे। किसी मुश्किल सवाल के लिए हम कुंजी का उपयोग कर तो लेते थे लेकिन उस 'अवांछित' की खरीद के लिए पिताजी को राजी करना ही बड़ा मुश्किल था और फिर बस्ते में किसी तस्करी के सामान की तरह उसे शिक्षकों से छिपाकर और रखना पड़ता था। आज बच्चे सारे होमवर्क और पढ़ाई के लिए मोबाइल, इंटरनेट और एसआई पर निर्भर हो गए हैं। इसमें भी कुछ अच्छा होता ही होगा लेकिन बच्चे की सीखने की प्रक्रिया तो कुंद हो ही जाती है। कॉलेज की बच्चों को भी सब्जी और दूध का हिसाब जोड़ने में कागज-पेन या केलकुलेटर का सहारा लेना पड़ रहा है जबकि एक-दो पीढ़ी पहले के अनपढ़ लोग अंगुलियों पर या जुबानी ही यह हिसाब जोड़ लिया करते थे। पाठ्यपुस्तकों को ध्यान से पढ़कर उत्तर तलाशने या उत्तर तैयार करने की प्रक्रिया में बच्चे के भीतर जो विषयवस्तु गहरे तक चली जाती थी, अब वैसी उम्मीद ही करना व्यर्थ है। हमारे बच्चे आसान की ओर बढ़ रहे हैं और सब कुछ उन्हें मोबाइल पर उपलब्ध है। शिक्षण मनोविज्ञान एकदम पीछे छूट गया है। बाल मनोविज्ञान की हमें परवाह नहीं है। हम सब किसी न किसी मनोरोग के शिकार लोग हैं और वातावरण कहें या आनुवांशिकता, बच्चों को भी यही उपहार दे रहे हैं। पढ़ाई के बहाने बच्चों के जीवन में मोबाइल के सहारे हिंसा उतरी जा रही है, हमें न इसकी परवाह है और न ही इतना सोचने की फुरसत। उन्हें जिंदगी बस एक वीडियो गेम या वेब-सीरिज नजर आने लगी हैं, जहां बस गुस्सा है, गालियां हैं और हिंसा है। 'अहिष्णुता' के राजनैतिक मायने कुछ भी हों, हमें यह तो मानना ही पड़ेगा कि हमारे, आपके, सबके जीवन में असहिष्णुता बढ़ती जा रही है और इसका सर्वाधिक असर हमारे बच्चों पर पड़ रहा है।

बहरहाल, बच्चों की हिंसक प्रवृत्तियों से जुड़ी ये घटनाएं महज एक शुरुआत है और दुआ ही की जा सकती है कि हम बाल-समाज में आ रहे इस बदलाव के इन संकेतों को समझेंगे और अपने-अपने स्तर पर इसे रोकने की जहमत उठाएंगे। यदि फिर भी हमें लगता है कि ये महज खबरें हैं, जिनमें 'कोई' लड़का है और 'किसी की' बच्ची है तो फिर इनमें अगला नंबर आपके या मेरे बच्चे का भी हो ही सकता है। ये बच्चे भी आपके और हमारे ही हैं। और बड़ी बात यह है कि इसके लिए हमें ज्यादा कुछ करना नहीं है। एक सरल, सहज और सुखी जिंदगी की ओर हमें अपने खुद को और अपने बच्चों को लेकर जाना है, जिसमें हम जान और सीख जाएं कि जिंदगी में असहमति, अपमान और असफलता पर हमारी प्रतिक्रिया कैसी होनी चाहिए। और हमारी हो न हो, बच्चों की दुनिया तो उतनी ही मासूम और खूबसूरत हो, जिसमें निदा फाजली साहब को अपनी बात वापस न लेनी पड़े। फाजली साहब फरमाते हैं– ''जितनी बुरी कही जाती है/उतनी बुरी नहीं है दुनिया/बच्चों के स्कूल में शायद/तुमसे मिली नहीं है दुनिया''। बच्चों की दुनिया वैसी ही खूबसूरत बनी रहे, आओ दुआ करें और अपने हिस्से की कोशिश करें।

कुमार अजय, साहित्यकार

तेरी गठरी में लागा चोर, मुसाफिर जाग जरा!



रामनिवास मेहता

अगले वर्ष हम हमारे राष्ट्र का 81वां स्वतंत्रता दिवस मनाएंगे, आजादी के इतने वर्षों बाद भी हम दुनिया के भ्रष्टतम राष्ट्रों में सम्मिलित है। एक सौ बिन्दुओं के पारदर्शी पैमाने पर हमारे अंक मात्र 39 हैं जो चीन और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश से भी कम हैं और सिंगापुर के 84 अंकों से तो आधे भी नहीं है।

सिंगापुर भी आज के 40 वर्षों पूर्व तक भ्रष्टाचार में भारत की वर्तमान स्थिति जैसा ही था । वर्ष 1986 में सिंगापुर के राष्ट्रीय विकास मंत्री तह चियांग ने दो बार रिश्वत में 10 लाख से अधिक डॉलर प्राप्त किए और इसकी जानकारी वहां के प्रधानमंत्री ली क्वान यू को हुई। इस पर वहां की सीपीआईबी यानी करप्ट प्रैक्टिसेज इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो से इसकी जांच करवाई गई। रिश्वत की यह राशि भूमि विकास प्रोजेक्ट के अनुमोदन एवं निजी विकासकर्ताओं को भूमि दिए जाने से संबंधित प्रोजेक्ट्स में ली गई थी। इस रिश्वत कांड की जांच के दौरान जब सीपीआईबी ने मंत्री के भ्रष्टाचार के प्राथमिक साक्ष्य प्रधानमंत्री ली को दिए तो प्रधानमंत्री ने इस कांड की सार्वजनिक रूप से पूर्ण जांच कराने की अनुमति प्रदान की, जिसकी भारत में कल्पना ही की जा सकती है।

राष्ट्रीय विकास मंत्री तेह चियांग ने प्रधानमंत्री से मिलकर मामले को गुपचुप तरीके से सुलटाने का प्रयास किया तो प्रधानमंत्री ने पूरे देश को इस बारे में बताते हुए विकास मंत्री से तब तक नहीं मिलने की घोषणा कर दी जब तक कि सीपीआईबी द्वारा पूरा अनुसंधान एवं जांच नहीं हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी राजनेता और मित्र कानूनी प्रक्रिया से सुरक्षित यानी इम्यूनिटी प्राप्त नहीं कर सकता है। सीपीआईबी की तफ़्तीश पूरी होने के पश्चात जब रिपोर्ट कोर्ट में दाखिल होने वाली ही थी उसी दिन 14 दिसंबर 1986 को राष्ट्रीय विकास मंत्री ने प्रधानमंत्री ली को सीधे ही निम्न लेख करते हुए आत्महत्या कर ली: ;प्रधानमंत्री जी, मैं पिछले दो हफ़्तों से बहुत दुखी और निराश महसूस कर रहा हूँ। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के लिए मैं खुद को ज़िम्मेदार मानता हूँ और मुझे लगता है कि मुझे इसकी पूरी ज़िम्मेदारी स्वीकार करनी चाहिए। एक सम्मानित ओरिएंटल जेंटलमैन होने के नाते, मुझे लगता है कि यही उचित होगा कि मैं अपनी गलती की सबसे बड़ी सजा भुगतूँ!; इसके 1 महीने बाद 26 जनवरी 1987 को जब भारत अपना 38 वां गणतंत्र दिवस मना रहा था, उस दिन सिंगापुर के प्रधानमंत्री वहां की संसद में उनके राष्ट्रीय विकास मंत्री के उक्त सुसाइड नोट को पढ़ रहे थे और सीपीआईबी ने अपनी जांच में क्या पाया यह भी राष्ट्र को बता रहे थे। बस उसके बाद क्या था। सिंगापुर दुनिया के भ्रष्टतम देश से निकल कर दुनिया के नगण्य भ्रष्ट देशों में सम्मिलित हो गया क्योंकि संस्थागत भ्रष्टाचार के संबंध में प्रधानमंत्री ने किसी भी प्रकार का समझौता करने से इनकार कर दिया था।

अब भारत के कई आईएएस और अन्य अधिकारी प्रतिवर्ष सिंगापुर के विकास, व्यवस्थाओं का और वहां भ्रष्टाचार नगण्य कैसे है इसका अध्ययन करने के लिए सरकारी व्यय पर यात्रा करके वहां कई तरह के कोर्स करके भारत लौटते हैं। भारत लौटकर वह भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए कितनी कमर कस लेते हैं, यह भी अब हम सब जानते हैं।

आईए अब हम हमारे गृह राज्य राजस्थान की बात करें।राजस्थान में अभी हाल ही में एक समाचार आया कि राजस्थान के मुख्यमंत्री के सचिव रहे एक आईएएस अधिकारी एवं उनकी आईपीएस पत्नी ने गत दो वर्षों में इस प्रकार से संपत्ति बनाई जिस प्रकार से कोई जादूगर हमें जादू दिखाता है। लोगों ने जब यह खबर सुनी तो उनमें से कई ने यह प्रश्न पूछा कि क्या राज्य के मुखियाजी को इस अधिकारी की कार्य प्रणाली पर क्या कभी किसी प्रकार की आशंका नहीं हुई और वह भी तब जब वह उनके ही सचिव बने हुए थे। प्रश्न अनेक हैं और उनमें से कई गंभीर भी हैं।

अब वह समय आ गया है जब नागरिकों को निडर होकर नेताओं और अफ़सरों पर चौकन्ने चौकीदार की नजर रखते हुए बारीकी से निगरानी रखनी चाहिए। राजस्थान की जनसंख्या 8 करोड़ से ज्यादा है। राज्य में 200 एमएलए हैं, 292आईएएस और 212आईपीएस हैं। जनता के इन तीनों वरिष्ठतम पब्लिक सर्वेंट आकाओं को जोड़े तो इनकी संख्या 800 भी नहीं होती है। यह 800 लोग यदि वास्तव में सच्चे और ईमानदार हो जाए तो कुछ ही वर्षों में पूरे राज्य की तस्वीर बदल सकती है परंतु इनमें से अनेक का वास्तविक चरित्र और दिखावटी चरित्र में दिन रात का अंतर है, एवं इनमें से कई बहरूपिया बने हुए हैं।।

यदि इन सब 800 लोगों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीयों पर बारीकी से निगरानी रखने का तंत्र विकसित कर दिया जावे तो निश्चित ही हालात में बड़े सुधार हो सकते हैं परंतु इसके लिए बहुत बड़े दृढ़ संकल्प और इच्छा शक्ति की आवश्यकता है। साथ ही यह भी ध्यान रखना होगा की पवित्रता सबसे पहले ऊपर जरूरी है। उसको देखकर के ही नीचे के लोग भ्रष्ट होने या नहीं होने का मानस बनाते हैं। यदि ऐसी व्यवस्था कर दी जावे तो किसी भी मंत्री, एमएलए, अखिल भारतीय सेवाओं या राज्य सेवाओं के अन्य किसी अधिकारी की हिम्मत नहीं हो कि वह भ्रष्टाचार करने की सोच भी सके और बहरूपिया का जीवन जीते हुए समाज सेवा, राष्ट्र सेवा या सरकारी सेवा करने का ढोंग कर आम आदमी द्वारा दिए जाने वाले टैक्स को घुन की तरह चट करते रहें।

हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि जैसे शरीर जर्जर होता है, बूढ़ा होता है, वैसे ही भारतीय गवर्नेंस सिस्टम भी अब कई तरह की बीमारियों से युक्त हो होकर लगभग कैंसर ग्रस्त हो गया है, इसको लगातार कई कीमोथेरेपी की आवश्यकता हो गई है। यदि राजस्थान के एक बार से अधिक समय के लिए एमएलए, जिला प्रमुख, प्रधान, एवं सरपंच रहे व्यक्ति, आईएएस, आईपीएस अधिकारियों, अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीयों सहित अभियन्ता वर्ग के अधिकारीयों की संपत्तियों की किसी स्वतंत्र थर्ड पार्टी से ऑडिट करवाई जावे और राजनेताओं के साथ उनके नेक्सस की जांच की जाए तो राजस्थान के नागरिकों को ज्ञात होगा कि हम किस रसातल की ओर जा रहे हैं।

सरकारी नौकर की 5 -10 साल की सेवा के पश्चात ही पता लग जाता है कि उसके घर में सरकारी धन की क्या रंगत आ रही है। इसी प्रकार की जानकारी एक पुराने पार्षद, सरपंच, प्रधान या अन्य नेता के सम्बन्ध में जनता को होती है परंतु निरीह जनता मूक होकर उस भ्रष्ट नेता को टुकुर टुकुर देखती रहती है और फिर से उसी को वोट देकर जिता देती है। इसका एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि एमएलए और एमपी के वोटो की गिनती बूथवार होती है, और वोटो की गिनती करने से पूर्व उनकी मिक्सिंग नहीं की जाती है। इसी कारण वह बाहुबली, भ्रष्ट और पैसे वाला नेता इस बात को जान जाता है कि किस बूथ पर कितने लोगों ने उसकी खिलाफत की है। भारत के चुनावी सिस्टम में बहुत बड़े दर्जे का फर्जीवाड़ा भी भ्रष्टाचार का बहुत बड़ा कारण है। आम जनता अपनी रोजी-रोटी की भाग दौड़ में इन सब चीजों को बारीकी से देख नहीं पा रही है या बुरी तरीके से डर गई है परंतु इस सड़े हुए सिस्टम का प्रभाव साधारण जनता पर अब बुरी तरीके से पड़ने लग गया है।

यही कारण है कि जनता का उसके शासको पर से तेजी से विश्वास समाप्त हो रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों को भी एक दूसरे की चोरी बेईमानी की बहुत बारीकी से जानकारी रहती है परंतु क्योंकि उनमें से भी कई अधिकारी पाक साफ नहीं होते हैं इसलिए वह भी गूंगे बने रहते हैं। ऐसे अधिकारी जिस दिन सेवा निवृत होते हैं उस दिन तक तो पूरे तरीके से डरे सहमे होकर नैतिक साहस की कमी के साथ बाकी का जीवन जी करके इस संसार से विदा हो रहे हैं।

इस प्रकार हमारे चारों ओर अब जिस प्रकार का समाज बन गया है, यह किसी से छुपा हुआ नहीं है। स्थिति अत्यंत गंभीर है एवं बहुत बड़ी सर्जरी मांग रही है। दूसरी ओर भ्रष्ट लोग भी धीरे-धीरे इतने शक्तिशाली हो गए हैं कि साधारण व्यक्ति उनसे किसी प्रकार का विरोध लेने का साहस नहीं जुटा पा रहा है। दिखाने को प्रतिवर्ष अधिकारी अपनी इमूवेबल प्रॉपर्टी का रिटर्न भी भरते हैं परंतु उसमें ना तो भूमि की वास्तविक एवं सटीक लोकेशन एवं क्षेत्रफल ही प्राय अंकित किया जाता है और ना ही उसकी वास्तविक बाजार कीमत ही अंकित की जाती है। यह कैसा देश है जिसमें इमूवेबल प्रॉपर्टी की खरीद फरोख्त लगभग आधी रकम में ही सरकारी रिकॉर्ड में दिखाई जाती है और शेष आधी कीमत पूर्णतया ब्लैक मनी के रूप में दी जाती है। विचार करना चाहिए कि किस प्रकार की नोटबंदी हमने की थी और किस प्रकार का लेनदेन हम हमारे सार्वजनिक जीवन में करते हैं । यह पतन ऊपर से शुरू हो गया है और नी

ढाई साल में राजस्थान कांग्रेस के 11 बड़े नेताओं की ''घर वापसी'' हुई

विधानसभा चुनाव से पहले कई और दिग्गज नेताओं की वापसी पर ध्यान दे रही पार्टी

-कार्यालय संवाददाता-

- कांग्रेस का दामन पुनः थामने वाले नेताओं में महेन्द्रजीत मालवीय, अमीन खान, मेवाराम जैन, वीरेंद्र बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा, गोपाल गुर्जर और रामचंद्र सराधना जैसे कई नाम शामिल है।
- ज्ञात रहे कि इनमें से कुछ नेताओं ने वर्ष 2023 में टिकट कटने के बाद पार्टी से बगावत करके चुनाव लड़ा था, जिसकी वजह से कांग्रेस प्रत्याशियों को चुनाव में काफी नुकसान भी हुआ, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने इन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

जयपुर । आगामी 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले राजस्थान कांग्रेस के रणनीतिकार, पार्टी छोड़कर गए हुए दिग्गज कांग्रेसियों की ''घर वापसी'' की जद्दोजहद में जोर-शोर से जुटे हुए हैं, जिसका असर पार्टी में देखने को भी मिला है।

सूत्रों के मुताबिक पिछले ढाई साल में पार्टी छोड़कर गए 11 बड़े नेताओं की फिर से कांग्रेस पार्टी में वापसी हुई है, इन दिग्गज नेताओं के साथ इनके समर्थक सैकड़ों नेताओं ने भी कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है।

पार्टी के उच्च पदस्थ सूत्रों के मुताबिक आने वाले दिनों में कई और बड़े नेता कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल हो सकते हैं। प्रदेश कांग्रेस की अनुशासन समिति की ओर से पार्टी छोड़कर गए, जो नेता फिर से पार्टी में शामिल होने का प्रयास कर रहे हैं, उन नेताओं के बारे में अनुशासन समिति की ओर से आवश्यक जांच पड़ताल की जा रही है, हालांकि समिति की ओर से भी सकारात्मक रवैया दिखाई जा रहा है, इसलिए कहा जा रहा है कि बहुत जल्दी ही पार्टी के कई और बड़े नेता पार्टी में शामिल हो सकते हैं, जिसमें कई पूर्व विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद और पार्टी के संगठन से जुड़े नेता शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार, वैसे तो पिछले ढाई साल में समय-समय पर भाजपा और अन्य विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े नेताओं की कांग्रेस पार्टी में एंट्री हुई है।

इसके साथ-साथ अलग-अलग वजह से पार्टी छोडकर गए कांग्रेस पार्टी के कई छोटे-बड़े नेता नियमित रूप से कांग्रेस पार्टी में दोबारा से शामिल हो रहे हैं, परंतु 11 बड़े नेता ऐसे हैं जिनके कांग्रेस पार्टी में फिर से शामिल होने से कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

इन नेताओं में, मेवाड़ के दिग्गज महेन्द्रजीत मालवीय, अमीन खान, मेवाराम जैन, वीरेंद्र बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बेरवा, गोपाल गुर्जर, रामचंद्र सराधना जैसे कई नाम शामिल है। अगर महेन्द्रजीत मालवीय की बात करें तो मालवीय ने पिछला लोकसभा चुनाव बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भाजपा के सिंबल पर लडा था और चुनाव में उन्हें हार मिली थी, मालवीय की बागड़ क्षेत्र में अच्छी पॉलीटिकल और व्यक्तिगत पकड़ है, अब मालवीय भी फिर से कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए हैं।

वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद मालवीय विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता बनना चाहते थे, लेकिन जब उन्हें नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाया गया तो नाराज होकर उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली थी।

मालवीय के अलावा अमीन खान, मेवाराम जैन, वीरेंद्र बेनीवाल, खिलाड़ी लाल बैरवा, गोपाल गुर्जर, रामचंद्र सराधना जैसे बड़े नेताओं की ''घर वापसी'' से भी प्रदेश कांग्रेस राहत महसूस कर रही है, क्योंकि इनमें से कुछ नेताओं ने वर्ष 2023 में टिकट कटने के बाद पार्टी से बगावत करके चुनाव लड़ा था, जिसकी वजह से कांग्रेस प्रत्याशियों को चुनाव में काफी नुकसान भी हुआ, इसके बाद प्रदेश कांग्रेस ने इन नेताओं को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था।

हालांकि कांग्रेस पार्टी छोड़कर दोबारा से कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं का कहना है कि उन्होंने बिना किसी शर्त के कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि इन सभी बड़े नेताओं की निगाह वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले विधानसभा चुनाव पर टिकी हुई है, जिसमें वह अपने इलाकों में टिकट लेने के प्रयासों में अपनी ओर से कोई कमी नहीं छोड़ेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने दीपावली पर लोगों के बीच जाकर शुभकामनाएं दीं

सांगानेरी गेट से न्यू गेट तक पैदल घूमकर देखी बाजार की सजावट



जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीपावली के अवसर पर रविवार को रात्रि में सपरिवार जयपुर के परकोटा पहुंचकर आमजन से आत्मीय मुलाकात की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर बच्चों, महिलाओं, युवाओं एवं बुजुर्गों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। रास्ते में जगह-जगह पर आमजन ने हाथ जोड़कर मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता के साथ बच्चों को दुलार कर चॉकलेट दी, युवाओं से हाथ मिलाया तथा सभी को दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बिना किसी औपचारिकता के आमजन के बीच रहकर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने सांगानेरी गेट से बड़ी चौपड़, त्रिपोलिया होते हुए न्यू गेट तक आमजन के साथ पैदल घूमकर बाजार की सजावट को देखा। इस दौरान जयपुर नगर निगम के महापौर सुनील कोठारी, पार्षद पुनीत कर्नावट सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

डिवाइडर पर चढ़कर पलटी स्कॉर्पियो

जयपुर। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर सोमवार की दोपहर मनोहरपुर टोल प्लाजा के पास एक स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गई और पलट गई। हादसे के बाद गाड़ी में फंसे युवकों में चीख-पुकार मच गई। आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने गाड़ी को धक्का देकर सीधा किया और उसमें सवार तीनों युवकों को बाहर निकाला। हादसे में दो युवक घायल हो गए, जिन्हें पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को छुट्टी दे दी गई। मनोहरपुर थानाधिकारी आशुतोष सिंह ने बताया कि हादसा सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे मनोहरपुर टोल प्लाजा के पास हुआ। हरियाणा नंबर की स्कॉर्पियो में सवार तीन युवक जयपुर से रोहतक जा रहे थे। इसी दौरान टोल प्लाजा के पास स्कॉर्पियो डिवाइडर पर चढ़ गई और अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो में फंसे युवकों की चीख-पुकार सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे।

दिया कुमारी ने सतीश पूनियां को भाई दूज पर तिलक लगाया



उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद सतीश पूनियां के निवास पर पहुंचकर उनसे आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दीपावली के पावन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दिया कुमारी ने सतीश पूनियां को तिलक लगाकर भाई दूज की रस्म निभाई। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं दीर्घायु की मंगलकामना की।

अदालत ने खत्म की 23 साल पुरानी शादी

जयपुर। महानगर की पारिवारिक न्यायालय क्रम 4 ने पति पर अप्राकृतिक शारीरिक संबंध बनाने के झूठे आरोप लगाने को मानसिक क्रूरता की श्रेणी में माना है। अदालत ने पति के पक्ष में तलाक की डिक्री जारी करते हुए 23 साल पुरानी शादी का अंत कर दिया है। अदालत ने यह आदेश पति की ओर से दायर तलाक याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। पीठासीन अधिकारी प्रियंका पिलानिया ने अपने फैसले में कहा कि पत्नी स्वयं एक वकील है और कानून की जानकार है। इसके बावजूद उसने पति को हैरान-परेशान करने के लिए बिना किसी आधार के 10 साल पुराने मामलों को लेकर अप्राकृतिक संबंध जैसी गंभीर धाराओं में एफआई आर दर्ज कराई। अदालत ने पत्नी के अपमानजनक व्यवहार और गंभीर झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने के आरोप तथा बिना किसी कारण के बीस साल पहले ससुराल छोड देने और पति से अलग रहने को मुख्य आधार माना। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा कि हर व्यक्ति के काम करने की क्षमता अलग-अलग होती है। यदि कोई पत्नी अपने पति से लगातार उसकी क्षमता से अधिक की अपेक्षा कर ताने देकर उसका अपमान करे, तो वह भी मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। अदालत ने कहा की पत्नी एक तरफ तो यह कह रही है कि पति कोई काम नहीं करता है और सारे दिन शराब पीता है, वहीं दूसरी तरफ घरेलू हिंसा के केस में वह कहती है कि वह कोचिंग चलाकर 1 लाख रुपए महीना कमाता है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि एक शिक्षित महिला से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपनी शिक्षा को त्यागकर केवल घरेलू काम करे और सिर्फ पति की माता की देखभाल करे, जबकि पति स्वयं माता की देखभाल करने में सक्षम है।

पत्नी की हत्या के आरोप में मिली थी उम्रकैद, हाईकोर्ट ने बरी किया

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के आरोप में पति को मिली आजीवन कारावास की सजा को निरस्त कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने अपीलार्थी पति को बरी कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश राजवीर की अपील को स्वीकार करते हुए दिए। एडीजे, बयाना ने अपीलार्थी को 4 मार्च, 2015 को सजा सुनाई थी।

अदालत ने अपने आदेश में कहा कि अपीलार्थी और मृतक करीब पन्द्रह साल से सुखी विवाहित जीवन व्यतीत कर रहे थे और उनके बीच कोई विवाद नहीं था। इसके अलावा फांसी लगाने में काम ली गई रस्सी को एफएसएल के लिए नहीं भेजा गया। वहीं मृतक के गले के अलावा अन्य जगह चोट का कोई निशान नहीं था। अदालत ने माना की शिकायतकर्ता पिता भी पक्षद्रोही हो गया और हत्या करने का कोई कारण भी सामने नहीं आया।

अपील में अधिवक्ता अभिमन्यु सिंह ने बताया कि शिकायतकर्ता रामफल ने 5 जुलाई, 2013 को रूपवास थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि उसके बेटे राजवीर ने अपनी पत्नी की रस्सी से फांसी लगाकर हत्या कर दी है। मामले में एडीजे कोर्ट ने उसे उम्रकैद सुनाई। अपील में कहा गया कि दोनों के बीच कोई विवाद नहीं था। इसके अलावा शिकायतकर्ता ने भी उसे हत्या करने नहीं देखा।

अपीलार्थी के बेटे के बयान पर उसे सजा दी गई है, जबकि उसके बयान ही विरोधाभासी है। यदि वह हत्या करता तो मृतक के शरीर के दूसरे अंगों पर भी संघर्ष से निशान मिलते, जबकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में केवल गले पर ही चोट के निशान मिले हैं। ऐसे में उसे बरी किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने अपीलार्थी को बरी कर दिया है।

अक्षरधाम मंदिर में ठाकुरजी को 1100 व्यंजनों का भोग लगाया



जयपुर । वैशाली नगर स्थित श्री स्वामिनारायण अक्षरधाम मंदिर जयपुर में मंगलवार को प्राचीन वैष्णव परंपरा के अनुसार गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट महोत्सव धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर ठाकुरजी का विशेष शृंगार किया गया। इस दौरान ठाकुरजी को 1100 से अधिक प्रकार के सात्विक व्यंजनों का अन्नकूट अर्पित किया गया और दुग्ध पदार्थों, फलों, अनाजों से बने पारंपरिक भारतीय व्यंजनों में राजस्थानी, गुजराती, दक्षिण भारतीय, उत्तर भारतीय एवं अन्य क्षेत्रीय व्यंजनों के साथ-साथ देश-विदेश के व्यंजनों की आकर्षक झाँकी सजाई गई। इस अवसर पर संतों एवं भक्तों ने शास्त्रोक्त विधि से गोवर्धन पूजा कर अन्नकूट की मुख्य आरती की, तथा जन सामान्य की सुख-समृद्धि, एवं विश्वशांति के लिए प्रार्थना की।

मंदिर के कोठारी संत पूज्य जयतीर्थ स्वामी ने इस पावन पर्व की महिमा समझाते हुए बताया कि 5000 साल पूर्व भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पूजन किया और अन्नकूट उत्सव कि परंपरा प्रारम्भ की, और आज बी.ए.पी.एस. के देश-विदेश में स्थित, सभी मंदिरों में यह अन्नकूट का महोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है, इसका मर्म यही है कि भगवान सर्व कर्ता-हर्ता है, अगर हम भगवान कि शरण में रहेंगे, तो भगवान हमारी रक्षा हमेशा करेंगे, जैसे श्रीकृष्ण भगवान ने गोवर्धन उठाकर भक्तों कि रक्षा की थी। अन्नकूट के इस विशिष्ट अवसर पर कई गणमान्य व्यक्तियों ने गोवर्धन पूजा और गौ माता का पूजन कीया तथा अन्नकूट की विशिष्ठ झाँकी के दर्शन का लाभ लिया।

दर्शनार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो इस निमित्त पार्किंग से लेकर जूते-चप्पल रखने एवं जलपान तक की निःशुल्क व्यवस्था संतों-स्वयंसेवकों के द्वारा समर्पित भाव से की गई।

कर चोरी को लेकर प्रदेश में 20 प्रतिष्ठानों पर छापेमारी-जांच; 2.35 करोड़ रु. जमा

- बिना बिल खरीद-बिक्री, स्टॉक में गड़बड़ी और फर्जी आईटीसी के मामले पकड़े
- जयपुर, अजमेर, जोधपुर, भीलवाड़ा, पाली, ब्यावर और अलवर में हुई कार्रवाई

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की कर चोरी के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कर विभाग ने प्रदेशभर में बड़ी कार्रवाई की है। अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में विभाग की टीमों ने जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, जोधपुर, पाली, ब्यावर, अलवर, किशनगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में 20 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सर्वे एवं जांच की। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों ने करीब 2.35 करोड़ रुपये की स्वैच्छिक कर जमा एवं इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) रिवर्सल किया।

जांच में बिना बिल खरीद-बिक्री, स्टॉक में अंतर, वास्तविक टर्नओवर छिपाने, अपात्र आईटीसी लेने और कम कर भुगतान जैसी अनियमितताएं सामने आईं। कई प्रतिष्ठानों से कच्ची बिल बुकें, डायरियां, रोकड़ बही और महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त कर आगे की जांच के लिए सम्मन जारी किए गए।

जयपुर के झोटवाड़ा स्थित महावीर ग्लास एंड एल्युमिनियम वर्क्स से 10 लाख, गोकुल इंडस्ट्रीज से 39.72 लाख और क्लब टेडी रेस्टोरेंट से 10.04 लाख रुपये जमा एवं रिवर्स करवाए गए। अजमेर के पद्मावती गोल्ड से 28 लाख और यूनिक एनएक्स से 7.50 लाख रुपये जमा करवाए गए। भीलवाड़ा के राज सेल्स से 10.60 लाख तथा पाली के ओम टाइल्स एंड सेनेटरी से 7 लाख रुपये की वसूली हुई। जोधपुर के पावर पार्टनर से 14.09 लाख, डिस्कवर इंडिया इन्फ्रा से 25.53 लाख और जयथलिया एजेंसी से 10.12 लाख रुपये जमा एवं आईटीसी रिवर्सल के रूप में प्राप्त किए गए।

अजमेर के महावीर सेल्स कॉर्प में करीब 80 से 90 लाख रुपये के संभावित स्टॉक अंतर का मामला सामने आया। फर्म ने 5 लाख रुपये जमा करवाए। संबंधित महावीर मिल्क प्रोडक्ट में भी 70 से 80 लाख रुपये के संभावित स्टॉक अंतर की जांच की गई और 7.50 लाख रुपये जमा हुए।

ब्यावर के श्रीनाथ होजियरी से 10 लाख, नाहटा एंटरप्राइजेज से 10 लाख और विजय पेंट्स इंडस्ट्रीज से 5.50 लाख रुपये जमा करवाए गए। नाहटा एंटरप्राइजेज से कच्ची रोकड़ बही, डायरी और रसीद बुक सहित दस्तावेज जब्त किए गए, जबकि विजय पेंट्स इंडस्ट्रीज से कच्ची बिल बुकें मिलीं।

अलवर के लक्ष्मी ट्रेडर्स एवं संबंधित फर्म से 10.30 लाख, जयपुर के सीताराम नरेन्द्र कुमार ऑयल प्रोडक्ट्स से 6 लाख, श्रीडूंगरगढ़ के लक्ष्मी प्लाईवुड से 5 लाख और अजमेर के राकेश कुमार जैन से 5 लाख रुपये जमा करवाए गए। कर विभाग के अनुसार संबंधित प्रतिष्ठानों के स्टॉक, लेखा पुस्तकों, खरीद-बिक्री के बिलों और जीएसटी रिटर्न का मिलान किया जा रहा है। जांच में कर अपवंचन प्रमाणित होने पर सीजीएसटी/आरजीएसटी अधिनियम, 2017 के तहत आगे कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने स्पष्ट किया कि अभियान का उद्देश्य कर चोरी रोकने के साथ ईमानदार व्यापारियों के हितों की रक्षा और राजस्व वृद्धि सुनिश्चित करना है।

ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर आरएसी जवान से 4.80 लाख रु. ठगे

जयपुर। गलता गेट थाना इलाके में ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने का झांसा देकर आरएसी के जवान से 4 लाख 80 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित शीशराम स्वामी (32) आरएसी की पांचवीं बटालियन घाटगेट में तैनात है। पीड़ित ने गलता गेट थाने में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गलता गेट थानाधिकारी धर्मेंद्र शर्मा के अनुसार, करीब चार-पांच महीने पहले शीशराम स्वामी ने ट्रेडिंग में निवेश किया था। उस दौरान उसे करीब 5 हजार रुपए का मुनाफा हुआ था, लेकिन बाद में उसने ट्रेडिंग बंद कर दी। करीब चार दिन पहले उसके पास एक अनजान नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने ट्रेडिंग में अच्छा मुनाफा होने का लालच देकर उसे दोबारा निवेश करने के लिए तैयार कर लिया। पीड़ित जवान ने 7 नवंबर को दोबारा ट्रेडिंग में निवेश करना शुरू किया और अलग-अलग किस्तों में रकम जमा करवाता रहा। इस दौरान ट्रेडिंग करवाने वाले व्यक्ति ने अपने नियंत्रण वाले ट्रेडिंग खाते के माध्यम से उसे निवेश करवाया। करीब 4 लाख 80 हजार रुपए लगाने के बाद आरोपी ने अपना मोबाइल नंबर बंद कर दिया। इसके बाद पीड़ित को ठगी का पता चला।

आतिशबाजी से 112 लोग घायल होकर पहुंचे एसएमएस अस्पताल

जयपुर। दीपावली पर आतिशबाजी का उत्साह कई लोगों के लिए हादसे में बदल गया। पटाखों से आगजनी और झुलसने के साथ आंखों में चोट लगने की घटनाएं भी सामने आईं। राजधानी के सवाई मानसिंह अस्पताल में आतिशबाजी से घायल होकर 112 मरीज उपचार के लिए पहुंचे। इनमें 51 मरीज जलने से झुलसे, जबकि 61 मरीजों की आंखों में चोट आई। गंभीर स्थिति को देखते हुए 13 झुलसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

'खनिज ब्लॉकों की नीलामी में राजस्थान देशभर में अव्वल'

140 प्रधान खनिज ब्लॉकों की सफल नीलामी, 14 ब्लॉकों की लीज डीड पूरी

-कार्यालय संवाददाता-

- नवंबर अंत तक शुरू होगा खनन, प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस वाले 8 ब्लॉकों की नीलामी में भी प्रदेश प्रथम

जयपुर। खनिज ब्लॉकों की नीलामी और संचालन में राजस्थान ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने प्रदेश के शानदार प्रदर्शन की सराहना की है। सोमवार को केंद्रीय खान मंत्रालय की ओर से आयोजित उच्चस्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में राजस्थान की उपलब्धियों की समीक्षा की गई। इसमें मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राज्य की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान ने प्रधान खनिजों के सर्वाधिक 140 ब्लॉकों की सफल नीलामी कर देश में अग्रणी स्थान प्राप्त किया है। नीलाम किए गए ब्लॉकों में से 11 के संचालन का लक्ष्य था, जबकि प्रदेश ने 14 ब्लॉकों में सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त कर लीज डीड की प्रक्रिया पूरी कर ली है। इन सभी ब्लॉकों में नवंबर के अंत तक खनन शुरू होने की संभावना है।



प्रधानमंत्री कार्यालय के प्रधान सचिव डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की ओर से ली गई बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राजस्थान की प्रगति का ब्यौरा प्रस्तुत किया।

राजस्थान ने देश के 10 प्रमुख खनन राज्यों में प्री-एम्बेडेड क्लीयरेंस वाले सर्वाधिक 8 ब्लॉकों की नीलामी कर पहला स्थान हासिल किया है। इससे सफल बोलीदाताओं को खनन शुरू करने में आसानी होगी और संचालन की प्रक्रिया समयबद्ध हो सकेगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने बताया कि राज्य सरकार खनिज संसाधनों के पारदर्शी दोहन, पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन बनाकर काम कर रही है।

इसके लिए यूनिफाइड माइनिंग पोर्टल पर ब्लॉक नीलामी तथा परिवेश पोर्टल पर भूमि बैंकों का डिजिटलीकरण और आंकडे अपलोड करने की प्रक्रिया समयबद्ध की गई है। बैठक में देश के 10 प्रमुख खनन राज्यों के मुख्य सचिवों और केंद्रीय खान मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इसमें खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी, शीघ्र संचालन, उत्पादन और वैधानिक प्रक्रियाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।



बीकानेर में दीपावली के दिन घर के बाहर बच्चे के सीने पर सुतली बम फटा, मौत

सुतली बम बच्चे के सीने पर फटने से मांस के चीथड़े उड़ गए और गहरा घाव हो गया

बीकानेर, (निसं)। यहां दीपावली के दिन पटाखे से हुए हादसे में नौ साल के मासूम की जान चली गई। बज्जू उपखंड के चारणवाला क्षेत्र में आतिशबाजी करते समय सुतली बम बच्चे की छाती पर फट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे

- **पटाखा छाती को पार करके अंदर तक घाव कर चुका था, जिससे डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके**

पहले बज्जू अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर बीकानेर के पीबीएम अस्पताल रेफर किया गया, जहां देर शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार हादसा चारणवाला ब्रांच के चक 14 सीडब्ल्यूबी में हुआ। जानकारी के अनुसार, लक्ष्मणराम पुत्र भगवानाराम मेघवाल के घर के पास ही आतिशबाजी कर रहा था। इसी दौरान सुतली बम उसके सीने पर फट गया, मांस के चीथड़े उड़ गए और गहरा घाव हो गया। परिजन उसे लेकर स्थानीय प्राइवेट डॉक्टर डॉ. हरीश नागपाल के पास लेकर पहुंचे। जांच में सामने आया कि मासूम के सीने पर 3 घाव हो गए थे। गंभीर हालत में उसे बीकानेर रेफर कर दिया। जहां देर रात पीबीएम हॉस्पिटल में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पटाखा छाती को पार करके अंदर तक घाव कर चुका था, जिससे डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके। बताया जा रहा है कि लक्ष्मणराम के पिता भगवानाराम मेघवाल जमीन किराए पर लेकर खेती करते हैं। भारतसिंहपुरा के सरपंच कन्हैयालाल मेघवाल ने बताया कि लक्ष्मणराम का एक छोटा भाई भी है, जिसकी उम्र करीब छह से सात महीने है और उसकी तबीयत भी ठीक नहीं रहती। हादसे के बाद परिवार में शोक छा गया। बच्चे का अंतिम संस्कार चक 14 सीडब्ल्यूबी स्थित पैतृक निवास पर किया गया।



बच्चे का अंतिम संस्कार चक 14 सीडब्ल्यूबी स्थित पैतृक निवास पर किया गया।

हिंडौन में बच्चे का सुतली बम से गाल फटा

हिंडौन सिटी, (निसं)। गत 8 और 9 नवंबर को पटाखों से झुलसने के 25 मामले सामने आए। गंभीर रूप से घायल 2 लोगों को रेफर किया गया, जिनमें 8 साल का एक बालक भी शामिल है।

जिला अस्पताल के ड्यूटी डॉक्टर मनोज जांगिड़ ने बताया कि 8 और 9 नवंबर की रात पटाखों से झुलसने के ज्यादा मामले आए। बनकी निवासी अर्पित (8) का सुतली बम से गाल फट गया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे रेफर किया गया। आपातकालीन कक्ष में बर्न वार्ड बनाया गया। अस्पताल में 8 नवंबर को झुलसने के 11 और 9 नवंबर को 14 मामले आए। दिवाली के लिए जिला अस्पताल के आपातकालीन कक्ष में बर्न वार्ड बनाया गया है और विशेष व्यवस्था की गई है। 10 नवंबर को गोवर्धन पूजा के चलते अस्पताल में अलर्ट व्यवस्था रखी गई।

बूंदी में गिलास में सुतली बम फोड़ने से मासूम की जान गई

बूंदी, (निसं)। दिवाली की रोशनी और गोवर्धन पूजा के उत्साह के बीच बूंदी में एक अत्यंत हृदयविदारक हादसा सामने आया है, जिसने एक परिवार की खुशियां पलभर में छीन लीं। घर में गोवर्धन पूजा की तैयारियां चल रही थीं, उसी दौरान पटाखे जलाते

- **बम का धमाका इतना जबरदस्त था कि गिलास के चिथड़े उड़ गए और उसका एक तीखा टुकड़ा मासूम के सीने में जा धंसा**

समय हुए दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय मासूम साजन की जान चली गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार दोपहर करीब 12:30 बजे बालक घर के बाहर अकेले पटाखे चला रहा था। इसी दौरान उसने स्टील के गिलास में सुतली बम रखकर उसमें आग लगा दी। बम का धमाका इतना जबरदस्त था कि गिलास के चिथड़े उड़ गए और उसका एक तीखा टुकड़ा मासूम के सीने में जा धंसा। धमाके के बाद बालक लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। तेज धमाके की आवाज सुनकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे। बदहवास पिता रामलाल कालबेलिया परिजनों की मदद से गंभीर रूप से



घायल बेटे को लेकर आनन-फानन में जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी रमेश आर्य और सदर थाने के सहायक उपनिरीक्षक राम सिंह पुलिस जाब्ते के साथ अस्पताल पहुंचे। चूंकि मामला सदर थाना क्षेत्र का है, इसलिए सदर थाना पुलिस ने मामले की पड़ताल शुरू की और शव के पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू करवाई। दर्दनाक हादसे की सूचना मिलने पर नगर परिषद सभापति भरत शर्मा भी जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने शोकाकुल पिता और परिजनों से मुलाकात कर गहरा दुख व्यक्त किया तथा हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। मृतक साजन तीन भाई-बहनों में मझला था।

जोधपुर में हुये अलग-अलग सड़क हादसों में पांच लोगों की मौत

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट में पिछले दो दिनों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में पांच लोगों की मौत हो गई। संबंधित थाना पुलिस ने कार्रवाई के उपरांत शव उनके परिजन के सुपुर्द किए। पुलिस अब मामलों की जांच में जुटी है।

- **पुलिस ने कार्रवाई के बाद शव उनके परिजन के सुपुर्द किए**

राजीव गांधी नगर पुलिस ने बताया कि गुजवाला बेरा, बड़ली नेड़ के रहने वाले रामस्वरूप पुत्र घेवरचंद ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका बड़ा भाई 61 वर्षीय श्यामलाल रिंग रोड चौखा कदमकंडी के पास में पैदल सड़क पार कर रहा था। तब एक बुलेट सवार ने उन्हें चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उनकी मौत हो गई। राजीव गांधी नगर पुलिस ने अज्ञात बुलेट सवार के खिलाफ अब पड़ताल आरंभ की है। इसी तरह नखाकला खिंवसर नागौर के रहने वाले चैनाराम पुत्र मोटाराम गोदारा ने रिपोर्ट दी कि उसका बहनोई बाबूलाल (53) बाइक लेकर नगर निगम कचरा प्लांट के सामने रिंग रोड से निकल रहा था। तब एक कार के चालक ने बाइक को चपेट में लेकर पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में उसका बहनोई बाबूलाल बुरी तरह घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के बीच मौत हो गई।

झंवर पुलिस ने बताया कि जानादेसर निवासी पुखराज पुत्र मदनलाल गौड़ ने रिपोर्ट दी कि उसका पुत्र मुरली बाइक लेकर 2 नवंबर को झंवर एरिया से निकल रहा था। तब एक कार चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उसका पुत्र मुरली बुरी तरह घायल हो गया था। उसकी अब अस्पताल में मौत हो गई। इसी तरह राणा नगर हिंगोला झंवर के रहने वाले बिलाल खां पुत्र फूसे खां ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई बाइक लेकर चिंचड़ली गांव स्कूल से आगे निकल रहा था। तब किसी वाहन चालक ने चपेट में ले लिया। हादसे में घायल उसके भाई की बाद में मौत हो गई। वहीं करवड़ पुलिस के अनुसार पाल लिंक रोड राजीव गांधी कॉलोनी देवनगर निवासी इमरान पुत्र फकीर मो. ने रिपोर्ट दी कि उसका भाई बाइक लेकर करवड़ एरिया से निकल रहा था। तब किसी वाहन चालक ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में घायल उसके भाई की अस्पताल में मौत हो गई।

पुरानी रंजिश में खूनी संघर्ष, घर में घुसकर फायरिंग का आरोप

बताया जा रहा है कि गोली लगने से चार लोग घायल हुये हैं, अलवर रेफर किया

अलवर, (निसं)। जिले के थानागाजी थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों के बीच खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। एक परिवार ने पड़ोसी पक्ष के लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने और पिस्टल से ताबड़तोड़ फायरिंग करने का आरोप लगाया है। घटना में चार लोग गोली लगने से घायल हो गए। घायलों को पहले थानागाजी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत को देखते हुए अलवर रेफर कर दिया गया।

पुलिस को दी रिपोर्ट में कोलियों की ढाणी निवासी लेखराज गुर्जर ने बताया कि उनके पड़ोसी ताराचंद राजपूत के साथ पुरानी रंजिश चल रही है।

आरोप है कि पड़ोसी पक्ष की ओर से आए दिन जान से मारने की धमकियां दी जा रही थीं। परिवादी के अनुसार, नौ नवंबर को शाम आरोपियों ने उनके घर पहुंचकर पिस्टल से फायरिंग की थी। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने मकान के दरवाजे बंद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। रिपोर्ट के अनुसार, दस नवंबर को सुबह परिवार के सदस्य और रिश्तेदार घर पर बैठे हुए थे। इसी दौरान आरोपी पक्ष के कई लोग वाहनों में सवार होकर वहां पहुंचे। आरोप है कि उन्होंने घर में घुसकर परिवार के लोगों के साथ मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर पिस्टल से गोलियां चला दीं। फायरिंग में दुर्गेश गुर्जर, अनु गुर्जर, बादामी देवी और लालचंद घायल हो गए। गोलीबारी के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन घायलों को तत्काल थानागाजी के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए अलवर रेफर कर दिया।

ट्रेन की चपेट से पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत, एक युवक घायल

बीकानेर, (निसं)। ट्रेन की चपेट में आने से पति-पत्नी सहित तीन लोगों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा जयनारायण व्यास कॉलोनी थाना इलाके में घड़सीसर रेलवे ट्रैक पर हुआ।

जानकारी के अनुसार पति-पत्नी झगड़ा करते हुए रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए थे। उन्हें बचाने के लिए दो युवक भी ट्रैक पर चले गए। इसी दौरान ट्रेन आ गई और हादसा हो गया। पति-पत्नी और एक युवक के टुकड़े-टुकड़े हो गए। क्षत-विक्षत शवों को पोटली में बांधकर पीबीएम हॉस्पिटल लेकर गए। हादसे के बाद ट्रेन मौके पर काफी देर तक रुकी रही। तीनों मृतक रामू (55), उनकी

- **झगड़ते-झगड़ते रेलवे ट्रैक पर पहुंचे थे पति-पत्नी, बचाने आए युवक की भी जान गई**

पत्नी पिंकी (53) और संजीत मोची बिहार के दरभंगा के रहने वाले थे। वहीं घायल अमरचंद सांखला बीकानेर के रानी बाजार के निवासी हैं। तीनों अमरचंद के खेत में काम करते थे।

थानाधिकारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि रामू, पिंकी और संजीत तीनों अमरचंद सांखला के खेत पर मजदूरी करते थे। दोपहर किसी बात को लेकर रामू और पिंकी के बीच झगड़ा हुआ था। खेत में काम करने वाले किसी व्यक्ति ने इसकी सूचना खेत मालिक अमरचंद को दी थी। इसी दौरान पति-पत्नी झगड़ते हुए रेलवे ट्रैक की तरफ दौड़ने लगे। खेत पर मौजूद संजीत उन्हें बचाने के लिए पीछे दौड़ा। उधर, सूचना मिलने पर अमरचंद भी दुकान से खेत पर पहुंच गए और ट्रैक की तरफ चले गए। इसी दौरान ट्रेन आ गई। ट्रेन ने पति-पत्नी को टक्कर मार दी। उन्हें बचाने के प्रयास में संजीत और अमरचंद भी ट्रेन की चपेट में आ गए। रामू, पिंकी और संजीत की मौके पर ही मौत हो गई। शव पीबीएम हॉस्पिटल की मोर्चरी में रखवाए। अमरचंद गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया गया। शव को पीबीएम हॉस्पिटल ले जाने के लिए असहाय सेवा संस्थान के राजकुमार खड़गावत पहुंचे। खड़गावत ने बताया कि तीनों के शव करीब आधा किलोमीटर एरिया में बिखरे हुए थे। चपेट में आने के बाद ट्रेन रुकती, तब तक शव कई हिस्सों में कट चुके थे। शरीर के हिस्से काफी दूर तक बिखर गए थे। कहीं हाथ मिला तो कहीं पैर मिला। हादसे के दौरान लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी। ट्रेन रुकते ही बड़ी संख्या में यात्री नीचे उतरकर रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए। सूचना मिलने पर जीआरपी, रेलवे कर्मचारी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

होटल में अकेली सो रही बुजुर्ग महिला की ईंट से वार कर हत्या, आरोपी फरार

अजमेर के भिनाय क्षेत्र में दीवाली की सुबह खून से लथपथ शव मिला

अजमेर, (निसं)। जिले के भिनाय थाना क्षेत्र में दीपावली के दिन एक बुजुर्ग महिला की हत्या का मामला सामने आया है। गोवलिया-करांटी निवासी 66 वर्षीय लक्ष्मी देवी पत्नी मोहन रावत की होटल में सोते समय सिर पर ईंट से वार कर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सोमवार सुबह जब महिला का बेटा होटल पहुंचा तो मां को खून से लथपथ हालत में पड़ा देखकर उसके होश उड़ गए। महिला की मौके पर ही मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर भिनाय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने साक्ष्य जुटाने के लिए विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम को बुलाया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को नसीराबाद अस्पताल पहुंचाया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **सीसीटीवी में संदिग्ध व्यक्ति की आवाजाही कैद, खून से सनी ईंट बरामद की, महिला का मोबाइल भी गायब**

महिला के बेटे ताराचंद (45) ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी मां लक्ष्मी देवी रात को होटल में ही सोती थीं। दीपावली की सुबह करीब सात बजे वह घर से होटल पहुंचा तो मां लहूलुहान हालत में पड़ी मिली। उनके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और चेहरा खून से सना हुआ था। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी।

परिजनों ने शनिवार शाम होटल पर आए एक अज्ञात व्यक्ति पर हत्या का संदेह जताया है। होटल के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच में एक व्यक्ति की आवाजाही सामने आई है। वह ट्रक से उतरकर होटल की तरफ आता और फिर वहां से जाता दिखाई दे रहा है। हालांकि, उसकी भूमिका को लेकर पुलिस जांच कर रही है। घटनास्थल से महिला का मोबाइल भी गायब मिला है, जिससे वारदात में लूट या अन्य कारणों की आशंका की भी जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावर ने महिला के सिर पर ईंट से कई वार किए, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस को मौके से खून से सनी ईंट भी बरामद हुई है। लक्ष्मी देवी के दो बेटे ताराचंद और मुन्नालाल हैं। दोनों खेती-बाड़ी का काम करते हैं। महिला प्रतिदिन अकेले ही होटल में रुकती थी। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपित की तलाश में जुटी है।

अज्ञात व्यक्ति का शव मिला

सादुलपुर, (निसं)। पुलिस थाना राजगढ़ क्षेत्र के किशनपुरा जोहड़ी में मंगलवार को एक व्यक्ति का पेड़ पर फंदे से लटका शव मिला है। घटना की सूचना पर मौका पर हरिकिशन सउनि मय जाब्ता के मौका पर पहुंचकर शव को पेड़ पर लगाये गए फंदे से उतरवाया गया। मृत व्यक्ति की लाश को सरकारी अस्पताल राजगढ़ के मोर्चरी रूम में रखवाया गया है।

सीकर जिले में युवती और नाबालिग लापता

सीकर, (निसं)। सीकर जिले में दो अलग-अलग मामलों में 21 साल की युवती और 16 साल की नाबालिग लड़की के लापता होने के मामले सामने आए हैं। दोनों के परिजनों ने युवकों पर उन्हें अपने साथ ले जाने का शक जताते हुए पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

16 वर्षीय नाबालिग लड़की के पिता ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनकी बेटी 7 नवंबर की रात बिना बताए घर से कहीं चली गई। 8 नवंबर की सुबह जब परिवार के लोग जागे तो उसके घर पर नहीं होने का पता चला। परिजनों ने घर में मौजूद मोबाइल फोन की जांच की तो सामने आया कि लड़की कुछ अनजान नंबरों पर बातचीत करती थी। इसके बाद पिता ने मामले में शिकायत दर्ज करवाई।

दूसरे मामले में 21 वर्षीय युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 8 नवंबर की सुबह बिना किसी को बताए घर से चली गई। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी आसपास और परिचितों के यहां तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। पिता ने एक परिचित युवक पर बेटी को अपने साथ ले जाने का शक जताया है। दोनों मामलों में पुलिस परिजनों की शिकायत के आधार पर जांच कर रही है।

भीलवाड़ा में बीड़ी के गोदाम में भीषण आग लगी

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के वात्सल्य हॉस्पिटल के पास स्थित राजेश देवपुरा के बीड़ी गोदाम में सोमवार को अज्ञात कारणों के चलते अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने की इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया और मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

- **आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया**

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, गोदाम के भीतर से अचानक धुआं उठते देख आसपास के लोगों ने इसकी सूचना तुरंत गोदाम मालिक, पुलिस और दमकल विभाग को दी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। बीड़ी और अन्य ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैलने लगी, जिससे लोगों की सांसें अटक गईं। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने स्थानीय लोगों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद आग पर चारों तरफ से पानी डालकर काबू पाया। समय रहते दमकल के पहुंचने से आग आसपास की अन्य इमारतों तक नहीं फैल पाई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल विभाग यह पता लगाने में जुटे हैं कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी या इसके पीछे कोई अन्य कारण था। इस अग्निकांड में गोदाम के भीतर कितना माल जलकर खाक हुआ है, इसका आकलन किया जा रहा है।

अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री रखने के पांच केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर में दीपोत्सव के बीच अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई कर पांच केस दर्ज किए है। दो में दुकानदारों की गिरफ्तारी होने के साथ बाद में उन्हें जमानत पर छोड़ दिया गया। वहीं एक मकान में बने गोदाम पर पुलिस ने छापा मारा और भारी मात्रा में पटाख जब्त किए गए।

- **मकान में अवैध रूप से बेचे जा रहे थे पटाखे, गोदाम पर छापा मारा**

माता का थान पुलिस को सूचना मिली कि अशोक कॉलोनी पानी टंकी के पास में एक मकान में बने गोदाम से अवैध रूप से पटाखे बेचे जा रहे हैं। आसपास रहवासीय बस्ती है। इस पर थानाधिकारी अनिल यादव आदि वहां पहुंचे और मकान के गोदाम पर रेड दी गई। जहां पर अवैध विस्फोटक सामग्री मिली। पुलिस ने गोदाम से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री यानी पटाखे जब्त किए जाने के साथ राजेश खेतानी के खिलाफ केस दर्ज किया। दूसरी तरफ डांगियावास पुलिस थाने के एएसआई परसाराम ने कोकुण्डा गांव में हरवन गोस्वामी को अवैध विस्फोटक सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार एएसआई परमेश्वरलाल ने खातियासनी डांगियावास में अर्जुन जाट को गिरफ्तार कर पटाखे जब्त किए।

करवड़ थाने के एएसआई बंशीलाल ने गंगाणी गांव में महेंद्र उर्फ कालूराम से विस्फोटक सामग्री जब्त की। जबकि एएसआई मोहनराम ने बासनी लाछा गांव में सुनील जाट से विस्फोटक सामग्री को जब्त किया।

श्रीगंगानगर में खाद्य सुरक्षा टीम ने डेढ़ क्विंटल खराब सामग्री नष्ट करवाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने एवं मिलावट के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की ओर से निरीक्षण एवं सैंपलिंग की कार्रवाई जारी है।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने

- **"शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत विभिन्न प्रतिष्ठानों से सैंपल लिए**

बताया कि एफएसओ हंसराज गोदारा, रेणु चौधरी एवं उर्मिला भादू की टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के सैंपल लिए। जिला मुख्यालय पर श्री करनी डेयरी एंड वैरायटी स्टोर से दूध, तुलसी स्वीट कॉर्नर से बालूशाही तथा डेली फूड मार्ट से पोहा एवं सूजी रस्क के सैंपल लिए गए। वहीं बींझबायला में मैसर्स नागपाल मिष्ठान भंडार से बेसन चूरमा एवं ईश्वर स्वीट्स से मावा मिठाई के सैंपल लिए गए। निरीक्षण के दौरान उक्त दोनों प्रतिष्ठानों पर खराब चाशनी, रसगुल्ले, गुलाबजामुन एवं अन्य खाद्य सामग्री पाई गई। मौके पर करीब डेढ़ क्विंटल खराब खाद्य सामग्री नष्ट करवाई गई, ताकि यह आमजन के उपयोग में नहीं आ सके।



श्रीगंगानगर में खाद्य सुरक्षा विभाग के दल ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से सैम्पल लिये।

वहीं एफएसओ मंजूबाला, नित्या शर्मा एवं कंवरपाल सिंह ने श्रीकरणपुर में ठाकुरजी नमकीन एंड स्वीट्स से बेसन बर्फी एवं मीठे मावे, बालाजी मिष्ठान भंडार से पिन्नी एवं चमचम तथा सत्कार स्वीट हाउस से नमकीन के सैंपल लिए गए। विभागीय टीम ने खाद्य कारोबारियों को मिठाइयां खुले में नहीं रखने तथा खाद्य सामग्री को ढककर रखने के निर्देश दिए। साथ ही मसाले एवं खाद्य तेल खुली अवस्था में नहीं बेचने, अच्छी गुणवत्ता की सामग्री उपयोग में लेने, दुकानों में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने एवं फूड डिस्प्ले बोर्ड लगाने के लिए पाबंद किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित प्रतिष्ठानों को खाद्य संस्थानों में स्वच्छता बनाए रखने, पेयजल की जांच करवाने, नियमित पेस्ट कंट्रोल करवाने तथा खाद्य कारोबार में लगे कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच करवाने के निर्देश भी दिए गए। विभाग की ओर से स्पष्ट किया गया कि खाद्य पदार्थों की सैंपलिंग का उद्देश्य उनकी गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करना है। सैंपल लेने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित प्रतिष्ठान की खाद्य सामग्री खराब है। आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए निरीक्षण और नमूने लेने की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मोबाइल पर आए मैसेज को खोलते ही बैंक खाते से 15 लाख रुपए पार

साइबर ठगों ने दो बार में खाते से निकाली बड़ी रकम, पीड़ित ने मामला दर्ज कराया

अजमेर, (निसं)। साइबर ठगों ने लोगों को ठगी का शिकार बनाने के लिए नए-नए तरीके अपना रखे हैं। अब मोबाइल पर आने वाले टैक्स मैसेज के जरिए भी लोगों के बैंक खातों में सेंध लगाई जा रही है। ऐसा ही एक मामला अजमेर के कृष्णगंज थाना क्षेत्र के लोहागल में सामने आया है, जहां एक व्यक्ति के मोबाइल पर आए टैक्स मैसेज को खोलना भारी पड़ गया। मैसेज खोलने के कुछ ही समय बाद उसके बैंक खाते से दो बार में कुल 15 लाख रुपए की राशि निकल गई।

जानकारी के अनुसार, लोहागल निवासी जीतमल ने कृष्णगंज पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उसके मोबाइल पर एक टेक्स मैसेज आया था। उसने सामान्य मैसेज समझकर उसे खोल लिया। इसके बाद उसके बैंक खाते से पहली बार में 10 लाख रुपए कट गए। पीड़ित अभी इस घटना को समझ पाता, उससे पहले ही दूसरी बार में खाते से 5 लाख रुपए और निकल गए। इस तरह उसके बैंक खाते से कुल 15 लाख रुपए की राशि निकाल ली गई। खाते से बड़ी रकम निकलने की जानकारी मिलने पर जीतमल के होश उड़ गए। जब उसने पूरे मामले की जानकारी जुटाई तो उसे अपने साथ साइबर ठगी होने का पता चला। इसके बाद पीड़ित ने कृष्णगंज पुलिस थाने पहुंचकर घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

एएसआई संदीप ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मोबाइल पर आए टैक्स मैसेज के जरिए किस तरह ठगी की वारदात को अंजाम दिया गया और खाते से निकाली गई रकम किन बैंक खातों में स्थानांतरित हुई। साथ ही साइबर ठगों की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

घर लौट रहे कैफे संचालक पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला

बाइक-स्कूटी पर आए बदमाशों ने ताबड़तोड़ वारकर घायल किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। वैशाली नगर थाना क्षेत्र में कैफे बंद कर पैदल घर लौट रहे संचालक पर बदमाशों ने लाठी-डंडों से जानलेवा हमला कर दिया। बाइक और स्कूटी पर आए हमलावरों ने पहले से घात लगाकर बैठे होने के बाद युवक पर पीछे से ताबड़तोड़ वार किए। सिर में गंभीर चोट लगने से कैफे संचालक सड़क पर गिर पड़ा। इसके बाद भी बदमाश उसे पीटते रहे। उसे मरा समझकर आरोपी अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गए। गंभीर हालत में घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसके सिर का ऑपरेशन करना पड़ा। घटना 5 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे की है। वारदात का सीसीटीवी फुटेज रविवार को सामने आया है।

थानाधिकारी अरविन्द सिंह शेखावत ने बताया कि वैशाली नगर निवासी मयंक गोपालिया (34) वैशाली मार्ग पर "ओवन द बेकरी" कैफे संचालित करते हैं। 5 नवंबर की रात करीब 9:45 बजे वह कैफे बंद कर पैदल घर लौट रहे थे।

■ **सिर में गंभीर चोट लगने से युवक सड़क पर गिर पड़ा, इसके बाद भी बदमाश उसे पीटते रहे**

कैफे से कुछ दूरी पर गली के मोड पर बाइक और स्कूटी सवार बदमाश पहले से खड़े थे। मयंक के वहां पहुंचते ही हमलावर पीछे से दौड़कर आए और लाठी-डंडों से हमला कर दिया।

हमलावरों के वार से मयंक के सिर में गंभीर चोट लगी और वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े। इसके बाद भी बदमाश उन पर लगातार वार करते रहे। कुछ देर बाद हमलावर उन्हें अधमरा हालत में छोड़कर बाइक और स्कूटी पर सवार अपने साथियों के साथ फरार हो गए। मौके से गुजर रहे लोगों ने घायल मयंक को अस्पताल पहुंचाया। गंभीर चोट के कारण डॉक्टरों को उनके सिर का ऑपरेशन करना पड़ा।

सूचना मिलने पर पुलिस अस्पताल पहुंची। मयंक के बेहोशी की हालत में होने के कारण पुलिस ने उनके परिजनों और कैफे कर्मचारियों से जानकारी जुटाई। इसके बाद घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। फुटेज में बाइक और स्कूटी सवार हमलावर गली के मोड पर इंतजार करते दिखाई दिए। मयंक के पहुंचते ही उन्होंने हमला कर दिया और वारदात के बाद फरार हो गए।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि 5 नवंबर की दोपहर मयंक का कैफे में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी से विवाद हुआ था। महिला कर्मचारी का एक दोस्त आए दिन उससे मिलने कैफे आता था। घटना वाले दिन भी उसके कैफे आने पर मयंक ने आपत्ति जताई थी। आरोप है कि जाते समय महिला कर्मचारी के दोस्त ने मयंक को जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस इसी एंगल से भी जांच कर रही है। थानाधिकारी अरविन्द सिंह शेखावत ने बताया कि शनिवार रात तक घायल मयंक बयान देने की स्थिति में नहीं थे। परिजनों की शिकायत पर रविवार दोपहर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हमलावरों की पहचान कर उनकी तलाश की जा रही है।

डॉ. जसवंत यादव के निधन से मन व्यथित : जूली

बहरोड़। नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मंत्री टीकाराम जूली ने सोमवार को ग्राम सिलपट्टा पहुंचकर बहरोड़ विधायक स्व. डॉ. जसवंत यादव की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जूली ने उनकी अंतिम यात्रा में शामिल होकर अर्थी को कंधा दिया तथा अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर उन्हें अंतिम विदाई दी। भावुक होते हुए जूली ने कहा कि डॉ. जसवंत यादव के निधन का समाचार मेरे लिए अत्यंत दुखद और मन को व्यथित करने वाला है। राजनीति में मेरे शुरुआती समय से लेकर चाहे जिला परिषद का कार्यकाल रहा हो या मेरे विधानसभा सदस्य के तौर पर तथा आज इस मुकाम तक पहुंचने की यात्रा में वे हमेशा एक वरिष्ठ और मार्गदर्शक के रूप में मेरे साथ रहे। उनका स्नेह और मार्गदर्शन समय-समय पर मुझे निरंतर मिलता रहा। जूली ने कहा कि हमारी राजनीतिक विचारधाराएं अलग-अलग हो गईं थीं, लेकिन अलवर के विकास और क्षेत्र की जनता के हितों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता हमेशा समान रही। विकास से जुड़े मुद्दों पर वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार करते थे और मेरे विचारों एवं सुझावों का सम्मान करते थे। उनके साथ मेरा रिश्ता केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आत्मीयता व आपसी सम्मान का था।

बहरोड़ विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. जसवंत यादव का निधन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्व. यादव के पैतृक गांव सिलपटा पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर (कासं)। राजस्थान की राजनीति के वरिष्ठ नेता, कोटपूतली-बहरोड़ से भाजपा विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. जसवंत सिंह यादव का रविवार, 8 नवंबर को निधन हो गया। उन्होंने जयपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में सुबह 8:15 बजे अंतिम सांस ली। वे 73 वर्ष के थे और लंबे समय से कैंसर से पीड़ित थे। उनके निधन के समाचार से अलवर, कोटपूतली और बहरोड़ सहित पूरे

■ **स्व. यादव बहरोड़ क्षेत्र से चार बार विधायक और एक बार सांसद रहे**

प्रदेश में शोक की लहर छा गई।

सोमवार 9 नवंबर को खैरथल-तिजारा जिले के पैतृक गांव सिलपटा में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गांव पहुंचकर पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों को ढांढस बंधाया। मुख्यमंत्री ने स्व. यादव के निधन को अपूरणीय क्षति बताया।

उल्लेखनीय है कि डॉ. जसवंत यादव का राजनीतिक जीवन करीब चार दशक लंबा रहा। वे चार बार विधायक और एक बार सांसद निर्वाचित हुए। वर्ष 1998 में उन्होंने मुंडावर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार विधायक का चुनाव जीता। वर्ष 1999 में अलवर लोकसभा सीट से सांसद निर्वाचित हुए और 2004 तक इस पद पर रहे। इसके बाद वर्ष 2008 और 2013 में बहरोड़ से भाजपा विधायक बने। वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने बहरोड सीट से जीत दर्ज की। डॉ. यादव राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री के रूप में श्रम एवं रोजगार सहित महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल चुके थे। वर्ष 2013 से 2018 के दौरान वे तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की सरकार में श्रम मंत्री रहे। अलवर और बहरोड़ क्षेत्र में उनकी पहचान एक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि के रूप में रही। डॉ. जसवंत सिंह यादव का जन्म 5 अगस्त 1953 को अलवर जिले के कोटकासिम क्षेत्र के सिलपटा गांव में हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा गांव में प्राप्त की और अलवर के नवीन सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 12वीं की पढ़ाई की। इसके बाद अजमेर के रीजनल कॉलेज से कॉलेज शिक्षा तथा दिल्ली से बीएएमएस की डिग्री हासिल की थी।



मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दिवंगत बहरोड़ विधायक डॉ. जसवंत यादव की पार्थिव देह पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

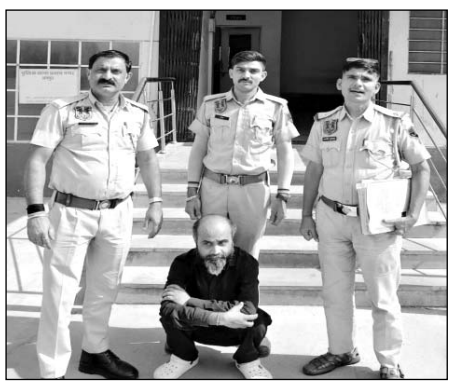
महिला को ब्लैकमेल कर वसूली करने वाला यू-ट्यूबर दिल्ली से गिरफ्तार

जयपुर। यूट्यूब चैनल पर खबर चलाने और पुलिस में शिकायत कर जेल भिजवाने की धमकी देकर एक महिला को करीब पांच साल तक ब्लैकमेल कर अवैध वसूली करने वाले तथाकथित यू-ट्यूबर को प्रताप नगर थाना पुलिस ने दिल्ली के फतेहपुर बेरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला को डरा-धमकाकर हर महीने 500 से 2 हजार रुपए तक ऑनलाइन ट्रांसफर करवाता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर पूर्व) रंजीता शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राहुल सक्सेना (42) निवासी भरतपुर हाल निवासी फतेहपुर बेरी दक्षिण नई दिल्ली है। पुलिस टीम आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार कर जयपुर लेकर आई है।

थानाधिकारी विक्रांत शर्मा के अनुसार पीड़िता देशी शराब के ठेके से संबंधित कार्य कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती है। वर्ष 2020-21 में आरोपी राहुल सक्सेना प्रताप नगर क्षेत्र में किराए का कमरा लेकर रहता था। उस दौरान उसने महिला की शराब बिक्री का वीडियो बना लिया। इसके बाद आरोपी खुद को यू-ट्यूबर बताकर महिला को वीडियो पुलिस को देने, जेल भिजवाने और बर्बाद करने की धमकी देने लगा। इसी भय का फायदा उठाकर उसने महिला से प्रतिमाह करीब 1500 रुपए वसूलने शुरू कर दिए।

वर्ष 2021 में आरोपी दिल्ली शिफ्ट हो गया। लेकिन इसके बाद भी उसने महिला को ब्लैकमेल करना बंद नहीं किया। वह महिला और उसके बेटों को फोन कर यूट्यूब चैनल पर खबर चलाने तथा पुलिस को सूचना देकर जेल भिजवाने की धमकी देता था। आरोपी ने महिला से प्रति माह 500 से 2 हजार रुपए तक की राशि फोन-पे के जरिए अपने मोबाइल नंबर पर ट्रांसफर करवाई। लगातार धमकियों और



■ **यूट्यूब चैनल पर खबर चलाने और जेल भिजवाने की धमकी देकर हर महीने 500 से दो हजार रुपए वसूलता था आरोपी**

अवैध वसूली से परेशान होकर महिला ने पुलिस की शरण ली। पीड़िता ने 21 अगस्त 2026 को प्रताप नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इधर आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार फरार चल रहा था। जिस पर विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर दिल्ली में दबिश देकर आरोपी राहुल सक्सेना को गिरफ्तार किया। इस पुलिस मामले में आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

दीपावली पर जयपुर में आगजनी की 82 घटनाएं

जयपुर। दीपावली पर आतिशबाजी के बीच जयपुर शहर में आगजनी की 82 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें सबसे अधिक 54 घटनाएं छप्परों में आग लगने की रहीं। इसके अलावा 9 गोदाम, 9 दुकानें, 6 मकान, 3 मंदिर और एक वाहन आग की चपेट में आया। त्योहार के दौरान आग की घटनाओं को देखते हुए नगर निगम का अग्निशमन विभाग अलर्ट रहा। सूचना मिलते ही दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कार्रवाई की।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) गौतम लाल ने बताया कि दीपावली के दिन शहर में आग लगने की कुल 82 घटनाएं सामने आईं। इनमें छप्परों में आग लगने के 54 मामले दर्ज किए गए। वहीं गोदामों और दुकानों में आग लगने की 9-9 घटनाएं हुईं। इसके अलावा मकानों में आग के 6, मंदिरों में 3 और एक वाहन में आग लगने की घटना सामने आई।

लाल ने बताया कि आंकड़ों के अनुसार आगजनी की कुल घटनाओं में छप्परों की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। शहर के विभिन्न इलाकों में 54 छप्परों में आग लगी। वहीं गोदामों और दुकानों में आग लगने की कुल 18 घटनाएं दर्ज की गईं। आवासीय परिसरों और धार्मिक स्थलों में भी आगजनी की घटनाएं सामने आईं।

■ **9 गोदाम, 9 दुकानें, 6 मकान और तीन मंदिरों समेत कई छप्पर आग की चपेट में आए**

दीपावली पर आतिशबाजी के दौरान आग लगने की आशंका को देखते हुए अग्निशमन विभाग की टीमें शहरभर में तैनात रहीं। अलग-अलग क्षेत्रों से आग लगने की सूचना मिलने पर दमकलकर्मी तत्काल घटनास्थलों पर पहुंचे और आग बुझाने में जुटे। छप्परों, दुकानों, गोदामों और मकानों में आग लगने की घटनाओं के चलते दमकल टीमों को लगातार सक्रिय रहना पड़ा।

वहीं सोमवार को भी शहर के अलग-अलग इलाकों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। फायर शाखा की टीमों ने मौके पर पहुंचकर आग पर जल्द काबू पा लिया।

बिना लाइसेंस पटाखे बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

जयपुर। त्योहारी सीजन में अवैध पटाखों की बिक्री व भंडारण के खिलाफ जामडोली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बिना लाइसेंस पटाखे बेच रहे एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से करीब 50 हजार रुपए कीमत के 38 अलग-अलग लेबल के पटाखे जब्त किए हैं। पुलिस उपायुक्त रंजीता शर्मा ने बताया कि जामडोली थानाधिकारी रतन सिंह कविया के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने 7 नवंबर को विजयपुरा सुमेल पुरानी चुंगी और मीना पालड़ी सहित आसपास के क्षेत्रों में पटाखा दुकानों के लाइसेंस की जांच के लिए अभियान चलाया। जांच के दौरान पुलिस टीम ने विजयपुरा रोड पर प्रेम डेंटल क्लिनिक के सामने संचालित दुकान पर कार्रवाई की।

सार-समाचार

"सा रे गा मा पा" के कंटेस्टेंट दुर्गेश यादव के घर टीवी भिजवाएंगे कुमार सानू



जयपुर। ज़ी टीवी के लोकप्रिय संगीत रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा 2026' के दिवाली विशेष एपिसोड में संगीत और भावनाओं से जुड़ा एक खास पल देखने को मिलेगा। शो के प्रतियोगी दुर्गेश यादव के लिए उनके गुरु पंडित गिरिजाशंकर त्रिपाठी को विशेष रूप से सेट पर बुलाकर सरप्राइज दिया गया। दुर्गेश लंबे समय से चाहते थे कि उनके गुरु शो में आकर उन्हें आशीर्वाद दें। इस दौरान जजों ने गुरु पंडित श्री गिरिजाशंकर त्रिपाठी से दुर्गेश के परिवार के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बताया कि दुर्गेश उत्तर प्रदेश के छोटे से कस्बे मऊ के रहने वाले हैं। उनके परिवार के पास थोड़ी-सी खेती की जमीन है और खेती से ही घर का गुजारा चलता है। परिवार के पास टीवी भी नहीं है, जिस पर वे अपने बेटे को शो में गाते हुए देख सकें। यह बात सुनकर प्रसिद्ध गायक और शो के जज कुमार सानू भावुक हो गए। उन्होंने तत्काल दुर्गेश के परिवार को टीवी देने का फैसला किया। कुमार सानू ने कहा, मेरी तरफ से आज ही आपके घर एक टीवी भिजवाया जाएगा, ताकि आपके माता-पिता घर पर साथ बैठकर शो में आपकी प्रस्तुति देख सकें। दिवाली विशेष एपिसोड में संगीत की शानदार प्रस्तुतियों, जुगलबंदी और त्योहार के सरप्राइज के साथ होस्ट श्रेयस तलपड़े की मस्ती भी देखने को मिलेगी। गुरु का आशीर्वाद और कुमार सानू का यह तोहफा दुर्गेश के लिए दिवाली को यादगार बना देगा। 'सा रे गा मा पा 2026' प्रत्येक शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे ज़ी टीवी और हिंदी ज़ी5 पर प्रसारित होता है।

पटाखे की चिंगारी से सब्जी मंडी में आग

जयपुर। दीपावली की रात पटाखों की चिंगारी वैशाली नगर स्थित सब्जी मंडी तक पहुंच गई, जिससे मंडी में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और वहां खड़े सब्जियों के कई ठेले इसकी चपेट में आकर जलकर राख हो गए। घटना रविवार - सोमवार की मध्य रात्रि करीब 1:40 बजे की है। सूचना पर पहुंची वैशाली नगर थाना पुलिस और दमकल की दो गाड़ियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। थानाधिकारी अरविन्द सिंह ने बताया कि आम्रपाली रोड पर करणी पैलेस के पास नगर निगम की ओर से सब्जी मंडी संचालित की जाती है। यहां ठेलों पर सब्जियां बेची जाती हैं। दीपावली की देर रात पटाखे की चिंगारी से मंडी परिसर में लगे पेड़-पौधों में आग लग गई। तेज लपटों के कारण आग ने आसपास खड़े सब्जियों के ठेलों को भी अपनी चपेट में ले लिया। मंडी में आग की ऊंची लपटें उठती देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस और दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। पुलिस और दमकल कर्मियों ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग से मंडी में खड़े सब्जियों के कुछ ठेले जलकर राख हो गए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

आशादीप ग्रीन्स कॉलोनी में मनाया दीपोत्सव

जयपुर। सांगानेर मेन वाटिका रोड स्थित आशादीप ग्रीन्स कॉलोनी में पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव सामूहिक लक्ष्मी पूजन और दीप प्रज्वलन के साथ हर्षोल्लास से मनाया गया। इस दौरान वेशभूषा, बेस्ट कपल, रंगोली, घर सजावट, दीया-माला सजावट, फैंसी ड्रेस, मेहंदी और चित्रकला प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। बच्चों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, माता लक्ष्मी और भगवान गणेश के चित्र बनाए। महिलाओं ने मिठाई एवं पकवान प्रतियोगिता में भाग लिया। पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए ग्रीन पटाखे चलाए गए। विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद सामूहिक भोज हुआ। कार्यक्रम में प्रोफेसर डॉ. राजीव सक्सेना, प्रेम सिंह गुर्जर, बालकिशन, ऋषि गुप्ता, हनुमान सिंह, अनुज जैन, राजेंद्र शर्मा, संगीता सक्सेना, नीता, ज्योति, ममता शर्मा, आभा, गीता, रिचा, मीमांसा, भावना, तनु, रामरती और वैष्णवी सहित बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी मौजूद रहे।

सेल्समैन पर पेट्रोल डालकर आग लगाई

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के रेनवाल क्षेत्र में मंगलवार दोपहर बाइक सवार तीन बदमाशों ने शराब की दुकान पर काम कर रहे सेल्समैन पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। आग की लपटों में घिरा सेल्समैन जान बचाने के लिए चिल्लाते हुए दुकान से बाहर भागा। उसकी आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने आग बुझाई और उसे अस्पताल पहुंचाया। वारदात में सेल्समैन गंभीर रूप से झुलस गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर के एसएमएस अस्पताल रेफर किया गया। वहीं, आग से दुकान में रखे दो फ्रिज और शराब के दर्जनों कार्टन जलकर नष्ट हो गए। घटना मंगलवार दोपहर करीब एक बजे चौमूं के रेनवाल थाना क्षेत्र में करड़ रोड स्थित शराब की दुकान पर हुई। पुलिस के अनुसार, कैलाश सिंह (50) निवासी नागौर रोजाना की तरह दुकान पर काम कर रहा था। इसी दौरान बाइक पर सवार होकर तीन युवक वहां पहुंचे। इनमें से एक युवक के हाथ में प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल भरा हुआ था। बदमाशों ने अचानक सेल्समैन पर पेट्रोल उड़ेल दिया और आग लगाकर मौके से फरार हो गए। पेट्रोल डालकर आग लगाने के बाद कैलाश सिंह आग की लपटों में घिर गया। वह जान बचाने के लिए चिल्लाते हुए दुकान से बाहर की तरफ भागा। उसकी आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्परता दिखाते हुए आग बुझाई।

बाइक सवार को टक्कर मारकर भागने वाला थार चालक पकड़ा

जयपुर। दिवाली की देर रात तेज रफ्तार थार से बाइक सवार को टक्कर मारकर फरार होने वाले चालक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी की पहचान सौरभ मुखिया (25), निवासी गांधी नगर रेलवे स्टेशन के रूप में हुई है। आरोपी राजस्थान यूनिवर्सिटी में स्नातकोत्तर का छात्र है। पुलिस ने उसके कब्जे से हादसे में इस्तेमाल थार को भी जब्त कर लिया है। हादसा 8 नवंबर की रात मामा की होटल के पास हुआ था। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया था, जिसमें थार चालक तेज रफ्तार से वाहन चलाता नजर आ रहा है। वीडियो में पहले थार एक बाइक सवार को टक्कर मारने से बचती दिखाई देती है। इसके बाद कुछ दूरी पर आगे चल रही दूसरी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार देती है। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार उछलकर सड़क पर जा गिरा। हादसे के बाद बाइक सवार ने उठकर थार चालक को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी सौरभ मुखिया को गिरफ्तार कर थार जब्त कर ली है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नौकरी लगाने का झांसा देकर 6 लाख रु.ठगे

जयपुर। जयपुर नगर निगम में फॉर्थ ग्रेड कर्मचारी की सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर एक युवक से 6 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। आरोपी परिचित रवि कुमार ने नौकरी दिलाने की गारंटी देकर पीड़ित से रकम ऐंठ ली और विश्वास दिलाने के लिए फर्जी जॉइनिंग लेटर भी थमा दिया। जब पीड़ित नगर निगम कार्यालय में जॉइनिंग लेटर लेकर पहुंचा तो फर्जी होने का पता चला। इसके बाद आरोपी से रुपए वापस मांगने पर वह टालमटोल करने लगा। आखिरकार पीड़ित ने कोर्ट के आदेश पर नारायण विहार थाने में मामला दर्ज करवाया है। एएसआई देवराज सिंह ने बताया कि मांग्यावास मानसरोवर निवासी रिंकू कुमार (35) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पीड़ित मांग्यावास के लवकुश विहार स्थित एक वर्कशॉप पर काम करता है।

'सफाईकर्मियों की फोर्स कितनी, कितने कार्मिक कर रहे हैं अफसरों के घर काम?'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम से पूछा है कि जयपुर शहर की सफाई के लिए कितने सफाई कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं। वहीं इनमें से कितने सफाई कर्मचारी अधिकारियों से कार्यालयों और उनके आवास पर तैनात किए गए हैं। अदालत ने इस संबंध में जिम्मेदार अफसरों को 16 नवंबर तक शपथ पत्र पेश कर जानकारी देने को कहा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश विमल चौधरी की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अधिवक्ता विमल चौधरी ने अदालत को बताया कि नगर निगम की ओर से भर्ती किए गए सफाई कर्मचारियों में से बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी अफसरों के कार्यालयों और आवास पर तैनात किए गए हैं। जिससे शहर की सफाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि अदालती आदेश की पालना में उनकी ओर से शपथ पत्र पेश कर बिरला मंदिर के आसपास की कॉलोनियों में सफाई व्यवस्था को लेकर जानकारी पेश की जा रही है। याचिका में कहा गया कि हाईकोर्ट ने 31 मई, 2012 को शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार और नगर निगम को 16 बिंदुओं पर निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद अभी तक आदेश की प्रभावी पालना नहीं हो रही है। बिरला मंदिर के पीछे गणेश नगर और आसपास की कॉलोनियों में नियमित सफाई नहीं हो रही है। ऐसे में दोषी अफसरों को अवमानना के लिए दंडित किया जाए।

■ **हाईकोर्ट ने राज्य सरकार और नगर निगम से जयपुर शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर सवाल पूछा**

18 वर्षीय युवती से निकाह करने वाले मौलाना की कोर्ट परिसर में पिटाई की

जयसिंहपुरा खोर इलाके में मदरसे के एक मौलाना पर मदरसे में पढ़ने आने वाली बच्चियों का ब्रेनवॉश करने और 18 वर्षीय युवती को अपने प्रभाव में लेकर निकाह करने का आरोप है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर इलाके में मदरसे के एक मौलाना की कोर्ट परिसर के बाहर लोगों ने पिटाई कर दी। मौलाना पर मदरसे में पढने आने वाली बच्चियों का ब्रेनवॉश करने और 18 वर्षीय युवती को अपने प्रभाव में लेकर निकाह करने का आरोप है। आरोपी पहले से शादीशुदा है और तीन बच्चों का पिता बताया जा रहा है। पुलिस ने उसे शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए।

जयसिंहपुरा खोर थानाधिकारी रघुवीर सिंह ने बताया कि नाई की थड़ी स्थित मदरसे के मौलाना को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मदरसे में आसपास के क्षेत्रों की बच्चियां पढ़ने आती हैं। आरोप है कि मौलाना पढाई के दौरान बच्चियों को अपने प्रभाव में लेने का प्रयास करता था। इसी दौरान मदरसे में पढ़ने आने वाली 18 वर्षीय युवती भी उसके संपर्क में आई।

परिजनों के अनुसार युवती मौलाना से निकाह करने की जिद कर रही थी। परिवार की ओर से समझाइश के बावजूद वह नहीं मानी और पिछले दिनों परिजनों की सहमति के बिना मौलाना से निकाह कर लिया। मौलाना पहले से शादीशुदा है और उसके तीन बच्चे हैं।

निकाह की जानकारी मिलने पर परिजनों ने जयसिंहपुरा खोर थाने में शिकायत दी। इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। शनिवार को बड़ी संख्या में लोग विरोध जताने थाने पहुंचे और मदरसे में पढ़ने आने वाली अन्य बच्चियों को भी प्रभावित करने के आरोप लगाए। इसके बाद पुलिस ने मौलाना को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

शनिवार दोपहर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश हुए। कोर्ट परिसर से बाहर निकलते समय आक्रोशित लोगों ने पुलिस की मौजूदगी में मौलाना पर लात-घूंसों से हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आरोपी को भीड़ से बचाकर बाहर निकाला। मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है।

तेज रफ्तार होंडा कार ने बीएमडब्ल्यू को टक्कर मारी

जयपुर। राजधानी में सोमवार-मंगलवार की देर रात करीब डेढ़ बजे भवानी सिंह रोड पर कर भवन के सामने भीषण सड़क हादसा हो गया।

अंबेडकर सर्किल से करीब 100 मीटर पहले तेज रफ्तार होंडा सीआरवी ने आगे चल रही बीएमडब्ल्यू कार को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बीएमडब्ल्यू का पिछला टायर फट गया, जबकि होंडा सीआरवी अनियंत्रित होकर तीन से चार बार पलटी खाते हुए करीब 60 कदम दूर जाकर गिरी। हादसे में बिजली का पोल भी टूट गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस दौरान गाली-गलौज कर रहे एक युवक की लोगों ने पिटाई कर दी। बीएमडब्ल्यू में दो महिलाओं और दो पुरुषों सहित चार लोग सवार थे, जबकि होंडा सीआरवी में एक युवक और युवती मौजूद थे। बीएमडब्ल्यू सवार कमलजीत (30) ने होंडा सीआरवी चला रहे रुद्राक्ष (22) और उसके साथ बैठी युवती पर नशे में होने का आरोप लगाया। पुलिस ने रुद्राक्ष का मेडिकल और अल्कोहल परीक्षण करवाया व दोनों कार जब्त की।

ज्वैलर से 15 लाख रुपए के सोने के सिक्के ठगे

जयपुर। संजय सर्किल इलाके में एक ज्वेलर्स से 15 लाख रुपए कीमत के सोने के सिक्के ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार संगठित गिरोह के बदमाशों ने पहले फोन कर सोने के सिक्कों का ऑर्डर दिया। इसके बाद ज्वेलरी शोरूम के कर्मचारियों को कागज की गड्डियों के ऊपर और नीचे असली 500 रुपए के नोट लगाकर थमा दिए। बैंक की चेस्ट शाखा की सील लगी गड्डियां देखकर कर्मचारियों ने बिना गिने ही भुगतान स्वीकार कर लिया और बदमाशों को सोने के सिक्के सौंप दिए। बाद में गड्डियां खोलकर देखने पर ठगी का पता चला। शोरूम मैनेजर ने संजय सर्किल थाने में मामला दर्ज कराया है।

थानाधिकारी उमेश बेनीवाल के अनुसार एमआई रोड स्थित मैसर्स जेकेजे एंड संस ज्वेलर्स के मैनेजर राजेश शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उनकी फर्म सोने-चांदी के आभूषणों की खरीद-बिक्री का काम करती है। जहां 6 नवंबर को दोपहर करीब 1:26 बजे शोरूम के मोबाइल नंबर पर एक व्यक्ति का फोन आया। कॉल रिसीव करने वाले कर्मचारी विक्रम सिंह से उसने 5-5 ग्राम के 20 सोने के सिक्के खरीदने की इच्छा जताई। दोपहर 2:05 बजे आरोपी ने दोबारा फोन कर सोने के सिक्कों का सौदा तय किया। उसने भुगतान जयपुर में रहने वाले अपने परिचित से करवाने की बात कही। इस पर कर्मचारी विक्रम सिंह ने वॉट्सऐप के जरिए टोकन नंबर और 15 लाख 10 हजार रुपए की कच्ची पर्ची भेज दी। इसके बाद वॉट्सऐप पर बातचीत होती रही। सिक्के खरीदने वाले व्यक्ति ने आकाश जैन नाम के व्यक्ति का मोबाइल नंबर देकर उसे माल सौंपने और उससे भुगतान लेने को कहा। आकाश जैन से संपर्क करने पर उसने मनीष से मिलने की बात कही और चांदपोल बाजार स्थित मोहम्मदी होटल की लोकेशन भेज दी। इसके बाद शोरूम से 5-5 ग्राम के 20 सोने के सिक्के, कुल 100 ग्राम सोना, लेकर कर्मचारी ब्रजमोहन और मनीष शर्मा को वहां भेजा। शाम 7:30 बजे दोनों कर्मचारी लोकेशन पर पहुंचे और मनीष के दिए मोबाइल नंबर पर कॉल किया। कुछ देर बाद मनीष वहां पहुंचा। उसने आईसीआईसीआई बैंक की चेस्ट शाखा की सील लगी 500-500 रुपए के तीन गड्डियां में 15 लाख रु. दिए।

ARBiT it happens here...



Indulge in Sweetness: Celebrating National Sundae Day

National Sundae Day is celebrated annually on November 11, honouring one of the most indulgent and beloved desserts worldwide. This sweet treat, typically made with ice cream topped with sauces, nuts, fruits, whipped cream, and cherries, has delighted generations with its creamy, customizable goodness. From classic chocolate and caramel combinations to inventive flavours like salted caramel pretzel or mango passionfruit, sundaes offer a playful canvas for culinary creativity. The day encourages people to treat themselves, gather with friends or family, and celebrate the simple joy of dessert. It's a reminder that life is sweeter when shared.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
11 November 2026
A-B

#SPLENDOUR

The Emerald of Jahangir

In the Mughal worldview, gemstones carried deeper meanings. Emeralds, with their rich green hue, were associated with paradise, renewal, and divine favour



In the opulent world of the Mughal court, where art, authority, and symbolism were inseparable, gemstones were more than adornments, they were declarations of power. Among the most extraordinary of these treasures is the famed Mughal emerald associated with Jahangir, a gemstone that embodies both imperial grandeur and unmatched craftsmanship.

Weighing an astonishing 500 carats, this emerald stands as one of the largest and most remarkable gemstones ever recorded from the 17th century. Its sheer size alone places it in a rare category, but what truly sets it apart is the way it reflects the Mughal empire's unique fusion of natural beauty and artistic mastery.

The Mughals had a deep appreciation for gemstones, particularly emeralds, which were often imported from South America and then intricately worked upon in India. Under Jahangir's reign, this fascination reached new heights. The emperor, known for his refined aesthetic sensibilities and keen interest in nature and art, saw gemstones not merely as wealth, but as canvases.

This emerald was not just cut and polished, it was transformed. Mughal artisans, renowned for their precision, would engrave such stones with delicate inscriptions, floral motifs, or even verses. These carvings elevated the gem from a raw natural wonder into a cultural artifact,



blending lapidary skill with imperial identity.

What makes this particular emerald especially significant is its singularity. Unlike collections of jewels or sets of regalia, a stone of this magnitude stood alone, both as a physical object and as a symbol. It represented concentrated power: rare, enduring, and unmistakably royal.

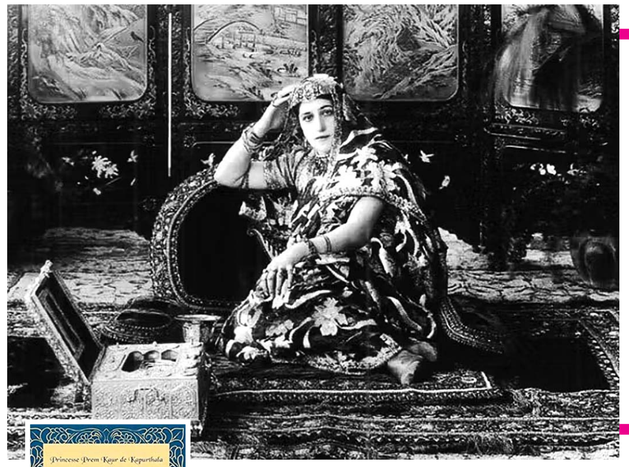
In the Mughal worldview, gemstones often carried deeper meanings. Emeralds, with their rich green hue, were associated with paradise, renewal, and divine favour. Owning and displaying such a gem was not just an act of luxury, but a statement of cosmic legitimacy, a way of aligning earthly rule with celestial order.

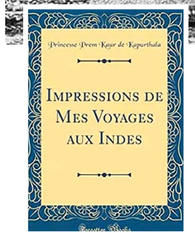
The legacy of Jahangir's emerald lies not only in its size or beauty, but in what it represents: a moment in history when art, nature, and empire converged seamlessly. It is a reminder of how the Mughal court transformed even the hardest stones into expressions of culture and authority. Centuries later, such treasures continue to captivate historians and collectors alike, not merely as relics of wealth, but as enduring symbols of a civilization that understood how to turn power into art.





The Esoteric Curiosa, flamenco dancer Anita.





Anita's book.

Anita spent a lot of her time at Mussoorie where the Maharaja of Kapurthala had a large palace called 'Chateau de Kapurthala.' Here, a number of Maharajas and their wives came to meet her. There is a well know story of how, during the visit to Hyderabad, the miserly Nizam Mir Osman Ali Khan fell in love with her. During a dinner, she found emerald jewels wrapped in her napkin, a gift from the Nizam, which were later found to be fake! It is during this visit that she was photographed by the famous photographer Raja Deen Dayal, in an Indian sari and dripping with jewels.



Maharaja Jagatjit Singh.

From A Nightclub To The Palace Of Kapurthala

#ANITA DELGADO



Prince Ajit Singh.



Anita as Maharani Prem Kaur.



Anita with her son Ajit.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

A Spanish flamenco dancer, an Indian Maharaja and a romance that crossed continents, the story of Anita Delgado and Maharaja Jagatjit Singh of Kapurthala reads like a fairy tale. Many Indian Maharajas married European women, and among the many European women, who married Indian Maharajas, the most famous was undoubtedly Anita Delgado (1890-1962), the Spanish flamenco dancer who went on to become the Maharani of Kapurthala. Hers is the proverbial 'Rags to Riches' tale, with even a wealthy prince thrown in. Such is the pull of her enigmatic story, especially in her native Spain, that around half a dozen books have been written on her. Few years back, there was even talk of a Hollywood movie being made on her life, with Penelope Cruz playing the lead.

It was destiny, which took this young girl from small town Spain, to the riches of Kapurthala, halfway across the globe.

Anita Delgado Briones was born in 1890, in the small town of Malaga in southern Spain. Her parents ran a small café - La Castana, which also doubled up as a gambling den. However, when the Spanish government banned gambling, Anita and her parents were forced to migrate to Madrid, in search of a livelihood. Her father failed to find work and the family's financial situation went from bad to worse. It was during this time that Anita and her sister Victoria began to take dance lessons, from a neighbour, who taught for free. Despite their father's disapproval, the sisters began dancing on stage to support the family.

It was in May, 1906, when Anita and her sister performed a curtain raiser act at the Kursaal Fronton, a modern nightclub in Madrid, that things took a turn. The nightclub was extremely popular with the city's well-heeled and international visitors as well.

That year, there was an even more august gathering, those visiting Madrid to attend the wedding of King Alfonso XIII of Spain. Among them was Maharaja Jagatjit Singh of Kapurthala, who was completely enraptured by the 16 year old Anita's beauty.

One can only imagine the look on Anita's face, when on the morning after her performance, a large silver carriage stopped by her house and a bejewelled man in turban stepped out, to confess his love for her! Within a week, the Maharaja's secretary came with the formal proposal for marriage. Anita's conservative Christian parents were aghast, but the offer from the Maharaja of one lakh pounds for 'acceptance' overruled their prejudices.

Like Eliza Doolittle from *My Fair Lady*, Anita too was packed off to Paris for training and grooming, so, she could wear a crown. The Maharaja maintained a large palace in Paris, famous then as the 'Pavillon de Kapurthala.' In her memoirs, Anita writes how she had to learn etiquette, several languages, geography, music, dancing, skating, tennis and even how to drive an automobile. Finally, after months of training and ready to be a Queen, Anita travelled to India in 1907. Landing in Bombay, a special Kapurthala rail saloon was waiting to take them to Kapurthala, where on 28th January 1908, they married as per Sikh rites. From then on, Anita was addressed as Maharani 'Prem Kaur' of Kapurthala.

In Kapurthala, Anita was not far away from European luxury, for Kapurthala was known as the 'Paris of Punjab.' Jagatjit Singh of Kapurthala was a francophile, who had modeled his state along French lines. He had built a large palace inspired by the French royal palace of Fontainebleau, and employed the best French cooks trained at the Hotel Ritz in Paris. Not only that, the royal family only drank the French Evian water, which was specially shipped from France to Kapurthala!

This was Anita's honeymoon period. Anita writes how her husband, showing her the newly built French style palace, said to her, "I never imagined that a woman so beautiful would be the first to live here, but now I know it was destined to be you."

Soon after, Anita gave birth to a son named Ajit Singh. She even published her account of extensive travels in a book called 'Impresiones de mis viajes a las Indias' ('The impressions of my trip to the Indies). In India too, Anita created a sensation. The British officialdom looked down upon her and refused to entertain her at functions. But at the same time, there was widespread curiosity about the 'exotic' Maharani. During her trips to Europe, photographers would follow her everywhere.

But the reality of royal life was more complicated than the romance that had brought her there. Anita discovered that she was not the Maharaja's first wife, but his fifth. The customs of the royal household, the expectations placed upon her and her position within a complex family structure presented challenges that no amount of preparation in Paris could fully anticipate.

Anita spent a lot of her time at Mussoorie where the Maharaja of Kapurthala had a large palace called 'Chateau de Kapurthala.' Here, a number of Maharajas and their wives came to meet her. There is a well know story of how, during the visit to Hyderabad, the miserly Nizam Mir Osman Ali Khan fell in love with her. During a dinner, she found emerald jewels wrapped in her napkin, a gift from the Nizam, which were later found to be fake! It is during this visit that she was photographed by the famous photographer Raja Deen Dayal, in an Indian sari and dripping with jewels.

However, not all stories have a happy ending. Maharaja Jagatjit Singh was notorious for having a roving eye. And as Maharani, Anita was expected to remain chaste while the Maharaja moved on to younger women and mistresses. It was in 1925, at the Hotel Savoy in London, that the Maharaja and Anita had a big, very public fight. The Maharaja accused her of infidelity and threatened to divorce her. Anita threw herself on the floor crying. There was such a scene created at the hotel, that of all people, Muhammad Ali Jinnah, a common friend of Anita and the Maharaja, who was staying at the same hotel, had to intercede on Anita's behalf.

After 18 years of marriage, Anita and the Maharaja divorced soon after. Jinnah ensured that Anita got a generous financial settlement, and she returned to Europe.In Kapurthala, Anita's place as the 'White Maharani' was taken by another lady. In 1942, Maharaja Jagatjit Singh married a Czech named Eugenie Grosupova, who was an illegitimate daughter of a Czech count. She was given the name 'Tara Devi.' However, shy and unwilling to mix with Indians, she was very different from Anita. Over time, the Maharaja's interest in her waned too and this marriage ended tragically. On 9th December 1946, Tara Devi (taking her two dogs with her) went to Qutub Minar in Delhi and jumped from the 5th storey. Her body, and those of her two dogs, were found dangling from ledge of the 3rd storey of Qutub Minar. She was buried at the St. James' Church in Delhi.

It is said that Maharaja Jagatjit Singh never recovered from the shock, and passed away at the Taj Mahal Hotel in Bombay in 1949.

Meanwhile after her divorce, Anita lived a luxurious life with homes in Paris, Switzerland, Madrid and Malaga. It is said that she continued to wear her fabulous jewels and even eat with cutlery made of sold gold. She also spent time writing her memoirs, as she felt her story needed to be told. She passed away in 1962 at the age of 72. She left her jewels to her son Prince Ajit, and her other possessions to her nieces.

However, Anita's strange story does not end with her death. Her son, Prince Ajit Singh, served as an Indian diplomat in Buenos Aires and in London and died unmarried in New Delhi in 1984. Anita's family had ended, or so it was believed until 2009, when a Lebanese-American Journalist Maha Akhtar published her bestselling book 'The Maharani's Hidden Granddaughter,' in which she revealed how her search for her birth certificate had revealed that she was Prince Ajit's biological daughter, out of wedlock. A fact which she claimed was corroborated by her mother, on her deathbed. Maha even owns an amethyst ring which once belonged to Anita. With so many twists and turns, it is no wonder that Anita's life continues to inspire writers and filmmakers, after all, no piece of fiction could ever beat this tale!

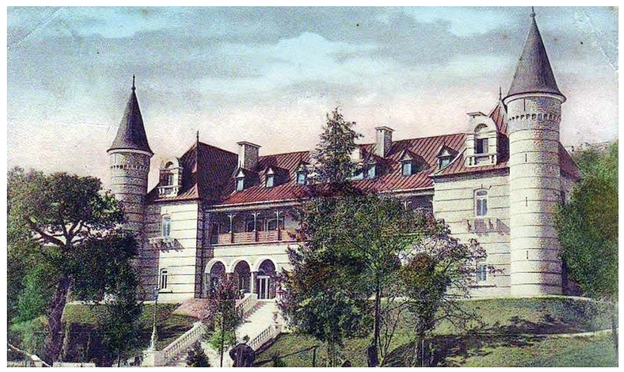
A Woman Between Two Worlds

Anita Delgado's journey had taken her from a modest Spanish family to the court of an Indian Maharaja, across two cultures and into a chapter of history where romance, royalty and personal independence collided.

Anita crossed continents, learned new languages, entered a royal household and became part of India's princely history. Yet, she ultimately spent her later years away from the throne that had once defined her identity.

Between Madrid and Kapurthala, she belonged to two extraordinary worlds, and never entirely to either.

rajeshsharma1049@gmail.com

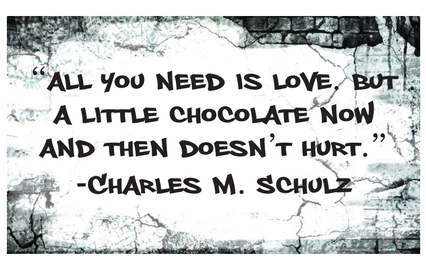


Chateau de Kapurthala at Mussoorie.



Palace of Kapurthala.

THE WALL



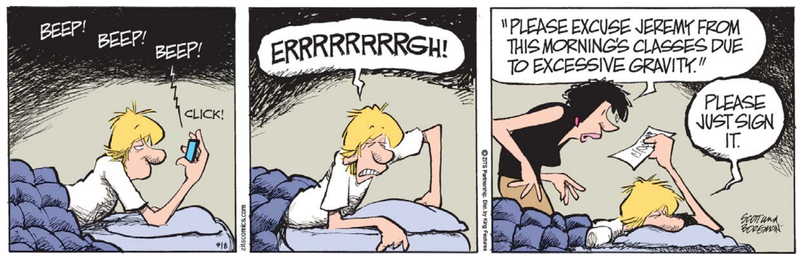
BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott



ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman



धौलपुर में दीपावली की रात परिवार के तीन सदस्य कुएं में कूदे, पिता-पुत्र की मौत, पत्नी बची

भरतपुर से पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर में दीपावली की रात जमीन विवाद के चलते एक ही परिवार के तीन सदस्यों के कुएं में कूदने की घटना में पिता-पुत्र की मौत हो गई। वहीं मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी रामकिशन यादव पुलिस जाब्ते के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और बिना देरी किए रेस्क्यू ऑपरेशन की कमान संभाली। पुलिस जवानों की मदद से कुएं में फंसे परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया गया। इस दौरान 55 वर्षीय सरोज को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि सुरेश उर्फ पप्पू और उनके बेटे इंद्रेश को अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को भरतपुर से पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए।

- **मृतक के बड़े बेटे राजेश के मुताबिक उनके खेत से लगी मंदिर की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था, 10 दिन से पिता परेशान चल रहे थे**

जानकारी के अनुसार दीपावली की रात सुरेश उर्फ पप्पू खेत में टहल रहे थे। इसी दौरान उन्होंने अचानक कुएं में छलांग लगा दी। पिता को कुएं में कूदता देख उनका छोटा बेटा इंद्रेश और पत्नी सरोज भी कुएं में कूद गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी रामकिशन यादव पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कराया और पुलिस जवानों की मदद से कुएं में सीढ़ियां डलवाईं। एक जवान को पानी में उतारकर रस्सी की सहायता से 55 वर्षीय सरोज पत्नी सुरेश को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके बाद पिता-पुत्र को भी कुएं से निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। दोनों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए।

मृतक के बड़े बेटे राजेश के मुताबिक उनके खेत से लगी मंदिर की जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। मंदिर ट्रस्ट की ओर से उनकी जमीन के कुछ हिस्से पर दावा किया जा रहा था। इस मामले को लेकर न्यायालय में भी मुकदमा चल रहा था। राजेश ने बताया कि पिछले करीब 10 दिनों से उनके पिता परेशान चल रहे थे। परिवार की ओर से जमीन विवाद में मानसिक उत्पीड़न के आरोप भी लगाए गए हैं। मृतक की पत्नी सरोज ने बड़े बेटे राजेश के माध्यम से मंगलवार सुबह कोतवाली थाने में परिवाद दिया है। परिवाद में आरोप लगाया कि पति सुरेश उर्फ पप्पू के पूर्वजों की खातेदारी जमीन को हड़पने की नीयत से भू-माफिया और मंदिर के पुजारी ने मुकदमा शुरू कराया था। वर्ष 2019 में राजस्व बोर्ड से फैसला होने के बाद पति हाईकोर्ट जयपुर में अपील करने गए थे। आरोप है कि महंत हनुमानदास सहित लोचन सिंह गुर्जर, सीपी पंडित, महेश गुप्ता और संजय पहलवान घर आए और हाईकोर्ट में अपील नहीं करने का दबाव बनाया। परिवाद के अनुसार आरोपियों ने पति से अपील के बजाय राजस्व बोर्ड में रिव्यू पेश करवाया और षड्यंत्रपूर्वक जमीन का बंटवारा भी करा दिया।

सरोज ने परिवाद में आरोप लगाया कि करीब 10 महीने पहले आरोपियों ने उनके पति को खेत में बच्चों के कारोबार के लिए निर्माण कराने की सलाह दी थी। इसके बाद पति की करीब 40 लाख रुपए की जमा पूंजी निर्माण कार्य में लगवा दी गई। परिवार का आरोप है कि जमीन विवाद और लगातार चल रही मुकदमेबाजी के चलते सुरेश मानसिक तनाव में थे। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों और आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। दीपावली की रात घटना के बाद कार्यवाहक सीओ धर्म सिंह मीणा और कोतवाली थाना प्रभारी रामकिशन यादव पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे थे।

थाना प्रभारी रामकिशन यादव ने तत्काल रेस्क्यू की कार्रवाई शुरू करवाते हुए पुलिस जवानों के सहयोग से कुएं में फंसे तीनों लोगों को बाहर निकलवाने के प्रयासों का नेतृत्व किया। इस दौरान महिला सरोज को सुरक्षित बचाने में पुलिस को सफलता मिली। मंगलवार को भरतपुर से पहुंची फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस परिवाद, जमीन विवाद, न्यायालयीन प्रकरण और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की जांच कर रही है।

कोटा में पटाखों से झुलसे 200 लोग अस्पताल पहुंचे

कोटा, (निसं)। रोशनी के त्योहार दीपावली पर लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान पटाखे और दीयों से झुलसने की घटनाएं भी हुई। कोटा शहर में सरकारी और निजी अस्पतालों में झुलसने के 200 से ज्यादा मामले आए। मरीजों में कुछ के चेहरे पर बर्न व कुछ के हाथों में पटाखे फट गए। चिकित्सकों ने मरीजों का प्राथमिक उपचार व ड्रेसिंग की है जबकि दो मरीजों को गंभीर रूप से झुलसने पर अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसी प्रकार 50 से ज्यादा केस ऐसे भी आए हैं, जिनमें आंख के नजदीक पटाखा फटने पर आंख झुलस गई है या फिर कॉर्निया में प्रॉब्लम आई है।

- **मरीजों में कुछ के चेहरे पर बर्न व कुछ के हाथों में पटाखे फट गए थे**

मेडिकल कॉलेज कोटा में सर्जरी विभाग अध्यक्ष और सीनियर प्रोफेसर डॉ. नीरज देवेंदा ने बताया कि 70 मामले एमबीएस हॉस्पिटल में आए हैं। इनमें से कैथून निवासी 10 वर्षीय बच्चे को गंभीर हालत में भर्ती किया है। कपड़ों पर दीपक का गरम तेल गिरने से कमर और पैर के हिस्से झुलस गए थे। उसका बर्न यूनिट में इलाज चल रहा है। इसी प्रकार मेडिकल कॉलेज में आधा दर्जन के आसपास ही केस आए थे। डॉ. देवेंदा ने बताया कि एक अन्य 10 वर्षीय बालक के हाथ में बड़ा पटाखा चल गया था, जिससे उसका हाथ झुलस गया है। वह उंगलियों पर टूथपेस्ट लगाकर आया था, ऐसा नहीं करना चाहिए। मेडिकल कॉलेज में नेत्र रोग के विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉ. अशोक मीणा ने बताया कि 20 के आसपास केस आए हैं। इनमें 5 साल के छोटे बच्चों से लेकर 45 साल तक के लोग आए। 5 साल के बच्चे की आंख के नजदीक पटाखा फूट गया था। जिससे उसकी आंख के आसपास सूजन आ गई है और हल्का असर रोशनी पर भी हुआ है। एक अन्य मरीज आया था जिसके आंख के नजदीक पटाखा फूट गया था उसके नाक के ऊपर टांके भी लगे हैं और दोनों आंखों की रोशनी पर भी असर आया है। ऐसे ही अन्य दूसरे मरीज भी थे। हालांकि इन मरीजों को भर्ती करने की आवश्यकता नहीं हुई। इनमें से अधिकांश की आंखों में बारूद चला गया था, जिसे निकालने में थोड़ा समय लगेगा। उपचार के साथ ही यह सामान्य होंगे।

हिंडौन सिटी में झुलसी विवाहिता की मौत

हिंडौन सिटी, (निसं)। बरेड़ी का पुरा में सोमवार रात आग से झुलसी विवाहिता की मौत के मामले में उसके पिता ने दहेज हत्या की शिकायत दर्ज कराई है। महिला को जिला अस्पताल से रेफर किया गया था। नई मंडी थाना प्रभारी नरेश पोषवाल मंगलवार को मौके पर पहुंचे। करौली से आई एफएसएल टीम ने भी सबूत जुटाए।

- **पिता ने पति और ससुराल वालों पर बाइक मांगने का आरोप लगाया, शिकायत दर्ज कराई**

थाना प्रभारी ने बताया कि मृतका के पिता मुकेश योगी, निवासी भोंटवाड़ा, ने पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दी है। शिकायत के मुताबिक, मुकेश की बेटी नीलम की शादी मई 2023 में रामवीर पुत्र जगन्नाथ, निवासी बरेड़ी का पुरा, हिण्डौन सिटी से हुई थी। पिता का आरोप है कि शादी के करीब एक साल बाद ससुराल में नीलम को मारना-पीटना शुरू कर दिया गया। पिता ने आरोप लगाया कि ससुराल वाले नीलम से बाइक मांग रहे थे। आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह यह मांग पूरी नहीं कर सके। शिकायत के अनुसार, सोमवार रात करीब 9 बजे पिता की नीलम से वीडियो कॉल पर बात हुई थी। मंगलवार सुबह करीब 3 बजे नीलम के ससुराल के एक पड़ोसी ने पिता को उसकी जलने से मौत की सूचना दी। पिता का आरोप है कि ससुराल वालों ने अंतिम संस्कार भी कर दिया और उन्हें मौत की जानकारी नहीं दी। पिता ने कहा कि उनके नाथ समाज में मृत्यु के बाद अग्नि संस्कार के बजाय समाधि दी जाती है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। इस मामले की जांच डीएसपी करेंगे।

मंडी थाना और महू पुलिस चौकी का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस दौरान वहां लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उनका कहना था कि जब तक उन्हें न्याय नहीं मिलेगा, तब तक जाम नहीं हटाया जाएगा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मारपीट में युवक का कान काट खाया

जोधपुर, (कासं)। शहर के चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित रामनगर गेंवा के पास में एक युवक से कुछ लड़कों ने मारपीट की। मारपीट करने के साथ उसका एक कान आरोपी ने दांतों काट चबा दिया। पीड़ित इससे लहूलुहान हो गया। उसने चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने में कुछ नामजद युवकों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि लोडियाना विजय नगर अजमेर हाल रामनगर निवासी रामप्रसाद पुत्र मोहनलाल रैगर की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि रात को वह गेंवा रामनगर से निकल रहा था। तब सुजाराम, नारायणराम, मंगलाराम आदि ने उससे मारपीट की, साथ ही आरोपियों ने उसका एक कान

उदयपुर में सड़क, जल और बिजली व्यवस्था सुदृढ़ीकरण की दिशा में कई कार्य हुये

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में दिसंबर 2023 में प्रदेश में नई सरकार के गठन के बाद विकास और आधारभूत ढांचे को गति देने पर विशेष जोर रहा है। इसी क्रम में उदयपुर शहर में भी सड़क एवं यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई बड़े प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाया गया। दिसंबर 2023 से अक्टूबर 2026 तक की अवधि में शहर के व्यस्त मार्गों पर यातायात दबाव कम करने, कनेक्टिविटी बेहतर बनाने और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप सड़क नेटवर्क विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।



- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 18 अगस्त को उदयपुर के लिए 38 पीएम ई-बसों का शुभारम्भ किया**
- **शहर में यातायात को सुगम बनाने के लिए 136.89 करोड़ रूपए की लागत से उदयपुर की पहली एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य आगे बढ़ा**

शहर के व्यस्ततम मार्गों पर यातायात को सुगम बनाने के लिए 136.89 करोड़ रूपए की लागत से उदयपुर की पहली एलिवेटेड रोड का निर्माण कार्य इस अवधि में तेजी से आगे बढ़ा है। करीब 2.7 किलोमीटर लंबी यह एलिवेटेड रोड सिटी रेलवे स्टेशन से शुरू होकर उदियापोल, सूरजपोल, दिल्ली गेट और कलैक्ट्रेट चौराहा होते हुए कोर्ट चौराहा के आगे कलैक्टर निवास तक बनाई जा रही है। इस परियोजना की खासियत यह है कि कलैक्ट्री चौराहे के पास चिकित्सालय रोड की ओर जाने वाले वाहनों के लिए अलग निकास की सुविधा भी विकसित की जाएगी। इससे महाराणा भूपाल चिकित्सालय जाने वाली एंबुलेंस तथा मरीजों को शहर के व्यस्ततम चौराहों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से काफी राहत मिल सकेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गत 18 अगस्त को उदयपुर के लिए 38 पीएम ई-बसों का शुभारम्भ किया। अक्टूबर माह में 38 पीएम ई-बसों में 241368 शहरवासियों और पर्यटकों ने 205655 किमी यात्रा की। विदेशी पर्यटकों ने भी प्रधानमंत्रीजी की इस पहल का अभिनन्दन किया।

हाईवे और प्रमुख सड़कों का विस्तार-शहर से जुड़े प्रमुख मार्गों की क्षमता बढ़ाने के लिए प्रतापनगर से बलीचा के बीच 11.5 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे-8 के चौड़ीकरण का कार्य भी प्रमुखता से आगे बढ़ाया गया है। आहड़ नदी पर बने हाई लेवल ब्रिज के चौड़ीकरण के साथ भुवाणा-अंबेरी रोड और रानी रोड के सुदृढ़ीकरण पर भी विशेष बजट खर्च किया गया है।

बाईपास और लिंक रोड से घटा दबाव :- एकलिंगपुरा एनएच-8 बाईपास पर अंडरपास निर्माण तथा उदियापोल से चित्तौड़गढ़ रोड को जोड़ने वाली लिंक रोड के विकास से शहर के प्रमुख चौराहों पर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिली है। इन कार्यों से शहर के भीतर यातायात के वैकल्पिक मार्ग मजबूत हुए हैं।

स्मार्ट मोबिलिटी को भी बढ़ावा-उदयपुर को आधुनिक और स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने के लिए 272.32 करोड़ रूपए के नए विकास कार्य प्रस्तावित एवं संचालित किए जा रहे हैं। इनमें शहरी परिवहन, मोबिलिटी में सुधार तथा कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को मजबूत करने जैसे कार्य शामिल हैं। इस प्रकार सड़क सुदृढ़ीकरण, नए मार्गों के विकास, हाईवे विस्तार और स्मार्ट मोबिलिटी से जुड़े कार्यों ने उदयपुर के शहरी परिवहन तंत्र को नई दिशा दी है। आने वाले समय में इन परियोजनाओं के पूर्ण होने के साथ शहरवासियों को और अधिक सुगम, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिलने की उम्मीद है।

दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार बनने के साथ प्रदेश में बुनियादी सुविधाओं के दीर्घकालिक विस्तार पर जोर दिया गया। उदयपुर में इसका एक महत्वपूर्ण पक्ष जल और विद्युत जैसी मूलभूत जरूरतों को भविष्य की मांग के अनुरूप मजबूत करना रहा है। दिसंबर 2023 से अब तक शहर की जल सुरक्षा और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य आगे बढ़ाए गए हैं।

युवती को कार में बैठाकर ले जाने का आरोप, घर से जेवर भी गायब

अजमेर, (निसं)। जिले के भिनाय थाना क्षेत्र में एक युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने और घर से करीब छह लाख रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण गायब होने का मामला सामने आया है। युवती के परिजनों ने पड़ोस में रहने वाले एक युवक पर उसे अपने साथ ले जाने का आरोप लगाया है। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

- **पड़ोसी युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया**

पुलिस के अनुसार आठ नवंबर की सुबह परिजनों को युवती घर पर नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने घर में रखे सामान की जांच की तो सोने के टॉप्स, सोने की कंठी, चांदी की कनकती और पायजेब भी गायब मिले। इन आभूषणों की कुल कीमत करीब छह लाख रुपए बताई गई है। परिजनों ने युवती की आस-पास तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं लगा। इसी दौरान परिजनों को पता चला कि पड़ोस में रहने वाला एक युवक भी घर से गायब है। परिजनों ने पुलिस को दी रिपोर्ट में आरोप लगाया कि युवक रात करीब 3:30 बजे युवती को कार में बैठाकर ले गया। उसके साथ घर में रखे गहनों की थैली भी ले जाने का आरोप लगाया गया है। परिजनों का यह भी आरोप है कि जब उन्होंने युवक के परिवार से इस संबंध में जानकारी लेने का प्रयास किया तो उनके साथ गाली-गलौच की गई। इसके बाद नौ नवंबर को भिनाय थाने में लिखित शिकायत दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर युवती की तलाश और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है।

ड्यूटी पर तैनात जवानों के बीच पहुंचे एसपी

बूंदी, (निसं)। दीपावली के पर्व पर जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं जवानों के बीच पहुंचकर उनके साथ दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर कानून-व्यवस्था एवं आमजन की सुरक्षा में मुस्तैदी से तैनात जवानों को मिठाई के पैकेट भेंट कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर एसपी शर्मा ने पुलिस जवानों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि पुलिसकर्मी त्योहारों पर भी अपने कर्तव्यों को सर्वोपरि रखते हुए आमजन की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

कूलर स्क्रैप के बाड़े में अचानक आग लगी, हादसा टला

बीकानेर, (निसं)। यहां दीपावली के जश्न के बीच रानीसर बास में आगजनी की घटना से अफरा-तफरी मच गई। यहां कूलर स्क्रैप के एक बाड़े में अचानक आग लग गई। आग की लपटें दूर तक दिखाई देने लगी। इससे आसपास के क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पटाखों से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। क्षेत्र के लोगों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग की लपटें तेज होती चली गई। करीब सौ फीट ऊंचाई तक आग की लपटें नजर आई। आग लगने के बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए।

- **पटाखों की चिंगारी से हादसा होने की आशंका, कोई जनहानि नहीं**

सूचना मिलते ही नगर निगम की एक के बाद एक कुल चार दमकलें मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए प्रयास शुरू किए। आग की लपटें देखकर क्षेत्र के लोग दीपावली का जश्न बीच में छोड़कर मौके पर पहुंच गए। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। लोगों में आग को लेकर चिंता और अफरा-तफरी का माहौल रहा। आग से मौके पर पड़ा कूलर का अधिकांश स्क्रैप जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि इस समय किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। आग के आसपास के मकानों से लोग बाहर निकल आए। घटना की सूचना मिलने पर पार्षद विक्रम सिंह राजपुरोहित, अनूप गहलोत और अयूब कायमखानी भी मौके पर पहुंचे। दमकलकर्मियों ने मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह पटाखों की चिंगारी मानी जा रही है, हालांकि वास्तविक कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

महिला का मंगलसूत्र चोरी

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर में दिनदहाड़े अज्ञात चोर महिला के गले में पहना 2 तोला सोने का मंगलसूत्र चोरी कर फरार हो गए। रेबारीबास गांव निवासी महिला निर्मला पत्नी संजय मेघवाल ने पुलिस थाना राजगढ़ में रिपोर्ट दर्ज करवाने के लिए परिवाद दिया है। परिवाद के अनुसार निर्मला सात नवम्बर को घर से बाजार में घरेलू सामान खरीदने के लिए गई थी। करीब एक बजे वह पुरानी डीएसपी कोठी के कॉर्नर के पीछे वाले बिल्लू मॉल में गई। करीब दो बजे के लगभग सामान खरीदकर बाहर निकली तो उसने देखा कि उसके गले में पहना हुआ सोने का मंगलसूत्र, जिसका वजन करीब 2 तोला है।, कोई अज्ञात चोर मॉल के अन्दर उसके गले से तोड़कर ले गया।

दो युवक अपने घर की छतों से गिरे, दोनों की मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर में अलग-अलग स्थानों पर दो युवक अपने घरों की छत से गिर गए। अस्पताल में उपचार के बीच उनकी मौत हो गई। एक वृद्ध महिला ने खुद पर केरोसीन डाल कर आग लगा दी। उसकी भी मौत हो गई। जबकि एक युवक ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली।

बनाड़ पुलिस ने बताया कि गुजरावास खुर्द के रहने वाले श्यामलाल पुत्र नारायणराम प्रजापत ने मर्ग में रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि उसका चचेरा भाई गुजरावास खुर्द निवासी 36 वर्षीय भींयाराम पुत्र ओमाराम सात नवंबर को घर की छत से गिर गया था। पता लगने पर बाद में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। अब उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कार्रवाई उपरांत परिजन के सुपुर्द किया। इधर खाण्डा फलसा पुलिस ने बताया कि चांदणा भाखर देवी रोड के रहने वाले जालमपुरी पुत्र मूलपुरी ने रिपोर्ट दी कि उसका रिश्तेदार खतेनियो का तला, गिड़ा बालोतरा निवासी नारायणपुरी पुत्र रूपपुरी उम्मेद अस्पताल के पास में घर की छत से गिर गया। घायल होने पर अस्पताल ले जाया गया। मगर बाद में उसकी मौत हो गई।

इधर भगत की कोठी पुलिस ने बताया कि मधुबन हाउसिंग बोर्ड एरिया में रहने वाली 77 साल की एक वृद्धा ने 6 नवंबर को अपने गाउन पर केरोसीन उड़ेल लिया, फिर मोमबत्ती से खुद को आग लगा दी। वृद्धा के गंभीर रूप से घायल होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वृद्धा की अस्पताल में बाद में मौत हो गई। उसकी पुत्री ने मर्ग की रिपोर्ट दी। दूसरी तरफ बागड़ों की ढाणी कांकाणी निवासी सुरेश ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकु शी कर ली। परिजनों को पता लगने पर उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाया गया। मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। मृतक के भाई राजूराम ने मर्ग की रिपोर्ट दी।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बीएसएफ जवानों के साथ दीपावली का पर्व मनाया

बीकानेर, (निसं)। केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने हर साल की भाँति इस बार भी जिला मुख्यालय स्थित बीएसएफ हेडक्वार्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के साथ दीपावली का पर्व मनाया। इस अवसर

- **बीएसएफ अधिकारियों ने बुके भेंट कर केंद्रीय मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया**



बीकानेर में केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बीएसएफ जवानों को मिठाई खिलाई।

पर उन्होंने जवानों के साथ फुलझड़ियां जलाकर दीपोत्सव की खुशियां साझा कीं। वहीं, 'जोत से जोत जलाते चलो, प्रेम की गंगा बहाते चलो' गीत गाकर जवानों में उत्साह और उमंग का संचार किया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि बीएसएफ के जवान देश की सीमाओं की मुस्तैदी से सुरक्षा कर रहे हैं, तभी देशवासी शांति और सुरक्षित वातावरण में त्योहार मना पा रहे हैं। उन्होंने जवानों के समर्पण, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम की शुरुआत केंद्रीय मंत्री एवं बीएसएफ अधिकारियों व जवानों द्वारा पूजा-अर्चना के साथ हुई। इससे पूर्व बीएसएफ अधिकारियों ने बुके भेंट कर केंद्रीय मंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया। दीपावली के उल्लासपूर्ण माहौल में बीएसएफ के जवानों ने भी केंद्रीय मंत्री के साथ उत्साहपूर्वक पर्व मनाया। मेघवाल ने जवानों को लड्डू खिलाकर उनका मुंह मीठा करवाया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर कार्यवाहक डीआईजी नवीन मोहन शर्मा, कमांडेंट विक्रम कुंवर, द्वितीय कमान अधिकारी प्रकाश सुरीन सहित बीएसएफ के अधिकारी, जवान एवं उनके परिजन उपस्थित रहे। इनके अलावा डॉ. सत्य प्रकाश आचार्य, गुमान सिंह राजपुरोहित, एवं एडवोकेट अशोक प्रजापत भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंच संचालन डिप्टी कमांडेंट सातार खान ने किया।

पवन ऊर्जा संयंत्रों से केबल चोरी की वारदात का खुलासा, दो आरोपियों को पकड़ा

जैसलमेर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक अभिषेक शिवहरे के निर्देशन में मोहनगढ़ पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पवन ऊर्जा संयंत्रों से केबल चोरी की दो वारदातों का खुलासा कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ एवं अनुसंधान के बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। प्रकरण में जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार 7 नवंबर को सुजलोन कंपनी में चौकीदार के रूप में कार्यरत अलीशेर खां निवासी हड्डा ने पुलिस थाना मोहनगढ़ में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि अज्ञात चोरों ने 2 नवंबर को पवन ऊर्जा विद्युत संयंत्र संख्या केडी-84 तथा 6 नवंबर को संयंत्र संख्या केडी-33 से केबल काटकर चोरी कर ली। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

वारदात की गंभीरता को देखते हुए मोहनगढ़ थानाधिकारी गुमानसिंह भाटी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने आसूचना संकलित कर त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों वारदातों का खुलासा किया तथा दो आरोपियों को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। पुलिस ने प्रकाश बालोचा (31) पुत्र प्रहलाद राम, निवासी सोनू, थाना रामगढ़, अरुण (21) पुत्र खाखुराम, निवासी सोनू, थाना रामगढ़ को गिरफ्तार किया है।

कोटा का सक्रिय अपराधी बूंदी में गिरफ्तार

बूंदी, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए कोटा शहर के सक्रिय अपराधी सूरज वाल्मिकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध धारदार बटनदार चाकू और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक अवनीश कुमार शर्मा ने बताया कि दीपावली पर्व एवं पंचायतीराज चुनावों के मद्देनजर अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गश्त के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि कोटा का आदतन अपराधी सूरज वाल्मिकी बूंदी में किसी वारदात की फिराक में घूम रहा है। पुलिस टीम ने हाईवे रोड से दोलाड़ा कट, कुवारती मंडी रोड पर उसकी तलाशी ली। इस दौरान उसके कब्जे से अवैध बटनदार चाकू और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इनके संबंध में कोई वैध लाइसेंस नहीं होने पर पुलिस ने दोनों को जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सूरज पुत्र जगदीश वाल्मिकी (25), निवासी डीसीएम, इंदिरा गांधी नगर, हीरा किराना स्टोर के पास, थाना उद्योग नगर, कोटा शहर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी पूर्व में अवैध हथियार रखने और गंभीर मारपीट के मामलों में चालानशुदा है। उसके विरुद्ध 9 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

आतिशबाजी के दौरान 30 वर्षीय युवक व 11 वर्षीय बालक गंभीर घायल, जयपुर रैफर

कोटपूतली। क्षेत्र में दीपावली की रात जहाँ एक तरफ पूरा शहर दीपों की रोशनी और उत्सव के उल्लास में डूबा था, वहीं दूसरी तरफ आतिशबाजी की कुछ चिंगारियों ने दो परिवारों के चिरागों की जिंदगी में गहरा अंधेरा घोल दिया। पटाखों के फटने से हुए दो अलग-अलग दिल दहला देने वाले हादसों ने त्यौहार के रंग में भंग डाल दिया। इन हादसों में 30 वर्षिय युवक व 11 वर्षिय बालक गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें यहां के राजकीय बीडीएम जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जयपुर रैफर कर दिया गया।

हाथ में ही फट गया पटाखा, अंगूठा और अंगुली हुई अलग : पहला मामला पॉवर हाउस के पास कोटपूतली का है। यहाँ का रहने वाला 30 वर्षीय युवक विक्रम पुत्र उदयसिंह दीपावली की शाम आतिशबाजी कर रहा था। इसी दौरान एक पटाखा जलाते वक्त समय से पहले उसके हाथ में ही भीषण धमाके के साथ फट गया। धमाका इतना जोरदार था कि विक्रम के हाथ का अंगूठा और अंगुली कटकर हाथ से अलग हो गए। मौके पर मची चीख-पुकार के बाद लहूलुहान हालत में उसे तुरंत स्थानीय बीडीएम जिला अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे जयपुर रैफर कर दिया।



पटाखे जलाते समय 30 वर्षीय युवक व 11 वर्षीय बालक गंभीर रूप से घायल हो गया ।

- **कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास में 11 साल का मासूम बच्चा दुर्गेश पटाखे चला रहा था। तभी एक पटाखा दुर्गेश के हाथ में ही फट गया और वह बूरी तरह घायल हो गया**

11 साल के बच्चे का कलाई से नीचे का पूरा हाथ उड़ा : दूसरा दर्दनाक हादसा कस्बे के मौहल्ला बड़ाबास से सामने आया। यहाँ महज 11 साल का मासूम बच्चा दुर्गेश पुत्र जयकिशन घर के बाहर खुशियों के साथ पटाखे चला रहा था। तभी एक अनजाने और तीव्र धमाके वाले पटाखे ने कयामत ढा दी। पटाखा चलाते समय दुर्गेश के हाथ में ही फट गया। इस खौफनाक हादसे में बच्चे की कलाई से नीचे का पूरा हिस्सा (हथेली) बुरी तरह उड गया। मासूम की चीखें सुनकर दौडे परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई। बच्चे को तुरंत गंभीर और नाजुक अवस्था में यहां के जिला अस्पताल पहुँचाया गया, जहाँ से प्राथमिक चिकित्सा देकर उसे तुरंत जयपुर रैफर किया गया है। फिलहाल जयपुर में डॉक्टरों की विशेष टीम दोनों घायलों के उपचार में जुटी है।

इन दर्दनाक हादसों के बाद पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और त्यौहार की खुशियाँ मातम में बदल गई हैं। हर साल प्रशासन और डॉक्टरों द्वारा पटाखे जलाते समय बेहद सावधानी बरतने और बच्चों को बड़ों की निगरानी में ही आतिशबाजी कराने की सलाह दी जाती है, लेकिन जरा सी चूक ने यहाँ दो लोगों की जिंदगी को हमेशा के लिए प्रभावित कर दिया है। इस घटना ने एक बार फिर सभी को झकझोर कर रख दिया है कि पटाखों की थोड़ी सी लापरवाही कितनी जानलेवा और दर्दनाक साबित हो सकती है।

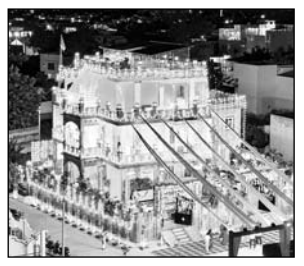
कानून व्यवस्था के लिए पुलिस ने फ्लेगमार्च निकाला

निवाई। दीपावली के त्योहार को सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाने एवं पंचायतराज के चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व निर्भीक संपन्न करवाने के लिए डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में पुलिस ने शहर में फ्लेगमार्च निकालकर लोगों को कानून व्यवस्था एवं आचार संहिता की पालना करने लिए प्रेरित किया। पुलिस फ्लेगमार्च गणगौरी बाजार से रवाना होते हुए चौहट्टी बाजार, सर्राफा मार्केट, बिलाला मार्केट, बडा बाजार, पटेल रोड, बस स्टेण्ड होते हुए अहिंसा सर्किल, आदित्य प्लाजा एवं प्रताप स्टेडियम होते हुए वापस पुलिस थाना पहुंचा। इस दौरान डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा ने लोगों को दीपावली के त्यौहारों को सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाने एवं पंचायतराज के चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष व निर्भीक संपन्न करवाने का आ ान किया। इस अवसर पर थानाधिकारी घासीराम मीणा, पुलिस उप निरीक्षक भारती मीणा व पुलिस सहायक उप निरीक्षक कमलेश गुर्जर सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद थे।

सार-समाचार

सांभर रंग-बिरंगी रोशनी व सजावट ने लोगों का दिल खुश किया

सांभरझील, (निसं)। धनतेरस और दीपावली पर समूचा नगर रोशनी और सजावट से सरोबार रहा। पृथ्वीराज सर्कल से और पुरानी धान मंडी तक सभी प्रमुख बाजार और घरों पर की गई निराले अंदाज में रोशनी व सजावट ने लोगों का दिल खुश कर दिया। यतिति जी की नसिया के नजदीक कायस्थ समाज के सचिव अखिलेश माथुर ने अपने आवास पर बाहर से बुलाए विशेष कलाकारों की ओर से मकान को दुल्हन की तरह सजवाया। रंग बिरंगी रोशनी से सजाए घर लोगों के लिए यहां की पहली पसंद बना। दुकानदारों और व्यापारियों ने भी दीपावली पर अपने प्रतिष्ठान को अधिक से अधिक सुंदर ढंग से सजाया।



जरूरतमंद परिवारों को बांटे जरूरी सामान

टोंक। पंचायत चुनावों के मद्देनजर कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं दीपावली पर्व पर सुरक्षा व्यवस्थाओं में पुलिसकर्मी जहां अपने कर्तव्यों के निर्वहन में जुटे हैं, वहीं टोंक पुलिस आमजन के साथ खुशियां बांटने और सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी निभा रही है। इसी क्रम में बरोनी थानाधिकारी जयमल सिंह के नेतृत्व में थाना बरोनी पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के सोयला, चिरोज, हथौना, पराना एवं जोला सहित विभिन्न गांवों में जरूरतमंद, गरीब एवं घुमंतू परिवारों के बीच मिठाई एवं पटाखों का वितरण किया गया। पुलिस टीम की इस पहल से दीपावली के पर्व पर जरूरतमंद परिवारों के चेहरों पर मुस्कान आई और उनके साथ खुशियां साझा करने का अवसर मिला।

भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक महापर्व मनाया

टोंक। जिला मुख्यालय स्थित दिगंबर जैन नसिया में सोमवार को भगवान महावीर के मोक्ष कल्याणक महापर्व को हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी के समक्ष निर्वाण कांड का उच्चारण करते हुए निर्वाण लड्डू अर्पित कर धर्म लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि मोक्ष कल्याणक महापर्व के पावन अवसर पर भगवान महावीर का विधि-विधानपूर्वक अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। बाद में भगवान महावीर स्वामी की विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य करते हुए भगवान के चरणों में भक्तिभावपूर्वक अर्घ्य समर्पित किए। पंडित प्रमोद कुमार शास्त्री द्वारा विधिवत निर्वाण कांड का वाचन किया गया, जिसके साथ ही श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर स्वामी के जयकारों के बीच निर्वाण लड्डू अर्पित कर मोक्ष कल्याणक महापर्व मनाया।

छप्पन भोग की झांकी सजाई

निवाई। इंदिरा कॉलोनी में स्थित श्री श्याम मंदिर में गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर धार्मिक उत्सव की धूम रही। श्री श्याम सेवा समिति के सानिध्य में अन्नकूट महोत्सव को लेकर बाबा श्याम का पूर्ण विधि-विधान से पंचामृत अभिषेक किया ग भगवान को छप्पन भोग अर्पित कर नयनाभिराम झांकी सजाई गई, जिसे देखने के लिए श्रद्धालु उमड पडे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव को लेकर मंदिर में विशेष भोग तैयार किया गया। बाबा श्याम को खीर, रामभाजा, मालपुए, बाजरा, पूरी व कढी का भोग लगाया गया।

हर्षोल्लास के साथ की महालक्ष्मी पूजा

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में दीपावली महापर्व को श्रद्धा पूर्वक व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपोत्सव के चलते हर आंगन में खुशी व उमंग का माहौल था। हर कोई बाजार से सामान लाने में व्यस्त था तो कोई लक्ष्मी पूजन की तैयारियों में व्यस्त था। सभी रंग बिरंगे परिधान पहनकर दीपावली पर्व पर उत्साह पूर्वक काम कर रहे थे। वहीं लोगों ने मोबाईल, व्हाटसप एवं फेसबुक द्वारा एक दूसरे को दिपावली की बधाईयां व शुभाकामना दे रहे थे। रविवार को शुभ मुहुर्त के अनुसार लोगों ने महालक्ष्मीजी की विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना कर सुख समृद्वि की कामना की। वहीं महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधानों में सजकर मंदिरों व घर-घर दीप दान किया। वही बच्चों एवं युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान पटाखों व आतिशबाजी के धमाकों से वातावरण गुंजायमान रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद सभी ने एक दूसरे के घर पहुंचकर दीपावली की शुभ कामनाएं एवं बधाईया दी। सोमवार को महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधानों में सजकर सोमवती माताजी की कहानी सुनी। मंगलवार को अन्नकूट महोत्सव पर मायला कुण्ड स्थित भोलेश्वर महादेव, दादू दयाल आश्रम, कुंज बिहारी आश्रम, श्याम मंदिर व श्री राधागोपीनाथ मंदिर सहित सभी मंदिरों में भगवान की मनमोहक झांकियां सजाई ।

पटाखे के बारूद में विस्फोट से 12 वर्षीय बच्चे की दोनों आंखें झुलसीं

चिकित्सकों के अनुसार 90 प्रतिशत तक बर्न, जयपुर रेफर; आर्थिक तंगी के चलते मां ने लगाई मदद की गुहार

अलवर। शहर के एनईबी थाना क्षेत्र स्थित एनईबी चार बटा में मंगलवार सुबह पटाखे के बारूद में अचानक विस्फोट होने से 12 वर्षीय बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी दोनों आंखें बुरी तरह झुलस गईं। चिकित्सकों के अनुसार आंखें करीब 90 प्रतिशत तक बर्न हुई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को जयपुर रेफर किया गया है, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मां उसे जयपुर ले जाने में असमर्थ है। ऐसे में परिजनों ने आमजन से मदद की गुहार लगाई है।

जानकारी के अनुसार बिहार के सुपौल जिले के रहने वाले संतोष यादव अलवर की प्याज मंडी में पल्लेदारी का काम करते हैं। वह अपने परिवार के साथ किराए के मकान में रहते हैं। उनका 12 वर्षीय बेटा दिलखुश यादव पांचवीं कक्षा में पढ़ता है। मंगलवार सुबह करीब 9 बजे दिलखुश पटाखे का बारूद निकालकर उससे खेल रहा था। इसी दौरान अचानक बारूद में विस्फोट हो गया और उसकी दोनों आंखें गंभीर रूप से झुलस गईं।

हादसे के बाद बच्चे की मां आसपास के लोगों की मदद से उसे राजीव गांधी सामान्य चिकित्सालय लेकर पहुंची। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया और हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया। आर्थिक तंगी बनी इलाज में बाधा परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मां के सामने बच्चे को जयपुर ले जाने और आगे के उपचार का खर्च उठाने की बड़ी चुनौती है। मां अपने बच्चे की आंखों की रोशनी बचाने के लिए मदद की आस लगाए हुए है। परिजनों और स्थानीय लोगों ने आमजन से आर्थिक सहयोग की अपील की है, ताकि बच्चे को बिना देरी के बेहतर उपचार मिल सके।

गंधक-पोटाश पीसते समय हुआ धमाका: 4 बच्चे हुए घायल, 1 जयपुर रेफर; शरीर में घुसे सिलबट्टे के टुकडे भरतपुर । हलैना थाना इलाके के मोलोनी गांव में गंधक-पोटाश पीसते समय अचानक धमाका हो गया। दोनों पदार्थों को एक साथ हिमामदस्ते में कूटते समय अचानक आग लग गई। इसकी चपेट में आकर चार बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। चारों बच्चे सिलबट्टे पर गंधक और पोटाश पीस रहे थे। धमाका इतना तेज था कि सिलबट्टे के छोटे-छोटे टुकडे हो गए, जो बच्चों के शरीर में घुस गए। उनके नाक, आंख, मुंह और चेहरा झुलस गया। एक बच्चे को जयपुर के हॉस्पिटल रेफर किया गया है, जबकि तीन का भरतपुर में इलाज चल रहा है। पोटाश मिलाते ही हुआ जोरदार धमाका

मोलोनी गांव में बच्चे मौजूद थे जहां गंधक-पोटाश के मिश्रण के कारण अचानक जोरदार धमाका हो गया। इस धमाके में चारों बच्चे घायल हो गए। अस्पताल में इलाज जारी घायल बच्चों में गिरधर को जयपुर के हॉस्पिटल रेफर किया गया है। वहीं, पंकज, मोहित और चिराग का भरतपुर में इलाज चल रहा है। चारों की हालत पर नजर रखी जा रही है।

एसपी ने त्योहार पर ड्यूटी कर पुलिसकर्मियों के बीच मनाई दीपावली

टोंक। रविवार देर रात्रि को जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीणा शहर की सुरक्षा व्यवस्था देखने निकले। इस दौरान उन्होंने बाजारों और दूसरे इलाकों में ड्यूटी कर रहे पुलिस जवानों से मुलाकात की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने जवानों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और अपने हाथों से मिठाई खिलाई। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश त्योहार मना रहा होता है, तब पुलिस जवान अपनी ड्यूटी निभाते हैं। इस मौके पर मीणा ने कहा कि दीपावली खुशियों और आपसी प्रेम का त्योहार है, जब पूरा देश इस पर्व को मना रहा होता है, तब पुलिस जवान अपनी ड्यूटी पूरी मेहनत से निभाते हैं। इसी वजह से उन्होंने जवानों के बीच पहुंचकर उनके साथ दीपावली मनाने का फैसला किया। उन्होंने परिवार के सदस्य की तरह जवानों को मिठाई खिलाई और उनका हौसला बढ़ाया। उन्होने ने शहरवासियों से दीपावली का त्योहार शांति, आपसी मेलजोल और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने आमजन से कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने को भी कहा। इस दौरान एडीशनल एसपी रतनलाल भार्गव, टोंक वृताधिकारी मृत्युंजय मिश्रा, शहर कोतवाल भंवरलाल वैष्णव सहित पुलिस जवान मौजूद रहे।

विधवा महिलाओं को आर्थिक सहायता दी

निवाई। मानव सेवा समिति के तत्वावधान में पुराना बडौदा बैंक, सब्जी मंडी परिसर में सामाजिक सरोकार के तहत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र की 85 वृद्ध, असहाय व विधवा महिलाओं को प्रति महिला 100 रुपये के हिसाब से कुल 8 हजार 500 रुपये की नकद आर्थिक सहायता राशि वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान मानव सेवा समिति के अध्यक्ष बाबूलाल गिन्दोडी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि विधवा व असहाय लोगों की सेवा करना ही सबसे बडी मानव सेवा है। उन्होंने कहा कि समाज के प्रयेक सक्षम व्यक्ति को मानव कल्याण के इस पुनीत कार्य में आगे आकर निरंतर अपनी सेवा देते रहना चाहिए। इस अवसर पर समिति के शंकर घाटा व नरेशकुमार बुकसेलर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

निवाई में कचरा व सीवेज वेस्ट डालने से ग्रामीणों में रोष

- **एसडीएम गंभीर सिंह व तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर कचरा व सीवेज नहीं डालने की माँग की**

निवाई। ग्राम पंचायत गुड्डा आनंदपुरा के छोटी बरथल, बड़ी बरथल व चकविजयपुरा में नगर पालिका प्रशासन द्वारा डाले जा रहे कचरे एवं सीवेज वेस्ट को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जिसको लेकर ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर टीना डाबी, उपखंड अधिकारी गंभीर सिंह व तहसीलदार सृष्टि जैन को ज्ञापन सौंपकर कचरा व सीवेज नहीं डालने की माँग की है। ग्रामीणों ने बताया कि नगर पालिका द्वारा गाँव के समीप कचरा संग्रहण केंद्र बनाकर शहर का पूरा कचरा व सीवेज का दूषित वेस्ट डाला जा रहा है, जिससे पूरे क्षेत्र का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित कचरा संठाहण केंद्र वन विभाग की संरक्षित भूमि, चरागाह भूमि एवं ग्रामीणों की उपजाऊ कृषि भूमि पर स्थित है। खुले में कचरा व सीवेज डालने से पूरे क्षेत्र में असहनीय दुर्गंध एवं भयंकर प्रदूषण फैल रहा है, जिससे गोवंश सहित अन्य मवेशियों में गंभीर व प्राणाघातक बीमारियाँ फैलने का अंदेशा बना हुआ है। ज्ञापन में सुप्रीम कोर्ट के फैसलों व नेशनल ठाीन ट्रिब्यूनल के नियमों का हवाला देते हुए इसे पर्यावरण संरक्षण नियमों एवं मौलिक अधिकारों का उल्लंघन बताया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस कचरा संग्रहण केंद्र को आबादी, चरागाह व कृषि भूमि से दूर स्थानांतरित नहीं किया गया, तो उन्हें मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा, जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। ज्ञापन देने वालों में हनुमान योगी गुड्डा, रामेश्वर मीणा, लालचंद मीणा, रामजीलाल नाथ, पूरणमल बैरवा, ब्रह्मानंद मीणा, रामलाल मीणा, राजाराम मीणा, धर्मराज मीणा, श्रीराम मीणा, रामेश्वर मीणा, अक्षय मीणा, किशन जाट, मन्नालाल गुर्जर, सीताराम गुर्जर, गोपीचन्द मीणा, पप्पूलाल मीणा, रामभजन गुर्जर, किशन जाट, पूरण बैरवा, सीताराम फोजी, कमल मीणा व रामप्रसाद मीणा सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

हार्ट अटैक मरीज को चुनाव ड्यूटी में दोबारा अटैक आया

टोंक। जलदाय विभाग में कार्यरत हार्ट के मरीज की चुनाव में ड्यूटी नहीं लगाने की मांग के बावजूद भी उसकी ड्यूटी लगाई गई। वहीं ड्यूटी के दौरान कर्मचारी को दूसरी बार अटेक आ जाने से उसको जयपुर रेफर किया गया है, जिसके बाद बवाल मच गया। जिसके बाद प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन ने जिला निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही किए जाने एवं एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की है। जिला निर्वाचन अधिकारी टोंक को प्रान्तीय नल मजदूर यूनियन (इन्टक) के प्रदेश संरक्षक राजेश कुमार चौहान ने एक ज्ञापन सौंपकर बीमार और गंभीर बीमारी से पीड़ित कर्माचरियों की चुनाव ड्यूटी लगाने संबंधी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। यूनियन का कहना है कि जलदाय विभाग के कर्मचारी मोहम्मद लुकमान के हार्ट अटैक का मरीज होने के बावजूद उसकी चुनाव ड्यूटी लगा दी गई, जब की उसकी चुनाव ड्यूटी हटाने के लिए बार-बार प्रयास के बाद भी जबरन ड्यूटी लगा दी गई। जिसके चलते चुनाव ड्यूटी के दौरान ही लुकमान को दोबारा अटैक आ गया जिसको अब गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था।

वह अब जयपुर में भर्ती हैं। यूनियन प्रदेशाध्यक्ष का आरोप है कि इसके बावजूद जानबूझकर ड्यूटी से मुक्त नहीं किया गया और चुनाव ड्यूटी लगा दी गई। चुनाव ड्यूटी के दौरान ही लुकमान को अटैक आ गया।

खोया पाया

राजस्थान आवासन मण्डल मालवीय नगर जयपुर, मकान नम्बर 10/871, शारदा प्रसाद राय के नाम से जारी अदैय प्रमाणपत्र न.413/4/9/2091 कहीं खो गया है मिलने पर सूचित करें- सुभाष महेश्वरी- 9466725195

नाम परिवर्तन

मैं, बसंती, पत्नी श्री कैलाश चंद बोहरा, निवासी 49, सेन कॉलोनी, प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर, एतद्द्वारा घोषणा करती हूँ कि मैंने अपना नाम बसंती से बदलकर बसंती देवी कर लिया है तथा भविष्य में सभी प्रयोजनों एवं दस्तावेजों में मुझे बसंती देवी के नाम से जाना एवं पहचाना जाएगा।

मैं, गौरव, पुत्र श्री कैलाश चंद बोहरा, निवासी 49, सेन कॉलोनी, प्रेम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर, एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम गौरव से बदलकर गौरव बोहरा कर लिया है तथा भविष्य में सभी प्रयोजनों एवं दस्तावेजों में मुझे गौरव बोहरा के नाम से जाना एवं पहचाना जाएगा।

मैं, भरत कुमार (पुत्र ओमप्रकाश), निवासी फ्लैट नं. B310, तीसरी मंजिल, उन्नित विहार, लोहामंडी रोड, हरमाड़ा, जयपुर, राजस्थान, ने भविष्य के सभी कार्यों के लिए अपना नाम भरत कुमार ओ (BHARATH KUMAR O) से बदलकर भरत कुमार (BHARATH KUMAR) कर लिया है। भविष्य में मुझे भरत कुमार के नाम से जाना जाएगा जरिये शपथपत्र 10.11.2026, नोटरी पब्लिक, जयपुर

मैंने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम यतीश कुमारसे बदलकर यतीश शर्मा रख लिया है। निवासी-25-B, बैनाड़ रोड, रमेश विहार, श्याम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर

भामाशाह ने पेश की सेवा की मिसाल, दो मोक्षधामों के द्वार पर लगवाएंगे ग्रेनाइट



फुलेरा शहर के मोक्षधाम द्वार पर पूर्व पार्षद अनिल शर्मा (टीटू) ने ग्रेनाइट लगवाने की घोषणा की ।

- **करीब 3.25 लाख रुपए की लागत से 1400 वर्गफीट ग्रेनाइट लगाने की दी सहमति, पूर्व में भी मोक्षधाम व मंदिरों में करवा चुके हैं जनसेवा के कार्य**

फुलेरा। शहर के हलवाई बाजार निवासी 98 वर्षीय वरिष्ठ समाजसेविका बैकुंठी देवी गुप्ता के अंतिम संस्कार में शहर के पालिकाध्यक्ष राजू दाधीच, पूर्व पालिकाध्यक्ष मनोज आहुजा, वरिष्ठ व्यापारी केपी गगरानी सहित कई पार्षद, पूर्व पार्षद, गणमान्य नागरिक एवं व्यापारी बंधु शामिल हुए। इस दौरान मोक्षधाम में चर्चा के दौरान प्रतिष्ठित लोगों की ओर से पूर्व पार्षद, कुशल मार्बल व्यवसायी एवं भामाशाह अनिल शर्मा (टीटू) से मोक्षधाम के मुख्य द्वार पर ग्रेनाइट लगवाने का आग्रह किया गया। इस पर अनिल शर्मा (टीटू) ने सहर्ष सहमति देते हुए शहर के मोक्षधाम के साथ-साथ बलाई समाज मोक्षधाम के मुख्य द्वार पर भी ग्रेनाइट लगवाने की घोषणा की। दोनों स्थानों पर कुल करीब 1400 वर्गफीट ग्रेनाइट लगाया जाएगा, जिस पर मजदूरी सहित लगभग 3.25 लाख रुपए खर्च होने का अनुमान है। इस पुनीत पहल पर अंतिम संस्कार में मौजूद प्रबुद्धजनों ने अनिल शर्मा (टीटू) की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मोक्षधाम का विकास केवल निर्माण कार्य नहीं, बल्कि अंतिम यात्रा को गरिमापूर्ण बनाने का प्रयास है। शहर के मोक्षधाम एवं मुक्तिधाम स्वच्छ, सुंदर और हरित होने चाहिए, ताकि अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों को भी सुविधा और शांति मिल सके। अनिल शर्मा (टीटू) इससे पूर्व भी मोक्षधाम में नारियल तोड़ने की मशीन एवं वाटर कूलर लगवा चुके हैं। इसके अलावा शहर के कई मंदिरों में स्वैच्छिक रूप से ठोनाइट लगवाने में सहयोग किया है। वहीं श्री रेलवे रामलीला एवं सांस्कृतिक समिति को भी रामलीला मंच के फर्श पर ग्रेनाइट लगवाने की घोषणा कर चुके हैं।

अनिल शर्मा (टीटू) किशनगढ़ में मार्बल व्यवसाय से जुड़े हैं तथा दो बार नगर पालिका पार्षद रह चुके हैं। सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी शहर में सेवा और सहयोग की भावना को प्रोत्साहित कर रही है।

नगर परिषद के जनप्रतिनिधियों का सम्मान

टोंक। जिला मुख्यालय स्थित ब्रह्माकुमारी विश्वविद्यालय के राजयोग भवन में नगर परिषद सभापति व सदस्यों के साथ स्नेह-मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की 90 वर्षों की गौरवशाली आध्यात्मिक यात्रा पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। समारोह में सभापति मयंक गोयल सहित पक्ष एवं विपक्ष के पार्षदगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों एवं पार्षदों का तिलक लगाकर तथा माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इसके पश्चात शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया तथा ईश्वरीय सौगात के साथ परमात्म स्मृति में तैयार प्रभु प्रसाद भेंट किया गया। सभी अतिथियों ने राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से कुछ समय गहन शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आत्मिक शांति का अनुभव किया। पूरे परिसर में आध्यात्मिक वातावरण एवं आपसी स्नेह की अनुभूति देखने को मिली। इस अवसर पर सभापति मयंक गोयल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान देश-विदेश में मानव कल्याण, नैतिक मूल्यों एवं आध्यात्मिक जागृति के लिए सराहनीय कार्य कर रहा है। यहां आकर राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से मन को अद्भुत शांति का अनुभव हुआ। उन्होंने कहा कि मेडिटेशन प्रत्येक व्यक्ति के जीवन का हिस्सा होना चाहिए।

कृषि उपज मंडी में आज से पुनः व्यापार शुरू

निवाई। कृषि उपज मंडी में दीपावली महापर्व के उपलक्ष्य में छह दिवसीय अवकाश की समाप्ति के बाद कार्तिक शुक्ल द्वितीया भाई दूज के पावन पर्व पर बुधवार से मंडी परिसर में जिंसों की खरीद-फरोख्त का कार्य विधिवत रूप से पुनः शुरू किया जाएगा। व्यापार मंडल के ताराचन्द बोहरा, दीपक गुप्ता एवं राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि दीपावली पर्व को लेकर कृषि उपज मंडी में 5 से लेकर 10 नवंबर तक अवकाश घोषित किया गया था। 6 दिवसीय अवकाश के दौरान मंडी में सभी प्रकार की जिंसों की नीलामी व व्यापारिक लेन-देन पूरी तरह स्थगित रही, जिससे व्यापारी व श्रमिक अपने परिवारों के साथ दीपोत्सव का आनंद ले सके। उन्होंने बताया कि मंडी परिसर स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर में बुधवार को सुबह 10:41 बजे शुभ मुहूर्त में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान लक्ष्मीनारायण की विधि-विधान से पूजा कर सुख, समृद्धि व उत्तम व्यापार की मंगल कामना की जाएगी।

निवाई पुरानी तहसील कार्यालय में आग लगी

निवाई। कस्बे में स्थित पुरानी तहसील कार्यालय में सोमवार की रात करीब 8:30 बजे अचानक किन्ही कारणों से भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिसकी चपेट में राजस्व रिकॉर्ड जलकर राख हो गया। सोमवार रात करीब 8:46 बजे जब आसपास के नागरिकों ने भवन की खिडकियों से धुआं व लपटें उठती देखी तो उन्होंने तत्काल फायर स्टेशन पर फोन से घटना की सूचना दी। सूचना पर अग्निशमन केंद्र से फायरमैन अजय यादव, सुरेश मीणा व चालक महावीर यादव तत्परता दिखाते हुए दमकल के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हुए। तहसील कार्यालय तक जाने वाले रास्ते संकरे व तंग होने के कारण भारी अग्निशमन वाहन को अवरोध का सामना करना पडा और वह मौके तक नहीं पहुंचा। स्थिति की नजाकत को देखते हुए फायरमैन अजय यादव पैदल ही घटनास्थल पर पहुंचे। तो वहां राजस्व रिकॉर्ड रूम में भीषण आग लगी हुई थी और दस्तावेज जल रहे थे। फायरमैन अजय यादव, सुरेश मीणा व चालक महावीर यादव ने तुरंत प्रभाव से लंबी हौज पाइप को संकरी गलियों से होते हुए फैलाया और कड़ी मशक्कत के बाद पानी की बौछारें शुरू कर आग पर नियंत्रण पाने का प्रयास किया। काफी प्रयासों के बाद प्राथमिक तौर पर आग की लपटों को दबाया गया, लेकिन रिकॉर्ड व कागजातों के मलबे से सुलगती चिंगारियों के कारण आग के दोबारा भडक़ने का खतरा बना हुआ था। जिसको देखते हुए नियंत्रण कक्ष निवाई व टोंक से दो और अग्निशमन वाहन मंगवाया गया।



नगर निगम जयपुर

(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

क्रमांकःएफ-6()उपा.राज.-द्वितीय (सा.प्र.)/ननिज./2026/1020 दिनांक-6/11/26

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में ट्रक स्टेण्ड, जयपुर में स्थित दुकान संख्या 44, ट्रक स्टेण्ड, जयपुर का आवंटन / पट्टा मैसर्स मोर्डन टायर रिईडिंग एण्ड वुलकेजाईनिंग वर्क्स के नाम से जारी किया गया था।

अब उक्त दुकान संख्या 44, ट्रक स्टेण्ड, जयपुर क्षेत्रफल 41.82 वर्गमीटर का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा का विभिन्न पंजीकृत /अपंजीकृत श्रृंखलाबद्ध एवं शपथ पत्र आदि दस्तावेजों के आधार पर उक्त दुकान का लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा श्री शिवचरण लाल गुप्ता पुत्र श्री जमना लाल निवासी ए-23-24, ज्योति नगर, हिण्डौन, करौली दूरभाष नं. 9414401342 द्वारा चाहा गया है।

अतः उक्त दुकान संख्या 44, ट्रक स्टेण्ड, जयपुर क्षेत्रफल 41.82 वर्गमीटर का पत्रावली पुनर्गठन उपरान्त लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा श्री शिवचरण लाल गुप्ता पुत्र श्री जमना लाल निवासी ए-23-24, ज्योति नगर, हिण्डौन, करौली के पक्ष में किये जाने बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी अथवा अन्य हितसम्बद्ध व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालयः उपायुक्त, राजस्व द्वितीय, कक्ष सं. 227 प्रथम तल, नगर निगम जयपुर मुख्यालय, लाल कोठी जयपुर में प्रस्तुत करें अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद नियमानुसार उक्त दुकान का पत्रावली पुनर्गठन उपरान्त लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टा जारी किये जाने की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व द्वितीय) नगर निगम जयपुर

महंत बालकनाथ ने दीपावली व गोवर्धन पर्व पर ग्रामीणों के बीच पहुंचकर त्योहार मनाया

अलवर। तिजारा विधायक महंत बालकनाथ योगी का जनसंपर्क व लगातार जन सुनवाई लोगों के बीच चर्चा बनने लगी है। वे हर माह निर्धारित समय पर जनसुनवाई कर आमजन से मिलते हैं और उनकी समस्याएं सुनते हैं। अब दीपावली और गोवर्धन पर्व के अवसर पर उन्होंने एक बार फिर गांवों का रुख कर ग्रामीणों के बीच पहुंचकर त्योहारों की खुशियां साझा कीं।



तिजारा विधायक महंत बालकनाथ का ग्रामीणों ने स्वागत सम्मान किया।

विधायक बालकनाथ योगी ने तिजारा विधानसभा क्षेत्र के करीब 20 गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों से दीपावली और गोवर्धन पर्व की राम-राम की। इस दौरान उन्होंने नौगावां गौशाला, पावटी, रंभाना, नानगहेडी, चावण्डी, जगमलहेड्डी, भामड़ाका, खिदरपुर और गोतोली सहित विभिन्न गांवों में जनसंपर्क किया। अलग-अलग ग्राम सभाओं में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान बुजुर्गों का आशीर्वाद लिया और महिलाओं सहित गांव के लोगों से आत्मीय संवाद किया।

बालकनाथ योगी की ओर से नियमित जनसुनवाई के जरिए लोगों को अपनी बात सीधे विधायक तक पहुंचाने का अवसर दिया जाता है। जनसुनवाई में क्षेत्रवासी अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याएं लेकर पहुंचते हैं। वहीं गांवों के दौरों के दौरान स्थानीय जरूरतों, विकास कार्यों और जनसमस्याओं को समझने का अवसर मिलता है। जनप्रतिनिधि की इस तरह की सक्रियता से जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का रास्ता बना रहता है। त्योहारों के अवसर पर गांवों में पहुंचना भी इसी जनसंपर्क का हिस्सा माना जा रहा है।

ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि दीपावली और गोवर्धन जैसे त्योहार समाज में आपसी प्रेम, सहयोग और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने का संदेश देते हैं। इन पर्वों का वास्तविक उद्देश्य खुशियां बांटना और एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जाति और पंथ से ऊपर उठकर सभी वर्गों के हित में काम करने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने ग्रामीणों से आगामी पंचायत चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि गांवों में भाजपा की

- **दीपावली-गोवर्धन पर करीब 20 गांवों में पहुंचे तिजारा विधायक बालकनाथ योगी, ग्रामीणों से की राम-राम; पंचायत चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन की अपील**

सरकार बनने से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में संचालित ग्रामीण विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों को आगे बढ़ाने में ग्रामीणों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है।

विधायक ने बताया कि उनका जनसंपर्क अभियान आगे भी जारी रहेगा। 11 नवंबर को वे तिजारा विधानसभा क्षेत्र के कमालपुर, लाड़मका, मिरचूनी और भुसारी सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

दीपावली पर्व पर दुकान के ऊपर बने स्टोर में लगी भीषण आग

भरतपुर। भरतपुर में दीपावली के पावन त्यौहार पर देर रात्रि को कोतवाली थाना क्षेत्र में दुकान के ऊपर बने हुए स्टोर में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई आग

- **दमकल की तीन गाड़ियों ने आग पर काबू पाया**

लगने की सूचना पर नगर निगम की फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंची तीन गाड़ियों ने 6 चक्कर लगाकर आग पर काबू पाया। फायरमेन नीरज कुंतल ने बताया कि देर रात्रि को कंट्रोल रूम के जरिए सूचना मिली कि कोतवाली थाना अंतर्गत के पास स्थित न्यू पूजा इलेक्ट्रिकल की दुकान है और उसके ऊपर की स्टोर में आग लग गई है यह सूचना पर मौके पर पहुंचे दुकान के अंदर कबाड़ सहित अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान रखे हुए थे जिसमें शॉर्ट सर्किट से आग लगना बताया तत्काल मौके पर पहुंचकर ऊपर जाने का रास्ता नहीं था तो दीवार में होल किए गए सरियाओं से और उसके बाद उसमें पानी का पाइप अंदर डालकर आग को बुझाने का कार्य किया गया। दुकान डबल स्टोर की थी इसलिए बहुत परेशानी हुई आग को बुझाने में इस दौरान नगर निगम की पूरी फायर टीम मौके पर पहुंची हुई थी।

दीपावली पर्व पर घर-घर जगमगाए दीप, आतिशबाजी

पावटा। क्षेत्र में रोशनी, उल्लास और उत्साह का महापर्व दीपावली परंपरागत श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। दीपोत्सव को लेकर सुबह से ही लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। घरों, प्रतिष्ठानों और बाजारों को आकर्षक रोशनी, रंग-बिरंगी झालरों एवं दीपों से सजाया गया। शाम होते ही पूरा क्षेत्र दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और चारों ओर दीपावली की रौनक नजर आने लगी।

- **खुशियों के बीच धूमधाम से मनाया रोशनी का त्योहार**
- **बाजारों से लेकर घरों तक दिखा दीपोत्सव का उल्लास, लक्ष्मी-गणेश की पूजा कर परिवारों ने सुख-समृद्धि की कामना की**
- **गोवर्धन पूजा पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, अन्नकूट प्रसादी का वितरण**

दीपावली के अवसर पर लोगों ने अपने घरों की साफ-सफाई कर आकर्षक रंगोली बनाई तथा मुख्य द्वार पर दीपक जलाकर मां लक्ष्मी के स्वागत की तैयारियां कीं। शुभ मुहूर्त में परिवारों ने विधि-विधान से भगवान गणेश एवं मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, खुशहाली और परिवार की उन्नित की कामना की। पूजा के बाद लोगों ने एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

त्योहार को लेकर बाजारों में भी विशेष रौनक देखने को मिली। मिठाई, सजावटी सामान, पूजा सामग्री, दीपक, मोमबत्ती और इलेक्ट्रॉनिक झालरों की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बनी रही। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी में त्योहार को लेकर उत्साह दिखाई दिया। बाजारों में खरीदारी के साथ ही लोगों ने अपने परिचितों, रिश्तेदारों और मित्रों के घर पहुंचकर दीपावली की बधाइयां दीं। रात्रि के समय आतिशबाजी और पटाखों की गूंज से आसमान रोशन हो उठा। बच्चों ने उत्साह के साथ फुलझड़ियां और अनार जलाकर पर्व का आनंद लिया। वहीं युवाओं और परिवारों ने एक साथ दीपावली मनाकर खुशियों के पल साझा किए। सोशल मीडिया पर भी शुभकामना संदेशों और दीपावली की तस्वीरों का सिलसिला चलता रहा। क्षेत्र में कई स्थानों पर घरों के बाहर आकर्षक विद्युत सजावट की गई, जिससे गलियां और मोहल्ले रोशनी से सराबोर नजर आए। लोगों ने जरूरतमंदों को मिठाई एवं उपहार वितरित कर पर्व की खुशियां साझा कीं।

दीपावली का पर्व एक बार फिर आपसी प्रेम, भाईचारे, सद्भाव और सामाजिक एकता का संदेश दे गया। दीपों की जगमगाहट के बीच लोगों ने बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत के इस पावन पर्व को पूरे उत्साह और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। वही क्षेत्र में गोवर्धन पूजा का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर बाबा भरतदास बगीची टोरडा धाम, पावटा प्राचीन मंदिर गोपाल भैया मंदिर, बाबा भूतनाथ जोहड़ा धाम मंदिर, लक्ष्मी नारायण नरसिंह मंदिर, मुरलीधर मंदिर, केशव सागर धर्मशाला ठाकुर जी का मंदिर, सीताराम मंदिर, राठी वाला मंदिर, मोदी मंदिर, श्याम मंदिर, विभिन्न मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना के बाद अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। भगवान को 56 पकवानों का भोग लगाकर श्रद्धालुओं को अन्नकूट प्रसादी वितरित की गई। प्रसादी ठाहण करने के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। पूरे क्षेत्र में धार्मिक माहौल और भक्ति की छटा देखने को मिली।

भगवान महावीर का मोक्ष कल्याणक मनाया

अलवर। जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का मोक्ष कल्याणक 9 नवंबर को शहरभर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अलवर के विभिन्न जैन मंदिरों में विशेष धार्मिक आयोजन हुए। मंदिरों को आकर्षक रोशनी से सजाया गया तथा सुबह से ही श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। जैन धर्मावलंबियों ने भगवान महावीर की पूजा-अर्चना कर निर्वाण लाडू अर्पित किया। स्कीम नंबर 10 स्थित जैन मंदिर में मुनि सौम्य सागर महाराज ससंघ के सान्निध्य में मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं नित्य नियम पूजन के बाद भगवान महावीर के चरणों में निर्वाण लाडू चढ़ाया गया। इसी प्रकार जयपुर रोड स्थित अहिंसा स्थल दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान मुनि अभिनंदन सागर महाराज तथा शिवाजी पार्क स्थित श्री संभव नाथ दिगंबर जैन मंदिर में विराजमान मुनि सुभद्र सागर महाराज के सान्निध्य में भी धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। यहां भी श्रद्धालुओं ने भगवान महावीर की आराधना कर निर्वाण लाडू अर्पित किया। इस अवसर पर जैन भवन में आयोजित धर्मसभा में मुनि सौम्य सागर महाराज ने भगवान महावीर के जन्म कल्याणक से लेकर मोक्ष कल्याणक तक के प्रसंगों पर प्रकाश डाला।

जगन्नाथपुरी सांगानेर में श्रद्धा के साथ गोवर्धन पूजा की



गोवर्धन पूजा के साथ अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन किया ।

जयपुर। सांगानेर स्थित जगन्नाथपुरी, काली का खाना में गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर अन्नकूट महाप्रसादी का आयोजन किया गया।इस अवसर पर महिलाओं ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार गोवर्धन भगवान की पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा कर गोवर्धन भगवान को भोग अर्पित किया।जगन्नाथपुरी काली का खाना विकास समिति के अध्यक्ष अक्षय यादव ने बताया कि गोवर्धन पूजा हमारी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है। ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता की भावना मजबूत होती है।कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर

- **गोवर्धन पूजा धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का महत्वपूर्ण पर्व है**

अन्नकूट महाप्रसादी ठाहण की। पूरे मंदिर परिसर में भक्तिमय वातावरण रहा।इस दौरान कोषाध्यक्ष रामावतार शर्मा श्याम बाबू यादव विष्णु यादव रमेश चंद कुमावत रतन सिंह राजावत पवन अठावाल नकुल छीपा अशोक शर्मा गणेश कुमावत राजेन्द्र छीपा विष्णु गोठरवाल बिट्टू कुमावत किशोरी लाल शर्मा सुनीता यादव अंजली यादव लक्ष्मी शर्मा हेमलता यादव सुशीला कुमावत हँसा देवी सोनिका छीपा सहित बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

निर्माण लाडू चढ़ाया

निवाई। सकल दिगम्बर चढ़ाया निर्वाण जैन समाज के तत्वावधान में भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें कुन्दन मल, तेजपाल जैन, दीपक जैन, संजय जैन, आदित्य, आदिश एवं अनय कठमाणा परिवार ने भगवान महावीर के निर्वाण लाडू चढ़ाया। चातुर्मास कमेटी के मीडिया प्रभारी सुनील भाणजा व विमल जौला ने बताया कि आचार्य सुन्दर सागर महाराज संघ के सानिध्य में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण कल्याणक महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

श्रद्धा व भक्ति के साथ हुआ पिच्छिका परिवर्तन समारोह

अलवर। शहर के स्कीम नंबर 10 स्थित जैन मंदिर में चातुर्मास पर विराजमान मुनि सौम्य सागर महाराज एवं मुनि निश्चल सागर महाराज का पिच्छिका परिवर्तन समारोह भव्यता के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिवाजी पार्क स्थित श्री संभव नाथ दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास कर रहे मुनि सुभद्र सागर महाराज का भी सान्निध्य प्राप्त हुआ।

- **मुनि सौम्य सागर, मुनि निश्चल सागर और बालाचार्य अभिनंदन सागर महाराज की पिच्छिका बदली, श्रद्धालुओं ने लिया आशीर्वाद**

कार्यक्रम की शुरुआत मंगलाचरण के साथ हुई। इसके बाद गुरु पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महिला मंडलों एवं जैन संगठनों के पदाधिकारियों ने भक्तिभाव से अर्घ्य अर्पित कर गुरु पूजा की। समारोह में श्रद्धालुओं ने मुनि सौम्य सागर महाराज एवं मुनि निश्चल सागर महाराज को नई पिच्छिका भेंट की तथा उनकी पुरानी पिच्छिका प्राप्त करने का सौभाग्य हासिल किया। अपने मंगल प्रवचन में मुनि सौम्य सागर महाराज ने पिच्छिका परिवर्तन की धार्मिक महत्ता बताते हुए कहा कि दिगंबर जैन संत के पास रहने वाली पिच्छिका का परिवर्तन होने पर पुरानी पिच्छिका ऐसे श्रद्धालु को प्रदान की जाती है, जो संयम के मार्ग पर चलने के लिए संकल्पित होता है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में उनका यह पहला चातुर्मास है। समारोह में अलवर सहित अन्य स्थानों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। इस दौरान समाज के श्रेष्ठीजनों का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में खेडली नगर पालिका अध्यक्ष पवन जैन चौधरी एवं अलवर नगर परिषद के पूर्व सभापति अजय अग्रवाल ने भी शिरकत कर मुनियों का आशीर्वाद लिया। समारोह में दीप प्रज्ज्वलन, चित्र अनावरण सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। इधर, अलवर-जयपुर रोड स्थित अहिंसा स्थल दिगंबर जैन मंदिर में चातुर्मास पर विराजमान बालाचार्य मुनि अभिनंदन सागर महाराज का भी पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने उन्हें नई पिच्छिका भेंट की तथा पुरानी पिच्छिका प्राप्त की। अहिंसा स्थल के प्रबंधक बच्चू सिंह जैन ने बताया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

नेक कमाई के कन्यादान अभियान से प्रभावित हुए केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल

अलवर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल मंगलवार को अलवर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मनुमार्ग स्थित वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व संघ प्रचारक दौलतराम हजरती के निवास पर पहुंचकर उनका सम्मान किया। मुलाकात के दौरान उन्होंने हजरती के जीवन संघर्ष, सामाजिक योगदान और नेक कमाई फाउंडेशन की ओर से संचालित सेवा प्रकल्पों की जानकारी ली।



केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन मेघवाल का अलवर में स्वागत सम्मान किया।

इस अवसर पर नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलतराम हजरती, मुख्य कोऑर्डिनेटर अभिषेक तनेजा और फाउंडर ललित बेनीवाल ने संस्था के विभिन्न सेवा कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। इनमें जरूरतमंद बेटियों का सम्मानपूर्वक कन्यादान, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रशिक्षण तथा समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयास प्रमुख रहे। नेक कमाई फाउंडेशन के कन्यादान अभियान और महिला सशक्तिकरण के प्रयासों से प्रभावित अर्जुन मेघवाल ने कहा कि अलवर आकर उन्हें संस्था के सेवा कार्यों को करीब से जानने का अवसर मिला है। जरूरतमंद बेटियों के विवाह में सहयोग और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयास प्रेरणादायी हैं। उन्होंने आश्वस्त किया कि इन सेवा कार्यों की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाएंगे, ताकि ऐसे प्रयासों को देशभर में पहचान मिल सके। उन्होंने राजस्थान में हो रहे इन कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने की आवश्यकता भी जताई।

- **दौलतराम हजरती के निवास पर पहुंचे, किया सम्मानित; बोले- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंचाएंगे संस्था के सेवा कार्यों की जानकारी**

मुलाकात के दौरान दौलतराम हजरती ने लालकृष्ण आडवाणी के अलवर प्रवास से जुड़ा एक पुराना संस्मरण भी साझा किया, जिसे मेघवाल ने रुचि के साथ सुना। भाजपा नेता नरेश गोयल ने भी संस्था के सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी।

खास बात यह रही कि केंद्रीय मंत्री एक घंटे से अधिक समय तक हजरती के निवास पर रुके और उनके परिजनों से भी आत्मीय बातचीत की। उल्लेखनीय है कि अर्जुन मेघवाल और दौलतराम हजरती उद्योग विभाग में साथ काम कर चुके हैं। इसी पुराने संबंध के चलते मुलाकात के दौरान कई पुरानी यादें भी ताजा हुईं।

दौलतराम हजरती ने केंद्रीय मंत्री के आगमन और सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में अभिषेक तनेजा ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। केंद्रीय मंत्री ने जसवंत यादव के आवास पर पहुंचकर चित्र पर पुष्प अर्पित किए, शोक संतप्त परिजनों को बंधाया ढांढस

अलवर। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल तथा नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग के राज्य मंत्री झाबर सिंह खर्रा मंगलवार को दिवंगत बहरोड़ विधायक एवं पूर्व मंत्री डॉ. जसवंत सिंह यादव के अलवर स्थित आवास पर पहुंचे। उन्होंने डॉ. यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना देकर ढांढस बंधाया।

इस दौरान दोनों मंत्रियों ने कहा कि अलवर और राजस्थान के चहुंमुखी विकास में डॉ. जसवंत सिंह यादव का अमूल्य योगदान रहा है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका सामाजिक और राजनीतिक जीवन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण रहा। इस अवसर पर विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड और कोटपूतली विधायक हंसराज पटेल ने भी दिवंगत डॉ. जसवंत सिंह यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

धार्मिक स्थल के समीप गंदगी फैलाने पर उठे सवाल

पावटा। प्राचीन गोपाल भैया मंदिर के पीछे स्थित डंपिंग यार्ड में सेप्टी टैंक खाली किए जाने का मामला सामने आने के बाद गौ रक्षकों एवं श्रद्धालुओं में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। धार्मिक आस्था से जुड़े प्राचीन मंदिर के पीछे इस प्रकार से सेप्टी टैंक का गंदा पानी खाली किए जाने को लेकर लोगों ने नाराजगी जताते हुए संबंधित जिम्मेदारों के प्रति रोष व्यक्त किया है। गौ रक्षकों एवं श्रद्धालुओं का कहना है कि प्राचीन गोपाल भैया मंदिर क्षेत्र के लोगों की गहरी आस्था का केंद्र है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन एवं पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं। ऐसे धार्मिक स्थल के पीछे स्थित डंपिंग यार्ड में सेप्टी टैंक खाली करने से आसपास गंदगी और दुर्गंध फैलने की आशंका है। इससे न केवल श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती है, बल्कि आसपास के वातावरण एवं स्वच्छता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

मामले को लेकर गौ रक्षकों एवं श्रद्धालुओं ने कड़ा विरोध जताते हुए सवाल उठाया कि आखिर धार्मिक स्थल के इतने नजदीक इस तरह गंदगी फैलाने की अनुमति कैसे दी जा रही है।

सार-समाचार

स्कूल से हासिल किए संस्कार जीवनभर व्यक्ति का पथ प्रदर्शन करते हैं : गौतम



किशनगढ़ बास। आदर्श शिक्षा समिति अलवर द्वारा संचालित आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, किशनगढ़ बास में पूर्व छात्र सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के लगभग 40 से 50 पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लंबे समय बाद विद्यालय परिसर में एकत्रित हुए पूर्व छात्रों ने अपने पुराने संस्मरण साझा किए तथा विद्यालय से जुडी यादों को ताजा किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कमलेश गौतम, जिला सचिव, आदर्श शिक्षा समिति अलवर ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यालय से प्राप्त शिक्षा, संस्कार एवं मार्गदर्शन जीवनभर व्यक्ति का पथ प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने सभी पूर्व छात्रों से राष्ट्र निर्माण, सामाजिक उत्थान एवं शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी निभाने का आठाह किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रबंध समिति के अध्यक्ष सतीश महावर ने की। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्य हरमेश खुराना, अनिल खुराना, हीरालाल शास्त्री, डॉ. निशांत गौड सहित गणमान्य अतिथिगण उपस्थित रहे। सम्मेलन का प्रमुख आकर्षण पूर्व छात्र परिषद का गठन रहा। विद्यालय के पूर्व छात्रों को संगठित करने तथा विद्यालय के विकास एवं सामाजिक गतिविधियों में उनकी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिषद का गठन किया गया। इसमें संयोजक के रूप में रविन्द्र कुमार रतन को दायित्व सौंपा गया। वहीं सह-संयोजक के रूप में डॉ. निशांत गौड, अपूर्व तिवाडी, मोहित, नीरज एवं सुरेन्द्र को नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त परिषद में पांच सदस्यों को भी शामिल किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष सिंह नरूका सहित समस्त आचार्य एवं स्टाफ सदस्यों की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में सभी पूर्व छात्रों ने विद्यालय के साथ निरंतर जुड़े रहने, आपसी समन्वय बनाए रखने तथा विद्यालय, समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

नीलगायों की प्राण रक्षा के लिए जैन श्रद्धालु ने रखा तीन दिन का उपवास

अलवर। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण महोत्सव पर अहिंसा और जीवदया का संदेश देते हुए जैन स्थानक महावीर भवन में श्रद्धालुओं ने नीलगायों की प्राण रक्षा के लिए विशेष धार्मिक साधना की। श्रद्धालु संजय भारद्वाज ने नीलगायों को जीवनदान देने की प्रार्थना के साथ लगातार तीन दिन तक तेला-पोषध का उपवास किया। वहीं अन्य श्रद्धालुओं ने भी एक दिन का उपवास, आयंबिल, एकासना और पोषध की साधना कर अरिहंत परमात्मा से वन्यजीवों की रक्षा और शासन-प्रशासन को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर जैन स्थानक में चातुर्मास कर रहीं जैन महासाध्वी श्री हर्षिता जी महाराज ने नीलगायों के जीवन पर मंडरा रहे संकट को लेकर गहरी पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि संसार में दया, करुणा और अहिंसा से बड़ा कोई धर्म नहीं है। गौ माता की तरह नीलगाय भी प्रकृति का एक निरीह जीव है और उसे भी इस धरती पर जीने का पूरा अधिकार है। मनुष्य को प्रत्येक जीव के प्रति करुणा का भाव रखना चाहिए। जीवों पर दया करके ही हम अपना भव सुधार सकते हैं । उल्लेखनीय है कि राजस्थान में फसलों को नुकसान पहुंचाने वाली नीलगाय के संबंध में विशेष परिस्थितियों में नियंत्रित कार्रवाई की अनुमति देने के कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत जारी अधिसूचनाओं के अनुसार अधिकृत अधिकारी की अनुमति और निर्धारित प्रक्रिया के तहत ही कार्रवाई की जा सकती है। यह नीलगाय को मारने की सामान्य या स्वत: मिलने वाली अनुमति नहीं है। इसी व्यवस्था को लेकर जीवदया प्रेमियों और जैन समाज के श्रद्धालुओं में चिंता है। उनका मानना है कि फसलों की सुरक्षा के साथ वन्यजीवों के जीवन की रक्षा के लिए भी मानवीय और अहिंसक विकल्पों पर गंभीरता से विचार होना चाहिए। भगवान महावीर ने समस्त जीवों के प्रति मैत्री, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया था। श्रद्धालुओं की यह साधना उसी संदेश को जीवन में उतारने और नीलगायों सहित सभी मूक प्राणियों के संरक्षण के प्रति समाज में संवेदनशीलता जगाने का प्रयास रही।

प्रो. आशुतोष पारीक की टीम को बड़ी सफलता

निवाई। विश्व के शीर्ष 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की सूची में स्थान हासिल करने वाले वनस्थली विद्यापीठ के फार्मेसी विभाग में कार्यरत प्रोफेसर आशुतोष पारीक ने शोध के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उनकी शोध टीम द्वारा करीब आठ वर्षों के निरंतर अनुसंधान के बाद वनस्थली में विकसित नई पल्मोनरी ड्रग डिलीवरी तकनीक को भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से भारतीय पेटेंट प्राप्त हुआ है। यह तकनीक अस्थमा व अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों के उपचार को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में विकसित की गई है। इसके शुरुआती प्रायोगिक परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। इस शोध को भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत संचालित निधि प्रयास कार्यक्रम से वित्तीय सहयोग भी प्राप्त हुआ है। प्रो. पारीक ने बताया कि पेटेंट मिलने के बाद अब इस तकनीक को मानवों में नैदानिक परीक्षण, औद्योगिक स्तर पर उत्पाद विकास, उद्योगों के साथ सहयोग एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की दिशा में आगे बढ़ाया जा सकता है। यह शोध को प्रयोगशाला से निकालकर वास्तविक स्वास्थ्य उत्पाद के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने बताया कि करीब आठ वर्षों की मेहनत के बाद मिली यह सफलता पूरी शोध टीम के निरंतर प्रयासों का परिणाम है। इससे भविष्य में श्वसन रोगों के उपचार के लिए नई तकनीक विकसित करने की संभावनाएं मजबूत हुई हैं।

भगवान विश्वकर्मा मंदिर में अन्नकूट महोत्सव मनाया

निवाई। भगवान श्री विश्वकर्मा मंदिर में अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा एवं विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में तहसील अध्यक्ष कन्हैयालाल जांगिड एवं विकास समिति अध्यक्ष राधेश्याम जांगिड की अध्यक्षता में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रेमप्रकाश खंडवा ने बताया कि अन्नकूट महोत्सव में समाज बंधुओं ने भगवान विश्वकर्मा जी की विशेष झांकी सजाकर भोग लगाया एवं महाआरती करके प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर कार्यकारी अध्यक्ष कैलाश चैनपुरा, मंदिर अध्यक्ष रमेश मित्रपुरा, राधेश्याम बांसडा, शशिकांत, कैलाश,घनश्याम, प्रहलाद, शंकरलाल, सुरेश सिरोही, शिवजीराम, लल्लूराम, हनुमान, सुरेश खारीकुई, मदनलाल, पंडित रमेश शर्मा, गोपाल, रामप्रसाद, प्रशांत, शंभू व मनीष बहकवा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

भरतपुर शहर का भ्रमण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया

भरतपुर। दीपावली खुशियों, उल्लास एवं रोशनी का पर्व है। इस पावन अवसर पर जहां हर व्यक्ति अपने परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मना रहा होता है, वहीं आमजन की सुरक्षा, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के जवान अपने परिवारों से दूर रहकर पूरी मुस्तैदी एवं समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। पुलिस जवानों के इसी समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा को सम्मान देने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक श्री राजेश कुमार मीना, एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेंद्र कुमार यादव, ने पुलिस अधिकारियों के साथ दीपावली पर्व पर शहर का भ्रमण किया तथा सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने शहर के प्रमुख बाजारों एवं चौराहों पर तैनात पुलिस जवानों से मुलाकात की। साथ ही शहर में गश्त कर रहे पुलिसकर्मियों के बीच पहुंचकर उनका उत्साहवर्धन किया। जिला पुलिस अधीक्षक एवं अतरिक्त पुलिस अधीक्षक ने पुलिस जवानों को मिठाई खिलाकर दीपावली पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा उनकी कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की सराहना की। जिला पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्योहार की असली खुशियां तभी सार्थक हैं, जब प्रत्येक नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करे। दीपावली जैसे विशेष अवसरों पर पुलिस जवानों का अपने परिवार से दूर रहकर आमजन की सुरक्षा के लिए तैनात रहना उनकी कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवा भावना का परिचायक है।



बॉल-टैम्परिंग इसकी जिम्मेदारी पूरी टीम को मिलकर उठानी चाहिए थी, न कि केवल उन तीन खिलाड़ियों पर डालनी चाहिए थी जिन्हें सजा मिली। स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और कैमरन बैनक्रॉफ्ट ये वे खिलाड़ी थे जिन्हें पूरी टीम की ओर से परिणाम भुगतने पड़े। – उस्मान ख्वाजा

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, सैंडपेपर स्कैंडल की घटना को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी



सूर्यकुमार यादव

भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर सूर्यकुमार यादव को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। पूर्व भारतीय कप्तान को सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के लिए मुंबई टीम की कमान सौंपी गई है। यह घरेलू टी20 टूर्नामेंट 14 नवंबर से शुरू होने जा रहा है। सूर्यकुमार की कप्तानी में मुंबई की टीम इस बार खिताब जीतने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं को भी जगह दी गई है। सूर्यकुमार ने कहा कि टीम में अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं का अच्छा मेल है। उन्हें भरोसा है कि सभी खिलाड़ी एकजुट होकर पूरी ताकत से खेलेंगे और हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 200 मुकाबले जीतने वाली दुनिया की पहली टीम बनने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम किया है।

विश्व चैम्पियनशिप : ईशा, मनु और दिव्या ने 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

दोहा, 10 नवंबर। भारत की ईशा सिंह, मनु भाकर और दिव्या सुबराजू की तिकड़ी ने मंगलवार को आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय निशानेबाजों ने कुल 1761 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

दक्षिण कोरिया की जिन यांग, येजिन ओह और दाजुंग नाम की टीम 1748 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही और रजत पदक जीता। वहीं, वियतनाम की टीम ने 1745 अंकों के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया।

भारत की ओर से ईशा सिंह ने सर्वाधिक 590 अंक जुटाए। उन्होंने प्रिसिजन राउंड में 292 और रैपिड राउंड में शानदार 298 अंक हासिल किए। मनु भाकर ने प्रिसिजन में 289 और रैपिड में 298 अंक के साथ कुल 587 अंक जोड़े। दिव्या सुबराजू ने प्रिसिजन में 289 और रैपिड में 295 अंक हासिल कर 584 अंकों का योगदान दिया।

ईशा ने प्रिसिजन की तीन सीरीज में क्रमशः 97, 96 और 99 अंक बनाए। इसके बाद रैपिड राउंड में उन्होंने 100, 98 और 100 अंक हासिल किए। मनु ने प्रिसिजन में 96, 96 और 97 अंक जुटाए, जबकि रैपिड में 99, 99 और 100 अंक बनाए।

भारत-न्यूजीलैंड तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द

टॉस हुआ लेकिन एक भी गेंद नहीं फेंकी जा सकी, भारत अब सीरीज नहीं हार सकता

नई दिल्ली, 10 नवंबर। बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाला तीसरा वनडे मैच रद्द कर दिया गया। हैमिल्टन में मंगलवार को सिर्फ टॉस हो सका। तय किया गया कि मुकाबला 40-40 ओवर का होगा। लेकिन, लगातार बारिश के कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच रद्द कर दिया गया।

यह मैच धुल जाने से इतना तय हो गया है कि टीम इंडिया अब यह सीरीज नहीं हार सकती। पांच मैचों की सीरीज के पहले दो मुकाबले भारत जीत चुका है। अब अगर न्यूजीलैंड आखिरी दो मैच जीत भी लेता है तो भी सीरीज बराबर ही होगी।



सबसे ज्यादा वनडे रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम

वनडे क्रिकेट में बारिश सहित अन्य कारणों से सबसे ज्यादा मैच रद्द होने का वर्ल्ड रिकॉर्ड भारत और न्यूजीलैंड के नाम ही दर्ज है। भारत ने अब तक 1086 वनडे खेले हैं। इनमें से 44 रद्द हुए हैं। न्यूजीलैंड के 860 वनडे में से 44 रद्द हुए हैं।

भारत सीरीज में 2-0 से आगे

हैमिल्टन में लगातार बारिश के कारण भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द हो गया। मैच रद्द होने के साथ ही दोनों टीमों के खिलाड़ी हाथ मिलाते नजर आए। अब सीरीज के बाकी दो मुकाबले 13 और 15 नवंबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे। भारत 5 मैचों की सीरीज में 2-0 से आगे है। माउंट माउंगानुई में फिलहाल मौसम अच्छा रहने का अनुमान है, ऐसे में बाकी दोनों मैच पूरे होने की उम्मीद है।

पंत फिट होकर न्यूजीलैंड दौरे पर जाएंगे

नई दिल्ली, 10 नवंबर। स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टेस्ट शृंखला से पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' से फिटनेस मंजूरी मिलने की उम्मीद है। पंत फिटनेस संबंधी मंजूरी मिलने के बाद बृहस्पतिवार को न्यूजीलैंड के लिए रवाना हो सकते हैं। उनकी मौजूदगी टेस्ट टीम को मजबूती प्रदान करेगी। पंत को शेष भारत की ओर से ईरानी कप में खेलते समय साइड स्ट्रेन (मांसपेशियों में खिंचाव) की चोट लग गई थी। इसके बाद उन्हें शुरुआत में फिटनेस के आधार पर एक अनौपचारिक टेस्ट मैच के लिए भारत ए टीम में शामिल किया गया था। वह सीओई से जरूरी आरटीपी (रिटर्न टू प्ले) यानी खेलों में वापसी से जुड़ा प्रमाणपत्र हासिल नहीं कर सके थे।

इस घटनाक्रम से जुड़े बीसीसीआई के एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई को बताया, "पंत पूरी तरह फिट हैं। वह आज सीओई में मैच सिमुलेशन (मैच जैसी परिस्थिति) अभ्यास कर रहे हैं। बुधवार को उनका एक और सिमुलेशन सत्र निर्धारित है। दोनों सत्र सफलतापूर्वक पूरे करने के बाद पंत 12 नवंबर को वेलिंगटन के लिए रवाना हो जाएंगे।" गौरतलब है कि मौजूदा भारतीय टीम में पंत उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट क्रिकेट खेलने का अनुभव है। भारतीय टीम ने पिछली बार 2020 में न्यूजीलैंड का दौरा किया था और पंत उस दौरे का हिस्सा थे। आक्रामक रवैये के साथ बल्लेबाजी के लिए जाने जाने वाले 29 वर्षीय पंत मौजूदा टीम के अनुभवी खिलाड़ियों में शुमार हैं।

बारिश ने चौथे दिन का खेल धोया, भारत-ए और न्यूजीलैंड-ए के बीच ड्रॉ रही टेस्ट सीरीज

लिंकन, 10 नवंबर। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेली गई तीन मैचों की अनौपचारिक टेस्ट सीरीज का तीसरा और अंतिम मुकाबला भी ड्रॉ पर समाप्त हो गया। चौथे दिन बारिश के कारण खेल नहीं हो सका और इसके साथ ही पूरी सीरीज भी बराबरी पर खत्म हुई। चार दिवसीय तीनों मुकाबलों में कोई नतीजा नहीं निकल सका। मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक न्यूजीलैंड ए ने दूसरी पारी में दो विकेट पर 36 रन बनाए थे। डीन फॉक्सक्रॉफ्ट 10 और जैक गिब्सन एक रन बनाकर नाबाद थे। न्यूजीलैंड ए को जीत के लिए अभी 428 रन की जरूरत थी। इससे पहले न्यूजीलैंड ए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया था।

भारत ए ने पहली पारी में पांच विकेट पर 464 रन बनाकर अपनी स्थिति मजबूत की थी। टीम को यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 175 रन की शानदार साझेदारी दिलाई। जायसवाल ने 138 गेंदों पर 16 चौकों और दो छक्कों की मदद से 102 रन बनाए, जबकि सुदर्शन ने 215 गेंदों पर 11 चौकों की सहायता से 88 रन की पारी खेली। इसके बाद तिलक वर्मा ने 164 गेंदों पर पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 81 रन बनाए। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 95 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 71 रन जोड़े। वहीं, वाशिंगटन सुंदर 107 गेंदों पर 50 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ए की ओर से जैक गिब्सन ने दो विकेट लिए।

पडिक्कल रहे भारत ए के शीर्ष स्कोरर

आगामी 19 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले भारत ए के बल्लेबाजों का प्रदर्शन सकारात्मक रहा। देवदत्त पडिक्कल तीन मैचों की पांच पारियों में 65.20 की औसत से 326 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोरर रहे। उन्होंने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया। यशस्वी जायसवाल ने तीन मैचों की पांच पारियों में 69.75 की औसत से 279 रन बनाए। उन्होंने दो शतक लगाए और शुरुआती कुछ पारियों में कम स्कोर के बाद लगातार दो शतक जड़े। साई सुदर्शन ने 46.20 की औसत से 231 रन बनाए, जिसमें दो अर्धशतक शामिल रहे। कप्तान ध्रुव जुरेल ने चार पारियों में 44.75 की औसत से 179 रन बनाए। उनके नाम एक शतक और एक अर्धशतक रहा। बिना अंतरराष्ट्रीय अनुभव वाले बल्लेबाज यश राठौड़ का प्रदर्शन भी भारत ए के लिए सकारात्मक रहा। उन्होंने दो मैचों में 111.50 की औसत से 223 रन बनाए, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है। गेंदबाजी में औकिब नबी ने एक मैच में छह विकेट, जबकि मोहम्मद सिराज ने एक मैच में चार विकेट लेकर प्रभावित किया।

बीसीसीआई ने दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए घोषित की टेस्ट, वनडे और टी-20 स्क्वॉड

नई दिल्ली, 10 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दक्षिण अफ्रीका के आगामी दौरे के लिए टीमों की घोषणा कर दी है। इस दौरे में एक टेस्ट मैच, तीन वनडे और तीन टी20 मैच खेले जाएंगे। टेस्ट मैच 9 दिसंबर को गेबेरहा में शुरू होगा, जबकि सीमित ओवरों की सीरीज 16 दिसंबर से शुरू होगी। तीन वनडे मैच क्रमशः 16, 19 और 22 दिसंबर को पार्ल, केप टाउन और ब्लोमफ्रोन्टेन में खेले जाएंगे। इसके बाद टी20 सीरीज होगी, जिसके मैच 26, 29 और 30 दिसंबर को खेले जाएंगे। पहला मैच बेनोनी में होगा, जबकि बाकी दो मैच पोचेफस्ट्रूम में आयोजित किए जाएंगे।

जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर अपनी-अपनी चोटों से उबरने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। टीम के चयन से कई खिलाड़ियों को टेस्ट, वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूपों में खेलने के मौके मिले हैं। रोड्रिग्स को तीनों टीमों में शामिल किया गया है। वह यूनाइटेड किंगडम में द हंड्रेड टूर्नामेंट के दौरान हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रही थीं, जिससे अब वह पूरी तरह उबर चुकी हैं। वहीं, लंबे समय तक बाहर रहने के बाद अमनजोत कौर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बना ली है। उन्होंने आखिरी बार फरवरी में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान भारत के लिए खेला था।

रेणुका सिंह जिम्बाब्वे के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज से बाहर रहने के बाद टी20 टीम में लौट आई हैं। हालांकि, इस तेज गेंदबाज को भारत की टेस्ट और वनडे टीमों में शामिल नहीं किया गया है। जिन्तिमणि कलिता, जिन्होंने हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया था, उन्होंने 50 ओवर वाले फॉर्मेट में अपनी जगह बरकरार रखी है और उन्हें पहली बार टेस्ट टीम में भी चुना गया है। हालांकि, वह आने वाली टी20 सीरीज का हिस्सा नहीं होंगी।

सयाली सतघरे को सबसे छोटे फॉर्मेट (टी20) में मौका मिला है, जबकि वह पहले भी भारत के लिए टेस्ट और वनडे खेल चुकी हैं। वहीं, श्रेयंका पाटिल और मिन्नू मणि को टी20 टीम से बाहर कर दिया गया है। चयनकर्ताओं ने स्पिन विकल्पों के तौर पर दीप्ति शर्मा, श्री चरानी और प्रेमा रावत को प्राथमिकता दी है।

वनडे टीम में केवल दो बदलाव किए गए हैं; तेजल हसबनीस और रेणुका सिंह की जगह रोड्रिग्स और कलिता को शामिल किया गया है।

टेस्ट टीम: स्मृति मंधाना सी, शैफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, ऋचा घोष विकेटकीपर, यास्तिका भाटिया विकेटकीपर, दीप्ति शर्मा वीसी, श्री चरणी, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, जिन्तिमणि कलिता, सयाली सतघरे।

एकदिवसीय टीम : स्मृति मंधाना सी, शैफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, ऋचा घोष विकेटकीपर, यास्तिका भाटिया विकेटकीपर, दीप्ति शर्मा वीसी, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, जिन्तिमणि कलिता, सयाली सतघरे।

टी-20 टीम: स्मृति मंधाना सी, शैफाली वर्मा वीसी, जेमिमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर, निकी प्रसाद, ऋचा घोष डब्ल्यूके, जी. कमलिनी डब्ल्यूके, अनुष्का शर्मा, दीप्ति शर्मा, श्री चरणी, प्रेमा रावत, अमनजोत कौर, क्रांति गौड़, नंदनी शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, अरुंधति रेड्डी, सयाली सतघरे।

आईपीएल में 2028 से जुड़ेंगी 2 नई टीमें

बीसीसीआई पुणे और वडोदरा पर कर रहा विचार

नई दिल्ली, 10 नवंबर। आईपीएल में एक बार फिर टीमों की संख्या बढ़ सकती है। बीसीसीआई 2028 के सत्र से कम से कम 2 नई टीमों को शामिल करने की योजना पर विचार कर रहा है। अगर ऐसा होता है तो इस लोकप्रिय क्रिकेट लीग में मुकाबलों की संख्या बढ़ने के साथ इसका कारोबार भी और बड़ा हो सकता है। शुरुआती चर्चा में महाराष्ट्र के पुणे और गुजरात के वडोदरा शहर नए ठिकानों के रूप में सामने आए हैं। बीसीसीआई के भीतर इस विस्तार को लेकर बातचीत अभी शुरुआती दौर में है। ऐसे में अंतिम फैसला होने तक नए शहरों के नाम बदल भी सकते हैं। प्रस्तावित विस्तार का समय आईपीएल के अगले प्रसारण अधिकार समझौते से भी जुड़ा हुआ है। यह समझौता 2028 से 2032 तक के लिए होना है। रिपोर्ट के अनुसार, नई टीमों में से प्रत्येक का मूल्यांकन 1 अरब डॉलर से अधिक हो सकता है।



नई टीमों को खरीदने में कई बड़े निवेशकों की दिलचस्पी बताई जा रही है। इनमें निजी निवेश कंपनी परमिरा, पश्चिम एशिया के सरकारी निवेश कोष, एशियाई देशों की सरकारी निवेश संस्थाएं, अमेरिका के बड़े निवेशक परिवार और भारत के प्रमुख कारोबारी समूह शामिल हैं। इसके अलावा बेहद अमीर व्यक्तिगत निवेशक भी नई टीमों में पूरी या छोटी हिस्सेदारी खरीदने के विकल्प तलाश रहे हैं।

वडोदरा का नाम सामने आने के पीछे गुजरात में खेल सुविधाओं को बढ़ावा देने की कोशिश भी एक वजह है। यह शहर अहमदाबाद से करीब 110 किलोमीटर दूर है। अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस अपने घरेलू मुकाबले खेलती है। केंद्र सरकार भी अहमदाबाद को अंतरराष्ट्रीय खेलों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना पर जोर देती रही है। भारत की 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी की दावेदारी के संदर्भ में भी शहर के खेल ढांचे को मजबूत करने की बात कही गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 4 सितंबर को जारी सरकारी जानकारी में अहमदाबाद की खेल संबंधी योजनाओं का जिक्र किया था।

वहीं, पुणे का आईपीएल से पुराना नाता रहा है। 2011 से 2013 तक सहारा समूह की पुणे वॉरियर्स इंडिया टीम इस लीग का हिस्सा थी। हालांकि, टीम ने बीसीसीआई के साथ टीम शुल्क को लेकर आर्थिक विवाद के बाद लीग छोड़ दी थी। इसके बाद 2016 और 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट ने आईपीएल में हिस्सा लिया। उस समय चेन्नई सुपर किंग्स और राजस्थान रॉयल्स पर प्रतिबंध लगा हुआ था। पुणे की टीम 2017 के फाइनल तक पहुंची थी, लेकिन मुंबई इंडियंस से केवल 1 रन से हार गई थी। आईपीएल में नई टीमों की संभावित कीमत बढ़ने की एक बड़ी वजह हाल में हुए दो बड़े मालिकाना सौदे भी हैं। डियाजियो की भारतीय कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को आदित्य बिड़ला समूह, बेनेट कोलमैन एंड कंपनी, ब्लैकस्टोन और बोल्ट वेंचर्स के समूह को बेचने पर सहमति दी है। इस सौदे में टीम का मूल्यांकन 1.78 अरब डॉलर किया गया है।

इसी तरह लक्ष्मी मित्तल परिवार और अदार पूनावाला के नेतृत्व वाले समूह ने राजस्थान रॉयल्स का अधिग्रहण किया है। इस सौदे में टीम की कीमत 1.65 अरब डॉलर आंकी गई है। इन दोनों सौदों के बाद नई टीमों की कीमत भी ऊंची रहने की उम्मीद है।

बता दें कि आईपीएल का पिछला विस्तार 2022 के सत्र से पहले हुआ था। उस समय लखनऊ सुपर जायंट्स को आरपीएसजी समूह ने 940 मिलियन डॉलर में खरीदा था, जबकि सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स ने गुजरात टाइटंस के लिए 750 मिलियन डॉलर की बोली लगाई थी।

हालांकि, नई टीमों को शामिल करने का फैसला केवल निवेशकों की दिलचस्पी पर निर्भर नहीं करेगा। बीसीसीआई को बड़े भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धता, मुकाबलों की बढ़ती संख्या और प्रसारण कंपनियों की रुचि को भी ध्यान में रखना होगा। मौजूदा 2023 से 2027 के प्रसारण अधिकार 6.2 अरब डॉलर में बेचे गए थे। ऐसे में नई टीमों के आने से मुकाबले बढ़ेंगे और अगले प्रसारण समझौते की कीमत पर भी इसका असर पड़ सकता है।

जापान मास्टर्स के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची त्रीसा-गायत्री की जोड़ी

कुमामोटो, 10 नवंबर। भारतीय महिला युगल जोड़ी त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने जापान मास्टर्स 2026 के दूसरे दौर में जगह बना ली है। मंगलवार को कुमामोटो प्रीफेक्चरल जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने जापान की हिनाता सुजुकी और नाओ यामाकिता को सीधे गेमों में हराया। त्रीसा और गायत्री ने पहला गेम 21-17 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी भारतीय जोड़ी ने अपना दबदबा बनाए रखा और 21-14 से जीत दर्ज की। यह मुकाबला 42 मिनट तक चला। इस जीत के साथ दोनों ने प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। पुरुष युगल में हरिहरन अमसकरुणन और अर्जुन एमआर को पूर्व विश्व चैंपियन मलेशियाई जोड़ी आरोन चिया और सोह वूई यिक के खिलाफ वॉकओवर मिला। मुकाबले के पहले गेम में भारतीय जोड़ी 11-6 से आगे थी, तभी मलेशियाई खिलाड़ियों ने चोट या अन्य कारणों का उल्लेख किए बिना मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे पहले दिन में मिश्रित युगल जोड़ी ध्रुव कपिला और राधिका शर्मा को क्वालीफिकेशन दौर में हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को अमेरिका की चेन झी यी और फ्रांसेस्का कॉर्बेट ने सीधे गेमों में हराया।

चुनाव अधिकारी ने जारी की लिस्ट, आईओए चुनाव में 30 एनएसएफ को मतदान का अधिकार मिला

नई दिल्ली, 10 नवंबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की पांच दिसंबर को होने वाली कार्यकारी परिषद के चुनाव में 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के दो-दो प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे लेकिन गुटबाजी से जूझ रहा राष्ट्रीय मुक्केबाजी महासंघ चुनाव प्रक्रिया से बाहर रहेगा। तदर्थ समिति द्वारा संचालित भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) और इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) को भी मतदान के लिए पात्र महासंघों की सूची में जगह नहीं मिली है। आईजीयू के एक गुट को आईओए की मान्यता प्राप्त है, जबकि दूसरे गुट को खेल मंत्रालय ने मान्यता दे रखी है। आईओए के चुनाव अधिकारी संजय के. श्रीवास्तव ने सोमवार को 30 राष्ट्रीय खेल महासंघों की सूची जारी की। इन महासंघों को पांच दिसंबर के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल का सदस्य बनाने के वास्ते एक पुरुष और एक महिला प्रतिनिधि नामित करने होंगे। इन महासंघों में फुटबॉल, टेनिस, कबड्डी, तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉलिंग, साइकिलिंग, तलवारबाजी, जिम्नास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, आइस हॉकी, आइस स्केटिंग, कयाकिंग एवं कैनोइंग, रग्बी, ट्रायथलॉन, भारोत्तोलन, जूडो, ल्यूज, मॉडर्न पेंटाथलॉन, निशानेबाजी, नेटबॉल, रोइंग, स्की एवं स्नोबोर्ड, तैराकी, स्क्वाश, कुश्ती और वुशु शामिल हैं। इन सभी महासंघों को 12 नवंबर को दोपहर तीन बजे तक अपने प्रतिनिधियों के नाम भेजने को कहा गया है। आईओए के संविधान के मुताबिक, जिन खेलों को ओलंपिक, एशियाई या राष्ट्रमंडल खेलों के कार्यक्रम में शामिल किया गया है, उनके राष्ट्रीय महासंघ आम सभा के लिए दो प्रतिनिधि नामित कर सकते हैं। इनके अलावा आठ उत्कृष्ट खिलाड़ियों, एथलीट आयोग के दो सदस्यों और भारत में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य को भी मतदान का अधिकार होगा।

मुंबई इंडियंस में शामिल होंगे अर्शदीप, पीबीकेएस से जुड़ेंगे हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली, 10 नवंबर। आईपीएल 2027 सीज़न से पहले, अर्शदीप सिंह मुंबई इंडियंस में शामिल होने जा रहे हैं, जबकि हार्दिक पांड्या पंजाब किंग्स का हिस्सा बनेंगे। इस अदला-बदली की चर्चा ने ज़ोर पकड़ लिया है और बताया जा रहा है कि दोनों फ्रेंचाइजी इस डील को पूरा करने के अंतिम चरण में हैं। ज़रूरी कागज़ी कार्रवाई भी पूरी कर ली गई है और अंतिम मंज़ूरी के लिए बीसीसीआई को सौंप दी गई है। आधिकारिक घोषणा से पहले, अर्शदीप के पिता दर्शन सिंह ने इस बात की पुष्टि की है कि प्रक्रिया चल रही है। हालाँकि, उन्होंने बताया कि शुरुआत में परिवार इस प्रस्ताव को सुनकर हैरान रह गया था। साथ ही, उन्होंने पंजाब फ्रेंचाइजी के प्रति अपना लगाव भी ज़ाहिर किया और बताया कि उनका इस टीम के साथ गहरा जुड़ाव है, क्योंकि वे उसी क्षेत्र से आते हैं। हार्दिक के संभावित ट्रेड के लिए मुंबई कई फ्रेंचाइजी के संपर्क में थी।

महिला एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय हॉकी टीम घोषित, सलीमा टेटे संभालेंगी कप्तानी

नई दिल्ली, 10 नवंबर। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को मध्य प्रदेश महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी। मिडफील्डर सलीमा टेटे टीम की कप्तानी जारी रखेंगी। यह टीम पिछले महीने जापान में हुए एशियाई खेलों में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीतने के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलेगी। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर, नाथू बरखेड़ा में किया जाएगा। मेजबान भारत मौजूदा चैंपियन होने के साथ तीन बार इस खिताब को जीत चुका है। भारतीय टीम ने 2016, 2023 और 2024 में यह ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब उसकी नजर लगातार तीसरी और कुल चौथी बार चैंपियन बनने पर होगी। इस छह देशों के टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और दक्षिण कोरिया की टीमें हिस्सा लेंगी। भारत की तरह दक्षिण कोरिया भी तीन बार यह खिताब जीत चुका है। प्रतियोगिता राउंड रॉबिन प्रारूप में खेली जाएगी। प्रत्येक टीम लीग चरण में अन्य पांच टीमों से एक-एक बार भिड़ेगी। लीग चरण के बाद शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। मुख्य कोच सजॉर्ड मारिजने ने कहा, यह मेरे लिए अन्य खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका देने का समय है। कुछ खिलाड़ी अपनी सामान्य भूमिका से अलग स्थानों पर खेलेंगी, ताकि मैं देख सकूं कि वे नई भूमिका में कैसा प्रदर्शन करती हैं।

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के लिए राजस्थान टीम चयन शिविर में 36 खिलाड़ियों को मिला मौका

11 से 23 तक प्रशिक्षण शिविर

जयपुर, 10 नवंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की ओर से बीसीसीआई अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के आगामी मुकाबलों के लिए राजस्थान टीम के चयन की प्रक्रिया के तहत 36 खिलाड़ियों को शिविर के लिए चयनित किया गया है। यह शिविर 11 से 23 नवंबर 2026 तक आरसीए अकादमी, जयपुर में आयोजित होगा। शिविर में प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। चयनित खिलाड़ियों में जयपुर से सर्वाधिक सात खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं बीकानेर से चार, जोधपुर से तीन, भरतपुर, भीलवाड़ा और धौलपुर से दो-दो तथा अजमेर, अलवर, बाड़मेर, बूंदी, डूंगरपुर, जैसलमेर, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, नागौर, सवाई माधोपुर, सीकर, सिरोही, श्रीगंगानगर और टोंक से एक-एक खिलाड़ी को अवसर मिला है।

शिविर के लिए चयनित खिलाड़ी : मिरान खान (अजमेर), नवीन यादव (अलवर), सुमित सैनी (बाड़मेर), गिरीश चौधरी और सुमित शर्मा (भरतपुर), शौर्य वर्धन सिंह शेखावत और अनिल दारा (भीलवाड़ा), अजय सियाग, सुमित तेजी, रोहित सिगड़ और शौर्य मेहरा (बीकानेर), सिद्धांत सोनी (बूंदी), अथर्व सिंह और दिव्यांशु मीतवार (धौलपुर), हेमेंद्र सिंह राव (डूंगरपुर), अभय शर्मा, वंश शर्मा, यश शर्मा, प्रखर शर्मा, प्रतीक चौधरी, गौरव सैनी और अविनाश यादव (जयपुर), चेतन कुमार (जैसलमेर), यथार्थ भारद्वाज (झालावाड़), हर्षवर्धन सिंह और मयंक (झुंझुनूं), वैभव राजपुरोहित, शोभाग सिंह भाटी और जगदीश चौधरी (जोधपुर), आराध्य अग्रवाल (कोटा), यश चौधरी (नागौर), रक्षित श्रीमाल (सवाई माधोपुर), दर्शन पचार (सीकर), रोहन चौधरी (सिरोही), आदित्य भांभू (श्रीगंगानगर) और आदित्य वाधवा (टोंक)। शिविर में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर राजस्थान की अंडर-19 टीम का चयन किया जाएगा, जो कूच बिहार ट्रॉफी में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया प्रमुख ग्रीनबर्ग ने सैंड पेपर विवाद की जांच दोबारा शुरू करने से किया इंकार



सिडनी, 10 नवंबर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख टॉड ग्रीनबर्ग ने मंगलवार को 2018 के चर्चित सैंडपेपर विवाद की जांच दोबारा शुरू करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उन्हें नए सिरे से जांच कराने की कोई ठोस वजह नजर नहीं आती। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा में दावा किया है कि 2018 में गेंद से छेड़छाड़ की योजना के बारे में पूरी टीम को जानकारी थी और यह मामला केवल कुछ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं था। मंगलवार को जारी हुई उनकी किताब के बाद इस विवाद पर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। उस समय दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को गेंद पर सैंडपेपर का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था, ताकि गेंद को रिवर्स स्विंग मिल सके। ग्रीनबर्ग ने स्थानीय रेडियो स्टेशन एसईएन से बातचीत में कहा कि खिलाड़ियों के इस मामले को लेकर ख्वाजा के दावे से बिल्कुल अलग विचार हैं। उन्होंने कहा, उनकी किताब में कुछ खास विवरण ऐसे हैं, जो दूसरे लोगों द्वारा दिए गए बयानों से मेल नहीं खाते। हालांकि, हमें मिली जानकारी के आधार पर हम जांच के नतीजे से संतुष्ट हैं। इसमें वह जानकारी भी शामिल है, जो हमने उस्मान से देखी है। इस मामले पर हमारा रुख नहीं बदला है। हमें जांच दोबारा शुरू करने या इस मामले की फिर से समीक्षा करने की कोई ठोस वजह नजर नहीं आती। मुझे नहीं लगता कि ऐसा करने से कुछ हासिल होगा। इस मामले के समय क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे जेम्स सदरलैंड ने मंगलवार को टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वहीं, 2019 में अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलने वाले कैमरन बैनक्रॉफ्ट ने भी सोमवार को ऑस्ट्रेलियाई मीडिया से इस बारे में कुछ कहने से इनकार कर दिया। बैनक्रॉफ्ट ने 2021 में 'द गार्जियन' को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि यह बात अपने आप स्पष्ट थी कि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर के अलावा टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी गेंद से छेड़छाड़ की योजना की जानकारी थी।

वर्ल्ड कप प्लेऑफ के लिए भारतीय पोलो टीम नाइजीरिया पहुंची

भारत सहित चार देशों की टीमें लेंगी हिस्सा, पहला मुकाबला आज

जयपुर, 10 नवंबर। 13वें एफआईपी पोलो वर्ल्ड कप 2027 के प्लेऑफ मुकाबलों में हिस्सा लेने के लिए भारतीय पोलो टीम नाइजीरिया पहुंच गई है। प्लेऑफ में भारत सहित ईरान, पाकिस्तान और मेजबान नाइजीरिया की टीमें फाइनल टूर्नामेंट में जगह बनाने के लिए जोर आजमाइश करेंगी। प्लेऑफ मुकाबले 11, 13 और 15 नवंबर को खेले जाएंगे। इन मुकाबलों का ड्रॉ 10 नवंबर को स्थानीय समयानुसार निकाला गया। भारतीय टीम का पहला मुकाबला 11 नवंबर को होगा। टीम का लक्ष्य प्लेऑफ में शानदार प्रदर्शन कर विश्व कप के फाइनल चरण में प्रवेश करना है। भारतीय टीम की कमान सिमरन शेरगिल (+4) संभालेंगे। टीम में पद्मनाभ सिंह (+4), सिद

शेख हसीना ने बांग्लादेश सरकार से पासपोर्ट मांगा

नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान मांगकर शेख हसीना ने बांग्लादेश की नागरिकता के बुनियादी अधिकार पर दावा किया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 10 नवम्बर। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की ओर से वहां की बीएनपी सरकार से पासपोर्ट जारी करने का अनुरोध और ढाका की तीखी अस्वीकृति ने न केवल उनकी संभावित वापसी को लेकर गतिरोध बढ़ा दिया है, बल्कि भारत-बांग्लादेश के पहले से तनावपूर्ण संबंधों में एक नया विवाद भी जोड़ दिया है।

- **ढाका ने शेख हसीना की यह मांग साफ-साफ ठुकरा दी, क्योंकि सरकार नहीं चाहती कि उनकी वापसी वैध दस्तावेजों पर हो।**
- **शेख हसीना की मांग को दिसंबर में उनकी स्वदेश वापसी की घोषणा से जोड़ कर देखा जा रहा है।**
- **असल में अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुई हिंसा के बाद, जब वे भारत आ गई थीं, तब बांग्लादेश सरकार ने उनका पासपोर्ट व राष्ट्रीय पहचान पत्र रद्द कर दिया था।**

नया पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र मांगकर हसीना ने नागरिकता के एक बुनियादी अधिकार का दावा किया है, साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के प्रति बांग्लादेश की जिम्मेदारी का भी हवाला दिया है। दूसरी ओर, ढाका ने उनकी मांग को सख्ती से खारिज कर दिया है। इससे हसीना को एक दोषी भगोड़े के रूप में पेश करने का उसका रुख और मजबूत हुआ है। बांग्लादेश सरकार नहीं चाहती कि उचित यात्रा दस्तावेजों के साथ उनकी वापसी से उन्हें राजनीतिक प्रतीकात्मकता का कोई लाभ मिले।

नवंबर 2026 की शुरुआत में बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री के वकीलों ने नई दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र जारी करने का औपचारिक अनुरोध किया। लंदन स्थित "मैट्रिक्स चैंबर्स" के माध्यम से भेजे गए इस अनुरोध को दिसंबर में बांग्लादेश लौटकर अदालतों का सामना करने की हसीना की घोषित योजना से जोड़कर पेश किया गया। वर्ष 2024 में हुई कार्रवाई के सिलसिले में, मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने हसीना को उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी। इसके बावजूद वे कई बार स्वदेश लौटने की अपनी मंशा जाहिर कर चुकी हैं।

अगस्त 2024 में भारत आने के बाद हसीना का पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र रद्द कर दिया गया था। बांग्लादेश के विदेश मामलों के राज्य मंत्री हुमायूं कबीर ने उनके आवेदन को नाटक और पूरी तरह हास्यास्पद बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि देश "आतंकवादियों" या भगोड़े अपराधियों को पासपोर्ट जारी नहीं करता। ढाका का कहना है कि हसीना की वापसी का एकमात्र वैध रास्ता भारत-बांग्लादेश प्रत्यर्पण संधि के तहत उनका प्रत्यर्पण ही है। इसके बाद उन्हें आत्मसमर्पण कर अपनी सजा भुगतनी होगी। बांग्लादेश के अधिकारी उनके प्रत्यर्पण के लिए नई दिल्ली को पहले ही औपचारिक अनुरोध भेज चुके हैं।

भारत ने बार-बार कहा है कि बांग्लादेश के अनुरोधों की जांच द्विपक्षीय संधि के तहत स्थापित कानूनी और न्यायिक प्रक्रियाओं के अनुसार की जा रही है। इस संधि में राजनीतिक अपराधों और ऐसे मामलों के लिए अपवाद का प्रावधान है, जिनमें कार्रवाई अन्यायपूर्ण या दमनकारी हो सकती है। मौत की सजा और मुकदमे की अत्यधिक राजनीतिक प्रकृति के कारण इस मामले में महत्वपूर्ण कानूनी और कूटनीतिक अड़चनें हैं। इसलिए नई दिल्ली की ओर से हसीना के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जल्द शुरू किए जाने की संभावना कम दिखाई देती है।

नया पासपोर्ट मांगकर हसीना ने अपनी वापसी की शर्तें तय करने की कोशिश की है। हालांकि, ढाका में उनके आलोचक इस पूरे विवाद को नागरिक अधिकारों का दावा पेश करने और सीधे प्रत्यर्पण के जरिए वापसी से बचने की कोशिश के रूप में देखते हैं।

बांग्लादेश में चीन की सक्रिय भागीदारी लगातार बनी हुई है। ऐसे में हसीना से जुड़ा विवाद भारत और बांग्लादेश के द्विपक्षीय संबंधों को और जटिल बनाता दिखाई दे रहा है। व्यापार, संपर्क और सीमा प्रबंधन जैसे साझा हित दोनों देशों को आपसी संबंधों में संतुलन एवं सह-अस्तित्व बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। लेकिन हसीना का मुद्दा लगातार तनाव का कारण बना हुआ है, जिससे दोनों देशों को सावधानीपूर्वक निपटना होगा।

शीतकाल के लिए बंद हुए गंगोत्री धाम के कपाट

उत्तरकाशी, 10 नवंबर। विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री धाम के कपाट मंगलवार को अन्नकूट पर्व पर विधिवत पूजा अर्चना के साथ 12:05 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इसके बाद मां गंगा की उत्सव डोली शीतकालीन पड़ाव मुखीमठ (मुखबा) के लिए रवाना हुई।

डोली बुधवार सुबह मुखबा पहुंचेगी, जहां अब श्रद्धालु आगामी छह माह तक मुखीमठ (मुखबा) में ही मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे। मंगलवार को गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने की तैयारी सुबह 09 बजे से शुरू हुई। सर्व प्रथम उदय बेला पर मां गंगा के मुकुट को उतारा गया।

- **अब श्रद्धालु आगामी छह माह तक मुखीमठ (मुखबा) में ही मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे।**

इस बीच श्रद्धालुओं ने मां की भोग मूर्ति के दर्शन किए। इसके बाद अमृत बेला, स्वाति नक्षत्र प्रीतियोग शुभ लग्न पर ठीक 12:05 पर गंगोत्री धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ बंद किए गए। इस दौरान तीर्थ पुरोहितों ने विशेष पूजा व गंगा लहरी का पाठ किया।

पहला बच्चा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूरी कोशिश करने के बावजूद, वे बच्चे जैसी हरकतें करती हैं। राजीव ने उन्हें भरोसा दिलाया कि इंदिरा ने यह बात प्यार से कही थी, लेकिन उनकी यह बात सोनिया के गले नहीं उतरी।

वैशाली में चाकू की नोक पर ज्वैलरी शोरूम में 59 लाख रूपए की लूट

बदमाश शोरूम के चौकीदार व महिला कर्मचारी को बंधक बना कर सात डायमंड हार व अगूँठियाँ ले भागा

- **पुलिस के अनुसार, वैशाली मार्ग स्थित सीरियस ज्वैलर्स में लूट की यह घटना हुई। आरोपी बिना नंबर की स्कूटी से आया था, पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हुई है।**

जयपुर, 10 नवम्बर। वैशाली नगर थाना इलाके में मंगलवार सुबह दिन-दहाड़े एक बदमाश ज्वेलरी शोरूम में लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, वैशाली मार्ग स्थित सीरियस ज्वैलर्स में कस्टमर बनकर पहुंचे बदमाश ने चाकू की नोक पर सिक्योरिटी गार्ड और महिला कर्मचारी को बंधक बना लिया। इसके बाद लाखों रुपए के हीरे के जेवर बैग में भरकर फरार हो गया। वारदात में करीब 59 लाख रुपए के जेवर लूटे जाने की बात सामने आई है। पूरी घटना शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई।

शोरूम मालिक सार्थक शर्मा ने बताया कि बदमाश डायमंड के 7 हार और डायमंड की 31 अंगूठियां ले गया है। एक हार की कीमत करीब 4 लाख रुपए और एक अंगूठी की कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई गई है। इस हिसाब से लूटे गए जेवर की कुल कीमत करीब 59 लाख रुपए है। डीसीपी पश्चिम के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10:30 बजे बदमाश ग्राहक बनकर शोरूम पहुंचा। सिक्योरिटी गार्ड महावीर गुप्ता ने उसे सामान्य ग्राहक समझकर अंदर प्रवेश दे दिया। शोरूम में बदमाश ने महिला कर्मचारी अंजलि को धमकाना शुरू कर दिया। जब गार्ड बीच-बचाव करने पहुंचा तो बदमाश ने उसे भी पकड़ लिया और चाकू निकालकर धमकाया। इसके बाद चाकू की नोंक पर महिला कर्मचारी से जेवर निकालने को कहा। बदमाश ने शोरूम से डायमंड के हार और अंगूठियां बैग में भरीं और फरार हो गया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (डीसीपी पश्चिम) राजेश कुमार गुप्ता ने बताया कि वारदात वैशाली मार्ग स्थित सीरियस ज्वैलर्स में हुई है। आरोपी बिना नंबर की स्कूटी से आया था। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके में नाकाबंदी कराई। आरोपी की तलाश में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं।

'क्या महत्वांकाक्षी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि 2010 में तत्कालीन वित्त मंत्री प्रणब मुखर्जी और पी. चिदंबरम के बीच गंभीर मतभेद हो गए थे। इसी दौरान प्रणब मुखर्जी ने उनसे बातचीत में यह संकेत दिया था कि शायद अब शीर्ष नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है। सोनिया गांधी ने इसे प्रधानमंत्री बनने की उनकी पुरानी इच्छा के रूप में समझा। शर्मिष्ठा ने अपने पिता के हवाले से कहा, हर काबिल राजनेता के मन में ऐसी महत्वाकांक्षा होती है।उन्होंने सवाल किया कि जब किसी व्यक्ति के पास राजनीति और शासन का लंबा अनुभव हो, तो प्रधानमंत्री बनने की महत्वाकांक्षा रखना अपराध कैसे हो सकता है?

ईरान को हमने कुचल दिया, युद्ध समाप्त होगा- ट्रंप

कतर के प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद ट्रंप ने वाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग में यह घोषणा की

वॉशिंगटन, 10 नवंबर। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध अब खत्म हो गया है। इसकी जानकारी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने दी है। ट्रंप ने हाल ही में कतर के प्रधानमंत्री मुलाकात की थी। उसके बाद उन्होंने वाइट हाउस में ब्रीफिंग की। ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप ने कहा है कि ईरान के साथ लड़ाई सैन्य रूप से लगभग खत्म हो चुकी है।

ट्रंप ने कहा, "सैन्य रूप से ईरान लगभग खत्म हो चुका है। हम बस मौजूदा स्थिति बनाए रख रहे हैं। मैं किसी बात की गारंटी तो नहीं देता, लेकिन अगर हमें फिर से कार्रवाई करनी पड़ी तो हम पूरी तरह तैयार हैं। फिलहाल किसी सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं लगती। पूरा मध्य पूर्व अब यूरेनियम से जुड़े खतरों से सुरक्षित है और ऐसा लग रहा है कि यह संघर्ष खत्म होने की ओर बढ़ रहा है। मुझे लगता है कि यह बहुत जल्द खत्म हो जाएगा।

ट्रंप ने आगे कहा कि ईरान की ताकत को पूरी तरह कुचल दिया गया है, लेकिन उन्होंने कहा कि वह यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ईरान के परमाणु कार्यक्रम को हमेशा के लिए बेअसर करने का कोई दीर्घकालिक समाधान निकाला जाए। ईरान की निर्माण क्षमता कम हो गई है। यह लगभग 85 प्रतिशत खत्म हो चुकी है।

- **अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि पूरा मध्यपूर्व अब यूरेनियम से जुड़े खतरों से सुरक्षित है और ऐसा लग रहा है यह संघर्ष खत्म होने की ओर बढ़ रहा है।**

वे हमसे बात कर रहे हैं और बहुत विनम्रता से बात कर रहे हैं। देखते हैं, आगे क्या होता है, लेकिन पूरी संभावना है कि यह मामला खत्म हो सकता है।

सैन्य कार्रवाई पूरी होने के बाद अमेरिकी लोग और दुनिया भर के लोग पिछले कई सालों की तुलना में कहीं अधिक सुरक्षित होंगे, क्योंकि ईरान बहुत से लोगों की जान ले रहा था। अगर हमें फिर से कार्रवाई करनी पड़ी तो हम पूरी तरह तैयार हैं और एक्शन के लिए मुस्तैद हैं।"

अबू धाबी में रूस-यूक्रेन वार्ता पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, "मुझे लगता है कि यूक्रेन और रूस लड़ते-लड़ते थक चुके हैं। मैं उन्हें एक साथ लाने में कामयाब रहा हूं और अभी हमारी बातचीत चल रही है। बैठकें ठीक चल रही हैं और हम इसे सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा इसलिए नहीं कि इससे एक देश के तौर पर हम पर कोई असर पड़ता है बल्कि इसलिए, क्योंकि यह मुझे प्रभावित करता है। हर महीने 25,000 लोग मारे जा रहे हैं।

गोवर्धन परिक्रमाः हजारों विदेशी भक्तों ने उठाई अन्नकूट की छबरिया

गोवर्धन (मथुरा), 10 नवंबर। द्वापरयुग की परंपरा मंगलवार को एक बार फिर गोवर्धन की तलहटी में जीवंत हो उठी।

भारतीयों के साथ, भारतीय परिधानों में सजे विदेशी श्रद्धालु सिर पर अन्नकूट प्रसाद की छबरियाँ रखकर गिरिराजजी की पूजा-अर्चना करने पहुंचे तो गोवर्धन में मिनी विश्व का नजारा दिखाई दिया। अलग-अलग देशों और संस्कृतियों से आए श्रद्धालु भारतीय संस्कृति में रंगे नजर आए।

कोई सिर पर छबरिया लेकर सात कोस के स्वामी का गुणगान कर रहा था तो कोई भजनों की धुन पर झूमते हुए गिरिराजजी की परिक्रमा लगा रहा था। मानो समूचा विश्व गिरिराज महाराज की भक्ति के रंग में सराबोर हो गया हो।

आईआईटी दिल्ली सबसे प्रदूषित क्षेत्र, एक्यूआई 388 पहुंची

राजधानी में आम लोगों को सांस लेने में भारी तकलीफ और आंखों में जलन का सामना करना पड़ा

नई दिल्ली, 10 नवंबर। दिल्ली और एनसीआर में प्रदूषण का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। यहां के कई इलाकों में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) अत्यंत गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। सुबह से ही आसमान में छाई धुंध के कारण न सिर्फ दृश्यता घटी है, बल्कि आम लोगों को सांस लेने में भारी तकलीफ और आंखों में जलन का सामना करना पड़ रहा है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में वायु गुणवत्ता रेड जोन (गंभीर श्रेणी) में पहुंच गई है। इनमें आईआईटी दिल्ली का एक्यूआई 388 (दिल्ली का सबसे प्रदूषित क्षेत्र), चांदनी चौक का एक्यूआई 380, आया नगर का 361, बुराड़ी क्रॉसिंग का 349, सिरीफोर्ट और पंजाबी बाग का क्रमशः 343-343, आरकेपुरम का 338, गुरुग्राम का 323, मुंडका का 318, बदरपुर का 307, शादीपुर का 306, वजीरपुर का 304, आईजीआई एयरपोर्ट (टर्मिनल-3) और जहांगीरपुरी का क्रमशः 303-303 शामिल है। इसके अलावा, विवेक विहार का 299, सोनिया विहार का एक्यूआई 283 दर्ज किया गया है, जो गंभीर श्रेणी में है।

- **केन्द्रीय प्रदूषण निवारण बोर्ड के अनुसार एक्यूआई चांदनी चौक में 380, बुराड़ी क्रॉसिंग पर 349। सिटी कोर्ट व पंजाबी बाग में 343, बल्लभगढ़ में 340, गुरुग्राम 393, हिसार 316 और नोएडा 301 रहा।**

प्रदूषण की मार केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि पड़ोसी शहरों (एनसीआर) में भी हवा अत्यधिक जहरीली है। इनमें बल्लभगढ़ का एक्यूआई 340, गुरुग्राम का 323, हिसार का 316, नोएडा का 301, गाजियाबाद का 244 और ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 233 शामिल है। वहीं, हमेशा से दिल्ली के सबसे प्रदूषित इलाकों में शामिल रहने वाले आनंद विहार में एक्यूआई 300 दर्ज किया गया है।

ट्रंप के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पेश

वाशिंगटन (अमेरिका), 10 नवंबर। संयुक्त राज्य अमेरिका में ईरान युद्ध को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन भारी दबाव में आ गया है। ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन के सांसद थॉमस मैसी ने रक्षामंत्री (रक्षा सचिव/ बदला पद नाम युद्धमंत्री) पीट हेगसेथ को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव पेश किया है।

इस कदम से सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी के सामने मुश्किल स्थिति पैदा हो गई है। अब पार्टी के सांसदों को तय करना होगा कि वे ट्रंप प्रशासन के प्रमुख मंत्री का समर्थन करते हैं या उनके खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में हैं। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा (निचला सदन, यानी यूनाइटेड स्टेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) में इस प्रस्ताव पर बुधवार तक मतदान हो सकता है।

अमेरिकी न्यूज वेबसाइट "एक्सिओस" की रिपोर्ट के अनुसार, थॉमस मैसी ने महाभियोग प्रस्ताव में पीट हेगसेथ पर ईरान युद्ध को संभालने के उनके तरीके और अन्य कथित कदाचारों को लेकर सवाल उठाया गया है। इस पर होने वाला मतदान ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान किसी कैबिनेट सचिव के खिलाफ पहला महाभियोग हो सकता है। साथ ही, यह इस बात का संकेत भी है कि अगले साल जब कांग्रेस में डेमोक्रेट्स का नियंत्रण होगा, तो और कुछ देखने को भी मिल सकता है।

एलएलबी के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपने प्रस्ताव पर फिर से विचार करने या उसे वापस लेने के लिए तैयार है। इस आयु सीमा को चुनौती देते हुए ऋषभ दुग्गल ने अदालत में याचिका दायर की थी।

सुनवाई के दौरान बीसीआई की वकील ने कहा कि उन्हें इस मामले का फैसला सुप्रीम कोर्ट पर छोड़ने के निर्देश मिले हैं। साथ ही, उन्होंने आयु सीमा तय करने के पीछे का कारण भी बताया। बीसीआई के अनुसार, पांच साल के इंटिग्रेटेड लॉ कोर्स के लिए अधिकतम आयु सीमा इसलिए तय की गई थी, क्योंकि ऐसे अधिकतर कोर्स रैज़िडेंशियल होते हैं और आमतौर पर कम उम्र के विद्यार्थियों को ध्यान में रखकर बनाए जाते हैं।

मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

श्यामा की और दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने श्रीनाथजी मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर अन्नकूट प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ म, विधायक बहादुर सिंह कोली, शैलेश सिंह सहित, अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

'मैंने राजीव से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नई जिम्मेदारी को उत्साह के साथ संभाला। उन्होंने ग्रामीण अमेठी में बिज़नैस और इंडस्ट्रीज़ लाने का काम बड़े जोश के साथ शुरू किया, जैसा कि राजीव गांधी ने किया था।

सोनिया गांधी लिखती हैं कि प्रियंका ने खुद को एक "कुशल प्रबंधक" साबित किया। उन्होंने अमेठी में स्वयं सहायता समूह (सैल्फ हैल्प ग्रुप) शुरू किए और महिलाओं को एक-दूसरे का सहयोग करने तथा बदलाव लाने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। गांधी लिखती हैं, "इन समूहों की शुरुआत छोटे स्तर पर हुई थी, लेकिन ये उम्मीदों से भरे थे। राहुल की भागीदारी से अमेठी के स्वयं सहायता समूह उत्तर भारत के सबसे बड़े समूह बन गए। उन्होंने एक बहुत ज़रूरी आई हॉस्पिटल भी बनवाया, बाद में जिसकी ब्रांच लखनऊ और हरियाणा तक फैल गईं।"

अपनी देवरानी मेनका के साथ मतभेदों पर खुलकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

झगड़े भी धीरे-धीरे उनके कमरे की चारदीवारी से बाहर आने लगे। दोनों के बीच तीखी बहस होती, वे तेज आवाजों में बात करते थे।

सोनिया के अनुसार, नाराज़ होने पर मेनका गाली-गलौज तक करने लगती थीं, यहां तक कि अपनी सास की मौजूदगी में भी ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करती थीं, जिन्हें घर में बोलना सख्त मना था। इससे संजय शर्मिंदा हो जाते थे और हम सब भी हैरान रह जाते थे। सोनिया लिखती हैं कि सबसे बात करने वाली और खुले विचारों वाली किसी युवा लड़की के लिए संयुक्त परिवार में रहना आसान नहीं रहा होगा।

मेनका को गांधी परिवार का घरेलू माहौल नीरस और अनुशासित लगने लगा होगा, क्योंकि वहां हर कोई किसी न किसी काम में व्यस्त रहता था। सोनिया के मुताबिक मेनका तभी शांत हुईं, जब वे संजय गांधी के साथ राजनीतिक कार्यक्रमों और आयोजनों में जाने लगीं।

लेकिन संजय पर मेनका का प्रभाव उनके भाई राजीव के साथ उनके रिश्तों में भी दखल देने लगा। सोनिया के अनुसार, दोनों भाइयों में पहले जो अटूट रिश्ता था, वह कटु हो गया।

मार्च 1977 में आपातकाल समाप्त होने के तुरंत बाद कांग्रेस को चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। इंदिरा गांधी और संजय गांधी दोनों अपनी-अपनी सीटों, रायबरेली और अमेठी से चुनाव हार गए।

संजय का नाम आपातकाल का पर्यायवाची बन गया था। वे विभिन्न इंटरव्यूज में नौकरशाही की धीमी कार्यप्रणाली पर बात करने लगे थे। उन्होंने ऐसे विचार भी व्यक्त किए, जिन्हें प्रधानमंत्री की आलोचना के रूप में देखा जा सकता था।

संजय की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं को कांग्रेस के कुछ ऐसे धड़ों का समर्थन मिलने लगा, जिन्हें इंदिरा गांधी पसंद नहीं करती थीं। सोनिया लिखती हैं कि इंदिरा गांधी को लगता था कि मेनका संजय को समझाने के बजाय उनको भड़का रही हैं।

सोनिया के मुताबिक, इंदिरा गांधी ने कैबिनेट सचिव पी.एन. धर से अपनी युवा बहू के बारे में कहा था, "उसके अभी से पर निकलने लगे हैं।"

1977 के चुनावों के नतीजों के बाद परिवार के प्रति मेनका की नाराजगी और बढ़ गई, क्योंकि राजीव को लगता था कि संजय की ज़िद, जल्दबाजी, बिना सोचे-समझे बनाई गईं योजनाओं को लागू करने की जल्दी और अच्छी सलाह न मानने की आदत ने चुनाव में कांग्रेस की करारी हार में बड़ी भूमिका निभाई थी। संजय ने कई काम ऐसे किए थे, जिनकी जानकारी उनकी मां को भी नहीं थी।

किताब में लिखा है कि एक बार परिवार की मीटिंग में राजीव ने संजय से नाराज़गी जताते हुए कहा था, "मैं तुम्हें माफ नहीं कर सकता, संजय। तुम्हारी वजह से मां को इस स्थिति में पहुंचना पड़ा।"

- **"गांधी परिवार बेहद अनुशासित था, हर काम समय पर होता था, शायद मेनका को यह पसंद नहीं था।"**
- **सोनिया ने बताया कि संजय से भी मेनका का बहुत झगड़ा होता था, पर, जब संजय उन्हें राजनैतिक कार्यक्रमों में ले जाने लगे तो स्थिति बेहतर हुई।**
- **सोनिया ने बताया कि मेनका की वजह से राजीव और संजय में भी तनाव बढ़ गया था, मेनका अक्सर संजय को मनमानी के लिए उकसाती थीं। आपातकाल के दौरान संजय गांधी ने कई मनमाने फैसले किए थे।**
- **सोनिया ने बताया कि संजय की मौत के बाद मेनका राजनीति में आना चाहती थीं, पर, इंदिरा गांधी ने यह कह कर इंकार कर दिया कि मेनका अभी मात्र 23 साल की हैं और अनुभवहीन हैं।**
- **मेनका की परिवार से नाराज़गी इतनी बढ़ गई थी कि उन्होंने बेटे का पहला जन्मदिन वसुंधरा राजे के घर मनाया था।**
- **सोनिया ने दावा किया कि मेनका ने घर छोड़ने की तैयारी बहुत पहले से शुरु कर दी थी। इसके बारे में उन्होंने एक पत्रकार को भी बता दिया था, पर, जब मेनका घर से गईं तो उन्होंने एक पत्र लिखा और सभी पर आरोप लगाए थे।**

सोनिया लिखती हैं, "मेरी सास, जो परेशान और व्यथित थीं, ने राजीव की बात का समर्थन करते हुए कहा, 'राजीव ने जो कहा, वह सही है। संजय! तुमने कितनी ही बार मेरी जानकारी के बिना आदेश दिए।"

इस पर मेनका ने बीच में हस्तक्षेप किया। इंदिरा गांधी ने ऊंची आवाज में उन्हें चुनौती दी कि वे इस बात से इनकार करके दिखाएं। मेनका तुरंत ही चुप हो गईं, लेकिन परिवार के प्रति उनकी नाराजगी और बढ़ गई।

सोनिया के अनुसार, मेनका के कटाक्ष लगातार परेशानी का कारण बनने लगे थे।

वे लिखती हैं, "मेनका की नज़र में हम दुश्मन थे। जिन पत्रकारों से उनका संपर्क था, उनके जरिए वे हमारे बारे में तरह-तरह की बातें फैलाती थीं। इनमें सबसे ज्यादा चुभने वाली बात यह झूठी खबर थी कि चुनाव हारने के बाद राजीव और मैंने देश छोड़कर भागने की योजना बनाई थी।"

23 जून 1980 को विमान दुर्घटना में संजय गांधी की मौत के बाद हालात और बिगड़ गए।

सोनिया गांधी के मुताबिक, माना जाता था कि मेनका की मां पार्टी में संजय के समर्थकों को मेनका के लिए राजनीतिक पद की मांग करने के लिए उकसा रही थीं।

लेकिन इंदिरा गांधी का मानना था कि मेनका अभी मात्र 23 साल की हैं और बहुत कम उम्र की और अनुभवहीन है, उन्हें नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं दी जा सकती। इसके अलावा उनका तीन महीने का बच्चा था और उन्हें उसकी देखभाल के लिए उसके साथ रहना चाहिए था। इंदिरा गांधी चाहती थीं कि मेनका धैर्य रखें, क्योंकि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं पूरी करने के लिए उनके पास आगे काफी समय था। लेकिन जल्द ही स्पष्ट हो गया कि मेनका की निगाहें कहीं और थीं।

मार्च 1981 में हालात और बिगड़ गए। मेनका ने अपने बेटे फिरोज़ वरुण गांधी का पहला जन्मदिन वसुंधरा राजे के घर पर मनाया। वसुंधरा राजे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की कट्टर समर्थक और इंदिरा गांधी की राजनीतिक विरोधी थीं।

इसके बाद मेनका ने घर से अपना सामान बाहर ले जाना शुरू कर दिया। उस समय उनकी सास इंदिरा गांधी लंदन में थीं। लौटने पर इंदिरा गांधी ने इस पर नाराजगी जताई और मेनका से साफ कह दिया कि उन्हें फैसला करना होगा-"या तो यह सब करना बंद करें या फिर वे कहीं और जाकर रहें।"

सोनिया लिखती हैं कि मेनका ने इसके बाद एक पत्र लिखकर अनगिनत आरोप लगाए, जिनका मकसद जाहिर तौर पर अपनी सास की छवि को नुकसान पहुंचाना था। यह स्पष्ट हो गया था कि वे ऐसा विवाद खड़ा करना चाहती थीं, जिसके बाद घर छोड़ने का दोष सार्वजनिक रूप से इंदिरा गांधी पर मढ़ा जा सके। उन्होंने कई सप्ताह पहले ही अपनी इस योजना के बारे में एक पत्रकार मित्र को बता दिया था।

मेनका के घर छोड़ने के समय हुए विवाद के दौरान, राजीव और सोनिया गांधी घर पर मौजूद नहीं थे। इसके बावजूद, इस पूरे घटनाक्रम का दोष उन दोनों पर भी मढ़ा गया।

'प्र.मंत्री मोदी नज़र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विचारधाराओं के नेता भी एक-दूसरे के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार करते थे।"

वे आगे कहती हैं, "इस तरह की संक्षिप्त मुलाकातों के अलावा, हमारी कभी वास्तव में बातचीत नहीं हुई। हालांकि, वर्षों से हम एक-दूसरे को औपचारिक रूप से जन्मदिन और नववर्ष की शुभकामनाएं देते रहे हैं।"

सोनिया गांधी स्वीकार करती हैं कि दोनों की वैचारिक दुनिया अलग-अलग है और देश को लेकर प्रधानमंत्री मोदी की सोच उनसे बहुत भिन्न है।

किताब के मुताबिक, जब भी सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती रहने के बाद सार्वजनिक जीवन में लौटती हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी उनसे पूछते हैं, "ठीक हैं आप?" इस पर सोनिया जवाब देती हैं, "जी, अब मैं ठीक हूं, शुक्रिया।"

सोनिया गांधी का दावा है कि प्रधानमंत्री मोदी की भारत संबंधी सोच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारकों ने गढ़ी है। उनके मुताबिक, इससे उनके विचारों में एक तरह का "कट्टरपंथ" मजबूत हुआ है। इसके विपरीत, सोनिया कहती हैं कि उनकी अपनी सोच परिवार के सदस्यों से मिली है, जो सभी के लिए स्वतंत्रता और समानता के सिद्धांतों पर आधारित थी।

- **हालांकि, सोनिया ने यह भी कहा, जब भी वे अस्पताल में भर्ती होने के बाद लौटती हैं तो प्र.मंत्री मोदी उनसे पूछते हैं, "ठीक हैं आप", इस पर वे जवाब देती हैं, "जी अब मैं ठीक हूँ, शुक्रिया"**

यमुना में शुरु हुआ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लोक निर्माण और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, वन एवं पर्यावरण और उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा तथा सांसद मनोज तिवारी मौजूद रहे।

सोनोवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की नदियां और अंतर्देशीय जलमार्ग आर्थिक विकास, पर्यटन और टिकाऊ संपर्क के महत्वपूर्ण माध्यम बन रहे हैं। यमुना पर क्रूज सेवा की शुरुआत दिल्ली में नदी पर्यटन की नई लहर का संकेत है। सरकार नदियों की क्षमता का उपयोग पर्यटन, व्यापार और रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए कर रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः2200660, फैक्सः 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, 2418945, फैक्सः 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोनः 256906, 256907, फैक्सः01562-256908